■ नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज - 12

■ श्रम कानून नियोक्ताओं के हित में, सिर्फ संगठित क्षेत्र के 15 प्रतिशत कर्मियों को ही लाभ- 12

■ तमिलनाडु में चक्रवात दितवा के कारण भारी बारिश में तीन की मौत, जलभराव - 13

■ त्रिशा और गायत्री की जोड़ी ने सैयद मोदी इंटरनेशनल खिताब जीता - 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

|कानपुर नगर|

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष एकादशी 07:01 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 1 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 101, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

संसद का शीतकालीन सत्र आज से

नई दिल्ली, एजेंसी

सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत हंगामेदार रहने और इसमें गतिरोध पैदा होने के आसार रविवार को उस वक्त दिखाई दिए जब सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने एक सुर में यह मांग उठाई कि एसआईआर पर चर्चा कराई जानी चाहिए।

सरकार ने हालांकि कहा कि संसद की कार्यवाही अच्छी तरह चलनी चाहिए और वह गतिरोध की स्थिति को टालने के लिए विपक्षी दलों के साथ बातचीत जारी रखेगी। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने चुटीले अंदाज में यह भी कहा कि यह शीतकालीन सत्र है

● एसआईआर पर दोनों सदनों में बन सकती है गतिरोध की स्थिति सर्वदलीय बैठक आयोजित

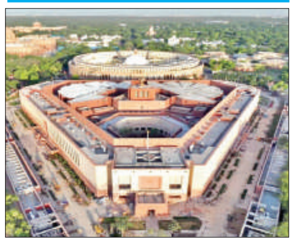

और इसमें सबको ठंडे दिमाग से काम करना चाहिए। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में एसआईआर के साथ ही दिल्ली विस्फोट की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। इसके साथ ही, उन्होंने दिल्ली विस्फोट, वायु प्रदूषण, विदेश नीति, किसानों की स्थिति, महंगाई, बेरोजगारी और कुछ अन्य विषयों पर सत्र के दौरान चर्चा कराने का आग्रह किया। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की प्रचंड जीत से उत्साहित केंद्र सरकार इस सत्र में 14 विधेयक पेश कर सकती है। इस सर्वदलीय बैठक में 36 राजनीतिक दलों के 50 नेता शामिल हुए। बैठक में सरकार का प्रतिनिधित्व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह , स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू और संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शामिल हुए।

रोहित-कोहली ने रचा इतिहास

क्रिकेट का सुपर संडे

रांची। क्रिकेट के लिहाज से रविवार का दिन बेहद शानदार रहा। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने न सिर्फ खुद को साबित किया बल्कि कई रिकॉर्ड भी बना डाले। रांची में कोहली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में शानदार शतक जमाया। कोहली ने इस मैच में 135 रनों की पारी खेली। उन्होंने वनडे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शतक लगाकर किसी

रोहित ने वनडे में सबसे ज्यादा छक्के मारने का बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़ा

रोहित ने 277 मैचों में लगाए 352 छक्के

वनडे में कोहली ने लगाया 52वां शतक

एक फॉर्मेट में सबसे अधिक शतक लगाने के सचिन तेंदुलकर के कीर्तिमान को ध्वस्त कर दिया। यह विराट कोहली का 52वां वनडे शतक है। उनका ये इंटरनेशनल क्रिकेट में 83वां शतक है। वहीं, पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में तीन छक्के लगाकर वनडे में सबसे ज्यादा छक्का लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। रोहित शर्मा के अब 277 वनडे मैचों में 352 छक्के हो गए हैं। इससे पहले पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी के नाम यह रिकॉर्ड था

विराट ने इंटरनेशनल क्रिकेट में लगाया 83वां शतक वनडे में सचिन का रिकॉर्ड तोड़ा

अभिषेक ने 12 गेंदों में जड़ा संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक

भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने रविवार को हैदराबाद में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल के खिलाफ पंजाब के मैच में नाबाद 148 रन बनाने के दौरान संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक जड़ा। टी20 की एक पारी में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक छक्के लगाने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। अभिषेक ने पांच छक्के और इतने की चौके की मदद से सिर्फ 12 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया जो किसी भारतीय द्वारा संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक भी है।

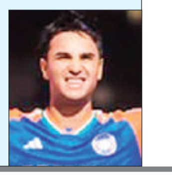

ब्रीफ न्यूज

रैगिंग के आरोप में चार मेडिकल छात्र निलंबित

हैदराबाद। तमिलनाडु में द्वितीय वर्ष के चार मेडिकल छात्रों को कनिष्ठ छात्रों की कथित तौर पर रैगिंग करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना लगभग 15 दिन पहले हुई। आरोप है कि वरिष्ठ छात्रों ने कनिष्ठ छात्रों को छात्रावास में उठक-बैठक करने के लिए मजबूर किया। एक कनिष्ठ छात्र द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद, कॉलेज के अधिकारियों ने तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले के सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रारंभिक जांच की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रैगिंग रोधी समिति की बैठक के बाद चार आरोपी छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई और उन्हें दो महीने के लिए कक्षाओं से प्रतिबंधित किया गया है।

37 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में रविवार को 37 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें से 27 पर कुल 65 लाख रुपये का इनाम घोषित था। दंतेवाड़ा के एसपी ने बताया कि 12 महिलाओं समेत इन नक्सलियों ने 'पूना मारगेम पहल' के तहत पुलिस और सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। बस्तर रेंज के पुलिस द्वारा शुरू की गई यह पहल बस्तर क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए एक परिवर्तनकारी अभियान के रूप में उभर रही है।

एसआईआर के लिए 7 दिन बढ़े

निर्वाचन आयोग ने जारी किए आदेश, अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी को

● 12 राज्यों में वोटर वेरिफिकेशन 11 दिसंबर तक चलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्वाचन आयोग ने नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के पूरे कार्यक्रम को रविवार को एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया। आयोग ने यह कदम विपक्षी दलों के इन आरोपों के बीच उठाया कि 'कम समय-सीमा' लोगों और जमीनी स्तर के चुनाव अधिकारियों के लिए समस्याएं पैदा कर रहा है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि गणना प्रपत्र वितरण अब चार दिसंबर के बजाय 11 दिसंबर तक जारी रहेगा। मसौदा मतदाता सूची अब नौ दिसंबर की जगह 16 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी, जबकि अंतिम मतदाता सूची सात फरवरी के स्थान पर 14 फरवरी 2026 को जारी की जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि आयोग ने उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ आंतरिक चर्चा के आधार पर एसआईआर के सभी 'चरणों' की समय-सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया है जहां यह प्रक्रिया जारी है। विपक्षी दलों ने एसआईआर के दौरान कम से कम 40 बूथ-स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की मौत होने का दावा करते हुए, मतदाता सूची में संशोधन किए जाने के समय पर सवाल उठाया है। उन्होंने दावा किया कि इनमें से ज्यादातर ने कम समय सीमा होने के कारण तनाव में आकर आत्महत्या की। हालांकि, निर्वाचन आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। एसआईआर कार्यक्रम में संशोधन के निर्वाचन आयोग के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह इस बात का संकेत है कि निर्वाचन आयोग को पता था कि समय-सीमा व्यावहारिक नहीं थी। एसआईआर कार्यक्रम में बदलाव का फैसला सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र की पूर्व संध्या पर लिया गया है। पिछले सत्र में विपक्ष द्वारा एसआईआर पर चर्चा की मांग से संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई थी। उस समय बिहार में एसआईआर की कवायद की जा रही थी। सर्वदलीय बैठक से बाहर आते हुए, विपक्षी नेताओं ने सत्र के सुचारू संचालन पर कहा कि वे एसआईआर पर चर्चा के लिए दबाव डालेंगे।

दबाव में न आएं बीएलओ : रिणवा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि एसआईआर की तिथियों में संशोधन करते हुए अवधि एक सप्ताह बढ़ा दी है। उन्होंने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया कि समयावधि बढ़ने के बाद बीएलओ पर किसी भी प्रकार का अनावश्यक दबाव न डाला जाए। जिन बीएलओ को किसी कारणवश कार्य में कठिनाई हो रही है, उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए ताकि प्रक्रिया सुचारु रूप से पूर्ण हो सके। उन्होंने बताया कि अब तक प्रदेश में 10.75 करोड़ यानी 70 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन संपन्न हो चुका है। प्रदेश के 9177 मतदेय स्थलों पर बीएलओ गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण कर चुके हैं।

इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में एसआईआर जारी

छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्यप्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप में एसआईआर जारी है। इनमें तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव होंगे। अधिकांश राज्यों ने मतदाता सूची का पिछला एसआईआर 2002 और 2004 के बीच किया था, और उन्होंने अपने-अपने राज्यों में हुए पिछले एसआईआर के अनुसार वर्तमान मतदाताओं की मैपिंग पूरी कर ली है। मतदाताओं की मैपिंग से तात्पर्य वर्तमान मतदाताओं को मतदाता सूची में उनकी पिछली प्रविष्टियों से जोड़ने, पते का सत्यापन करने तथा बूथ स्तरीय अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन के माध्यम से विसंगतियों को ठीक करने की प्रक्रिया से है।

धर्मांतरण व नशे के जरिये फिर वार करेंगी विदेशी ताकतें: योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/झज्जर

● कहा, सनातन पर कोई प्रहार स्वीकार नहीं धर्मांतरण, लव जिहाद व नशे के खिलाफ उठाएं आवाज

● कबलाना में प्राण प्रतिष्ठा व भंडारे में बोले सीएम योगी, बंटेंगे तो कटेंगे, एकजुट रहना ही सनातन की रक्षा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत का जब भी स्वर्णयुग आता है, बाहरी हमले बढ़ते हैं। विदेशी ताकतें समाज को नशे और धर्मांतरण के जरिए कमजोर करने की कोशिश करेंगी। उन्होंने संतों और योगेश्वरों से जनजागरण करने और हर आयोजन में धर्मांतरण, लव जिहाद, नशे के खिलाफ आवाज उठाने का आह्वान किया। योगी ने फिर दोहराया कि बंटेंगे तो कटेंगे, एकजुट रहना ही सनातन की रक्षा है।

वे रविवार को हरियाणा के झज्जर जिले के कबलाना गांव में आयोजित मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा और आठमान भंडारे में लोगों को संबोधित कर रहे थे। यहां योगी पूरी तरह गोरखपीठाधीश्वर की भूमिका में नजर आए। यहां सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ, बाबा पालनाथ, उनके गुरु भाई व इस परिवार से जुड़े योगेश्वरों, शिव परिवार, बजरंग बली की भव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हुआ। योगी ने साधु-संतों और योगेश्वरों के समक्ष दो बातें रखीं और समाज को चेताया। आगाह किया कि जब स्वर्णयुग आता है तो चैतन्य व सतर्क रहने की प्रेरणा देता है। जब भारत का स्वर्णयुग आया था तब विदेशी हमले होने भी प्रारंभ हो गए थे। हमें फिर से सतर्क रहना होगा। आज भी धर्मांतरण व नशा के माध्यम से हमला होगा और इसके पीछे विदेशियों का हाथ होगा। कोई भी सनातन विरोधी कार्य स्वीकार नहीं होना चाहिए। भारत, विश्व मानवता और चराचर जगत की रक्षा के लिए सनातन धर्म की रक्षा आवश्यक

है। योगी ने कहा कि सनातन तभी सुरक्षित रहेगा, जब हम एक रहेंगे। बंटना नहीं है, बंटेंगे तो कटेंगे। जब-जब बंटे हैं, तब-तब यही हुआ है। जाति, तुष्टिकरण, क्षेत्र, भाषा के नाम पर बंटना नहीं है, बल्कि अयोध्या रामजन्मभूमि पर जैसे धर्मध्वजा फहरा रही है, वैसे ही एकजुट होकर भारत के सनातन धर्म की ध्वजा पताका हर सनातनी के घर पर लहराती दिखनी चाहिए। योगी ने यह भी कहा कि देश में भारत की सोच के अनुरूप सरकारें हैं। हरियाणा में भी डबल इंजन सरकार है।

इस दौरान बाबा मस्तनाथ पीठ रोहतक के महंत व विधायक योगी बालक नाथ, महंत नरहरिनाथ जी महाराज, महंत चेतांईनाथ जी महाराज, महंत राजनाथ जी महाराज, लहरनाथ जी महाराज, पूर्णनाथ जी महाराज आदि मौजूद रहे।

रोडवेज बस ने टेंपो को मारी टक्कर, 6 लोगों की गई जान

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● रविवार दोपहर नेशनल हाईवे पर हुआ हादसा वैवाहिक समारोह में शामिल होने जा रहे थे सभी

अमृत विचार: कटघर थाना क्षेत्र के मुरादाबाद-रामपुर नेशनल हाईवे पर रविवार की दोपहर रोडवेज ने टेंपो में टक्कर मार दी जिससे छह लोगों की मौत हो गई और 5 लोग घायल हो गए। ये सभी वैवाहिक समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

कुंदरकी थाना क्षेत्र के अब्दुल्लापुर गांव निवासी करन सिंह मूंढा पांडे ब्लॉक के गांव रफातपुर में फुफेरे भाई धर्मपाल की बेटी की शादी में शामिल होने परिवार सहित जा रहे थे। उनके साथ बहनोई मुरारी का भी परिवार था। सभी 11 लोग गांव के ही संजू पुत्र मुन्ना के टेंपो से निकले। नेशनल हाईवे पर रामगंगा पुल के पास मुरादाबाद से जा रही मेरठ डिपो की बस ने पीछे से टेंपो में टक्कर मार दी। बस की टक्कर से टेंपो के परखच्चे उड़ गए। टेंपो में बैठे अभय पुत्र ओमवीर, सीमा पत्नी करन सिंह, आरती पुत्री मुरारी लाल, टेंपो चालक संजू और सुमन पत्नी हरदीप निवासी मनदोई की मौके पर ही मौत हो गई। करन सिंह, अनन्या, रानी, झलक, अंशु, अनुष्का गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां अनन्या ने भी दम तोड़ दिया।

दितवा तूफान के प्रभाव से प्रदेश में बढ़ेगी ठंड

● अगले 48 घंटे में बादल छाने की संभावना कुछ जिलों में शीतलहर का अलर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में सोमवार यानि 1 दिसंबर से सर्दी अपना और सख्त मिजाज दिखाने जा रही है। मौसम विभाग ने लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी, इटावा, बरेली, मुजफ्फरनगर समेत कई अन्य जिलों में जहां शीतलहर का अलर्ट जारी किया है, वहीं कई जिलों में कोहरे का अनुमान जताया है।

इस बीच तूफान दितवा का प्रभाव भी अब उत्तर प्रदेश तक पहुंचने लगा है। ऐसे में अगले 48 घंटों में बादल छा सकते हैं, जिससे दिन का तापमान गिरने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, एक दिसंबर से ठंड की रफ्तार बढ़ेगी। कई जिलों में न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया जा सकता है, अधिकतम तापमान लुढ़क कर 20 डिग्री सेल्सियस तक रहने का अनुमान है। उधर, दक्षिण भारत में भारी बारिश कराने वाला तूफान अब उत्तर भारत के मौसम में भी बदलाव ला सकता है। चक्रवाती तूफान दितवा धीरे-धीरे उत्तर भारत के मौसम को प्रभावित करने लगा है।

कानपुर में न्यूनतम तापमान 7.7 डिग्री पहुंचा

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि तूफान की दिशा और गति अभी बदल रही है, इसलिए उत्तर प्रदेश पर इसका कितना असर पड़ेगा, यह साफ नहीं है। फिर भी माना जा रहा है कि ऊंचे बादल और हल्की ठंडी हवाएं दिन के तापमान को नीचे ला सकती हैं। इससे पहले शनिवार को कानपुर में न्यूनतम तापमान 7.7 डिग्री रहा, वहीं इटावा में 8 डिग्री सेल्सियस, बरेली में नौ डिग्री सेल्सियस और हरदोई व बुलंदशहर में 10 डिग्री दर्ज किया गया।

मुरादाबाद में बीएलओ ने फंदा लगा की आत्महत्या, सुसाइड नोट छोड़ा

संवाददाता, भोजपुर (मुरादाबाद)

अमृत विचार: एसआईआर ड्यूटी में लगे बीएलओ ने सुसाइड नोट लिखकर अपने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। उन्होंने सुसाइड नोट में एसआईआर का लक्ष्य पूरा नहीं कर पाने की वजह से परेशान होने की बात लिखी।

सर्वेश कुमार

थाना भोजपुर क्षेत्र के गांव बहेड़ी ब्राह्मन निवासी सर्वेश कुमार (40) गांव जाहिदपुर में कंपोजिट विद्यालय में सहायक शिक्षक थे। एसआईआर के लिए उन्हें बूथ नंबर 406 का बीएलओ बनाया गया था। शनिवार की रात को शिक्षक सर्वेश दूसरी मंजिल पर सो रहे थे। नीचे कमरे में पत्नी बबली, चार बेटियां सो रहीं थीं। रविवार की सुबह पत्नी उन्हें जगाने गई तो कमरे में पति का शव फंदे पर लटका देख उनकी चीख निकल गई। जानकारी पर पुलिस पहुंची और मौका मुआयना किया। मेज पर तीन पन्ने का सुसाइड नोट रखा मिला जिसमें शिक्षक सर्वेश ने लिखा है कि 14-15 वर्ष में पहली बार बूथ संख्या 406 पर बीएलओ की ड्यूटी लगी है।

मां की गोद से मासूम को उठा ले गया तेंदुआ, शव मिला

संवाददाता, बलरामपुर

● गांव में वन विभाग की टीम तैनात कर जांच तेज की गई

अमृत विचार: सोहेलवा वन्यजीव प्रभाग के बनकटवा रेंज अंतर्गत रेहरापुरवा झौहना गांव में शनिवार की रात दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक तेंदुआ घर में घुसकर मां की गोद से डेढ़ वर्षीय मासूम को छीन ले गया। काफी खोजबीन के बाद मासूम का क्षत-विक्षत शव मिला। इस हादसे से पूरा गांव दहशत में है। वन विभाग ने जांच शुरू कर दी है।

बरहवा ग्राम पंचायत के गुरदासपुरवा की निवासी चनवती अपने नंदोई भगवत राम के घर मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने आई थीं। शनिवार रात करीब दो बजे वह अपने मासूम रोहित को साथ लेकर कमरे में सो रही थी। अचानक तेंदुआ घर में घुसा और पास लेटे बच्चे को मुंह में दबाकर भाग निकला। चनवती और घर की महिलाओं ने चीखते हुए पीछा किया, परंतु तेंदुआ अंधेरे में गायब हो गया। घटना की सूचना पर डायल 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों संग संयुक्त खोज में मासूम का शव गांव से डेढ़ सौ मीटर दूर मिला।

मन की बात

प्रधानमंत्री ने कहा- नए साल की खरीदारी में वोकल फॉर लोकल अपनाएं, कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलना शानदार

युवाओं की लगन विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अंतरिक्ष निर्माण से लेकर कृषि तक विभिन्न क्षेत्रों में हाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के युवाओं की लगन विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। मोदी ने अपने मासिक मन की बात रेडियो संबोधन में नवंबर माह की प्रेरणादायक घटनाओं में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने, संविधान दिवस समारोह और अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा के आरोहण को सूचीबद्ध किया।

उन्होंने इसके साथ ही हैदराबाद में दुनिया की सबसे बड़ी लीप इंजन एमआरओ इकाई का उद्घाटन और आईएनएस 'माहे' को भारतीय नौसेना में शामिल किए जाने का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले सप्ताह ही, स्काईरूट के इन्फिनिटी कैंपस ने भारत के अंतरिक्ष परिवेशी तंत्र को एक नयी उड़ान दी। ये भारत की नई सोच, नवाचार और युवा शक्ति का प्रतिबिंब है। मोदी ने सोशल मीडिया पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आयोजित एक अनोखी ड्रोन प्रतियोगिता के वीडियो का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा, इस वीडियो में हमारे देश के युवा और खासकर हमारे जेन-जेड मंगल ग्रह जैसी परिस्थितियों में ड्रोन उड़ाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मंगल ग्रह पर जीपीएस संभव नहीं, इसके चलते ड्रोन को कोई बाहरी संकेत या निर्देश नहीं मिल सकता, इसलिए युवा ड्रोन को बिना जीपीएस अपने कैमरे और इनबिल्ट सॉफ्टवेयर के सहारे उड़ाने की कोशिश कर रहे थे। मोदी ने कहा कि युवा टीम ने कई बार के प्रयास के बाद सफलता पायी क्योंकि उनका ड्रोन कई बार गिरा, दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इसरो ने वैज्ञानिक तब कुछ पल के लिए निराश हो गए थे जब चंद्रयान-2 संपर्क से बाहर हो गया था, लेकिन उसी दिन उन्होंने चंद्रयान-3 की सफलता की कहानी लिखनी शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि यह कारण है कि जब चंद्रयान-3 ने सफल लैंडिंग की, तो वो सिर्फ एक मिशन की सफलता नहीं थी, वो तो असफलता से निकलकर बनाए गए विश्वास की सफलता थी।

वाराणसी में होने वाले काशी-तमिल संगमम के दौरान सीखें तमिल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से वाराणसी में आयोजित होने वाले काशी-तमिल संगमम में भाग लेने और तमिल भाषा सीखने के अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया। काशी-तमिल संगमम का चौथा संस्करण दो दिसंबर को वाराणसी के नमो घाट पर शुरू होगा। मोदी ने कहा, इस बार के काशी-तमिल संगमम का विषय बहुत ही रोचक है, तमिल सीखें - तमिल करकलम। उन्होंने इस आयोजन को विश्व की सबसे प्राचीन भाषा और विश्व के सबसे प्राचीन शहरों में से एक का संगम बताया। कहा कि काशी-तमिल संगमम उन सभी लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बन गया है जिन्हें तमिल भाषा से लगाव है।

न्यूज ब्रीफ

9 इकाइयों को मिला राज्य स्तरीय सम्मान

अमृत विचार, लखनऊ : केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गोमती नगर, लखनऊ में उप्र. खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वाधान में आयोजित खादी महोत्सव-2025 का रविवार को दसवें दिन समापन हुआ। मुख्य अतिथि खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग के प्रमुख सचिव अनिल सागर रहे। उनके साथ बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी शिशिर, संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी सिद्धार्थ यादव सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली इकाइयों को प्रमुख सचिव द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। खादी श्रेणी में प्रथम पुरस्कार स्वराज्य आश्रम, कानपुर, द्वितीय पुरस्कार ग्राम सेवा संस्थान, फतेहपुर, तथा तृतीय पुरस्कार भूरज सेवा संस्थान, हरदोई को प्रदान किया गया। ग्रामोद्योग श्रेणी में प्रथम पुरस्कार अब्बास अंसारी, मुजफ्फरनगर, द्वितीय पुरस्कार तहजीबुल हसन, बिजनौर, और तृतीय पुरस्कार अंजली सिंह, जूट आर्टिजेन्स लखनऊ को दिया गया। माटी कला श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्रेम चन्द, बाराबंकी, द्वितीय पुरस्कार मतलूब, बुलन्दशहतथा तृतीय पुरस्कार शिव कुमार प्रजापति, बाराबंकी को दिया गया।

आज से नई एजेंसियां बनाएंगी डीएल

अमृत विचार, लखनऊ : ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया में सोमवार से बदलाव देखने को मिलेगा। डीएल से जुड़े काम के लिए अब नई एजेंसी तय कर दी गई हैं। इस संबंध में कंपनी ने सभी तकनीकी तैयारियां पूरी कर ली हैं। सोमवार से डीएल बनाने का काम नई कंपनी के कर्मचारी संभालेंगे। इससे जुड़ी टेस्टिंग भी परख ली गई है। परिवहन विभाग में ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी अभी तक निजी एजेंसी स्मार्ट चिप के पास थी। इसमें एजेंसी के दर्जनों कर्मचारी लगे हुए थे। अब यह जिम्मेदारी प्रदेशभर में तीन एजेंसियों को दी गई है। ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित कार्यों के लिए हार्डवेयर इंस्टॉलेशन होना था, ऐसे में पिछले हफ्ते तीन से चार दिनों तक डीएल अप्रूवल ठप था। इसकी वजह से आवेदकों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा। लेकिन अब यह दुश्वारियां सोमवार से खत्म होने की उम्मीद है। लखनऊ में सिल्वर टच एजेंसी यह कार्य संभालेगी। वहीं फोकाम नेट व रोजमार्टा के पास अन्य जिलों की जिम्मेदारियां हैं। वहीं एजेंसी के अंतर्गत काम करने वाले कर्मचारियों को स्थानांतरित किया गया है। लखनऊ आरटीओ में आसपास के जिलों में इन कर्मचारियों को तैनात किए जाने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश में एचआईवी के 1.95 लाख मरीज, युवाओं की संख्या अधिक

पंकज द्विवेदी, लखनऊ

विश्व एड्स दिवस आज

- दवा के सहारे जी रहे 1.31 लाख से अधिक मरीज

अमृत विचार : प्रदेश में एचआईवी और एड्स को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ताजा रिपोर्ट ने फिर गंभीर तस्वीर सामने रखी है। प्रदेश में 1,31,734 एचआईवी मरीज एआरटी सेवाओं पर जीवित हैं। राज्य में अनुमानित एचआईवी से संक्रमित (पीएलएचआईवी) की संख्या 1,95,429 होने से संक्रमण की वास्तविक व्यापकता का अंदाजा लगाया जा सकता है। चिकित्सकों का मानना है कि एचआईवी के प्रति जागरुकता बढ़ने की वजह से मरीजों की संख्या बढ़ी है। सरकार की ओर से कई तरह के जागरुकता अभियान चलाए जा रहें हैं, इससे लोग संकोच छोड़ जांच के लिए आ रहे हैं। ये जानकारी किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में एंटी-रेस्ट्रोवायरल थेरेपी सेंटर (एआरटी) प्रभारी डॉ. डी. हिमांशू ने रविवार को दी।

डॉ. हिमांशू ने बताया विश्व एड्स दिवस 1988 के बाद से प्रत्येक वर्ष 1 दिसंबर को मनाया जाता है। 2030 तक एचआईवी की महामारी को समाप्त करने के लक्ष्य और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जागरूकता व समाज को शिक्षित करने पर जोर दिया जा रहा है। रिपोर्ट ये भी बताती है कि 146 मरीज सेकंड लाइन एआरटी और 20 मरीज थर्ड लाइन एआरटी पर इलाज ले रहे हैं। जनवरी से अक्टूबर के बीच 80 एएनसी परीक्षण और अप्रैल से अक्टूबर में 114 टीबी के साथ एचआईवी के मरीज हैं। प्रदेश के 75 जिलों में 61 एआरटी सेंटर, 26 लिंक एआरटी सेंटर, 27 सीएससी, 35 सीडी-4 लैब्स और 4 वायरल लोड टेस्टिंग सेंटर इस समय बड़ी संख्या में मरीजों को इलाज मुहैया करा रहे हैं।

जागरुकता व समाज को शिक्षित करने पर जोर

- डॉ. हिमांशू ने बताया कि 2030 तक एचआईवी की महामारी को समाप्त करने के लक्ष्य और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जागरूकता व समाज को शिक्षित करने पर जोर दिया जा रहा है। एचआईवी की चपेट में 25 से 35 साल की उम्र के युवाओं की संख्या अधिक है। जागरुकता का ही नतीजा है कि केजीएमयू के एआरटी सेंटर में कोविड से पहले तक 2500 मरीज पंजीकृत थे। अब यह संख्या बढ़कर 4658 हो गई है। गर्भावस्था की शुरुआत में ही जांच कराने से एचआईवी की पुष्टि होने से गर्भस्थ को वायरस से बचाया जा सकता।

दवा काम न करने पर इंजेक्शन कारगर

- डॉ. हिमांशू के मुताबिक एचआई के मरीजों को एआरटी सेंटर से निशुल्क दवाएं दी जा रही हैं। यह दवाएं टैबलेट के रूप में हैं। बीमारी गंभीर होने की स्थिति में जब यह दवाएं अपना असर नहीं कर पाती हैं। तब इंजेक्शन से वायरस को काबू किया जाता है। यह इंजेक्शन तीन व छह माह के अंतराल में लगाए जाते हैं। हालांकि, जिले में ऐसे मरीजों की संख्या नहीं है।

लखनऊ में एक वर्ष में 536 मरीज बढ़े

- केजीएमयू के एआरटी सेंटर से 4658 मरीज उपचार ले रहें हैं। एक वर्ष पहले ये आंकड़ा 4122 था। इनमें 275 बच्चे शामिल हैं। संक्रमित सिरिंज से नशीली दवाएं लेने के दौरान संक्रमित 352, असुरक्षित यौन संबंध 140, 20 ट्रांसजेंडर और 4 महिला सेक्स वर्कर शामिल हैं।

मिर्जापुर का नाम बदले जाने की संभावना

अमृत विचार,लखनऊः उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले का नाम भी शीघ्र बदले जाने की चर्चा है। दरअसल, हाल ही में हुई जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक में जिले का नाम 'विंध्याचल धाम'करने पर सहमति बनी है। इस बैठक में कैबिनेट मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी भी मौजूद रहे। उन्होंने अधिकारियों को इस संबंध में औपचारिक प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए हैं। लंबे समय से स्थानीय लोग और कई जनप्रतिनिधि यह मांग उठाते रहे हैं कि जब देवी मंदिर की ख्याति पूरे देश में है तो जिले का नाम भी इसी धार्मिक पहचान से जुड़ा होना चाहिए।

जमीनों पर दबंग या माफिया का कब्जा बर्दाश्त नहीं : योगी

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में अधिकारियों को दी सख्त हिदायत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जमीन पर कब्जे की कोशिश करने वालों को सबक सिखाएं
- हर समस्या का त्वरित और पारदर्शी निस्तारण कराएं

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जमीन कब्जाने की शिकायत पर रविवार को कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि किसी भी गरीब की जमीन पर यदि कोई कब्जा करने की कोशिश करे तो उसे ठीक से सबक सिखाया जाए। गरीब की जमीनों पर दबंग या माफिया का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार दूसरे दिन रविवार सुबह जनता दर्शन कार्यक्रम में 200 से अधिक लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुन रहे थे। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा कि घबराइए मत, हर समस्या का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित की शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निस्तारण कराएं। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। जनता दर्शन में अंबेडकरनगर से आई एक महिला ने बाजार गए अपने बच्चे के साइकिल सहित गायब होने की पीड़ा बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि इस प्रकरण को संवेदनशीलता से लिया जाए और बच्चे का पता लगाने को जरूरी कदम उठाए जाएं। जनता दर्शन में इस बार भी कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें मदद का भरोसा दिया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। एक महिला द्वारा किडनी के इलाज में डायलिसिस कराने की जरूरत और उसके लिए धनराशि न होने की बात कहने पर मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अफसरों को निर्देशित किया कि डायलिसिस के लिए पैसे की व्यवस्था कराई जाए।

जनता दरबार में महिला की समस्या सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

पैमाइश में नहीं चलेगी ताकतवर की मनमर्जी

- **अमृत विचार, लखनऊ :** उत्तर प्रदेश में अब जमीनों की पैमाइश में ताकतवर की मनमर्जी नहीं चलेगी। दरअसल, राज्य सरकार चकबंदी प्रक्रिया में बदलाव करने जा रही है। सरकार की कोशिश इसे पारदर्शी बनाना है ताकि इसको लेकर आए दिन होने वाली धांधली की शिकायतों पर अंकुश लगाया जा सके। नई योजना के तहत चकबंदी से पहले गाटावार रोवर मशीन से ई-नक्शा तैयार होगा। फिर इसका पुराने नक्शे से मिलान करते हुए चकबंदी की कवायद पूरी की जाएगी। नक्शा तैयार करने के लिए उच्च तकनीक का प्रयोग होगा। फिलहाल पुराने नक्शों के आधार पर ही चकबंदी की जा रही है। इससे यह जानकारी नहीं मिल पा रही है कि वर्तमान में भूमि की क्या स्थिति है। ताकतवर लोग अपने हिसाब से जमीनों की पैमाइश करा लेते हैं और कमजोर लोगों को हमेशा यह शिकायत रहती है कि उनका हक मारा गया।

15 तक पूरीं हो जाएं माघ मेले की तैयारियां: एके शर्मा

अमृत विचार, लखनऊ : नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने माघ मेला 2026 को लेकर प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने मेले के आयोजन से जुड़े सभी सम्बंधित विभागों को 15 दिसम्बर तक सभी कार्यों को पूरा कर लेने के निर्देश दिए। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को मेले के दौरान गंगा नदी में जल की पर्याप्त उपलब्धता बनाये रखने के निर्देश दिए है।

शर्मा ने घाटों एवं सड़कों की साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम को निर्देशित किया है। उन्होंने मेला अवधि में मेले में साफ-सफाई कार्य के लिए लगाये गये सफाई कर्मियों के लिए रहने व खाने की अच्छी व्यवस्था करने के लिए कहा है।

माघ मेले में मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भारी भीड़ आने के मद्देनजर खुलेंगे 4 अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्र
- पर्यटन स्थलों, गाइड और पेइंग गेस्ट हाउस की मिलेगी जानकारी

बढ़ती पर्यटकों की संख्या

- वर्ष 2020 – 3,19,33,758
- वर्ष 2021 – 1,12,13,496
- वर्ष 2022 – 2,60,47,166
- वर्ष 2023 – 5,06,71,622
- वर्ष 2024 – 5,12,62,806
- वर्ष 2025 (जनवरी–सितंबर) – 6,82,15,806

अमृत विचारः पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए पर्यटन विभाग पहली बार माघ मेले में चार अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्र स्थापित करेगा। इन केंद्रों में आने वाले श्रद्धालुओं व पर्यटकों को शहर के पर्यटन स्थलों, यात्रा मार्गों, पेइंग गेस्ट हाउस और प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइडों की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएगी।

महाकुंभ 2025 की दिव्यता और भव्यता ने प्रयागराज को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। यूनेस्को द्वारा 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' के रूप में मिली मान्यता के बाद अब संगम नगरी माघ मेला 2026 की तैयारियों में जुटी है। अनुमानित भारी भीड़ को देखते हुए योगी सरकार इस बार पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए विशेष व्यवस्था कर रही है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह के अनुसार प्रयागराज में पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि जारी है। ऐसे में पर्यटन विभाग के सूचना केंद्र पर्यटकों के लिए एकल-खिड़की सुविधा की तरह काम करेंगे। यहां प्रयागराज के प्रमुख पर्यटन स्थलों की हिंदी व अंग्रेजी में पुस्तिकाएं होंगी। सभी जानकारी का डिजिटल संस्करण, गाइड बुक एवं प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइडों की सूची मिलेगी।

सूचना केंद्र पर पंजीकृत पेइंग गेस्ट हाउस के विवरण के साथ जरूरत पड़ने पर मार्गदर्शन व सहायता दी जाएगी। योगी सरकार का उद्देश्य माघ मेले को सुगम, सुरक्षित और पर्यटक–अनुकूल बनाना है, ताकि श्रद्धालु इस आध्यात्मिक अनुभव के साथ शहर की सांस्कृतिक धरोहर को भी सहजता से जान सकें।

बढ़ गई डेडलाइन, मानसिक दबाव में न आएं बीएलओ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप्र. के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने दिया सुझाव

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच गोंडा, फतेहपुर, बिजनौर, मुरादाबाद जिलों से आयी बीएलओ की मौत की खबरों को लेकर राजनीतिक दल चुनाव आयोग पर निशाना साध रहे हैं।

इस बीच भारत निर्वाचन आयोग ने बीएलओ को राहत देने का एक और निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में चल रहे एसआईआर की घोषित तिथियों को एक सप्ताह बढ़ाते हुए संशोधित तिथियां जारी कर दी गई हैं। ऐसे में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि चूंकि एक सप्ताह की अवधि और मिल गई है, इसलिए उनके अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों ख़ासकर बीएलओ को अनावश्यक मानसिक दबाव में आने की आवश्यकता नहीं है। पर्याप्त समय है जिसमें सारा कार्य पूरा हो सकता है। ऐसे बीएलओ जो किसी भी वजह से कार्य में पिछड़ गए हैं और जिनको सहयोग की आवश्यकता उनको यथा आवश्यक सहयोग दिलाया जाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि संशोधन तिथियां के अनुसार 11 दिसम्बर तक गणना अवधि निर्धारित की गई है। मतदेय स्थलों का संभाजन भी 11 दिसम्बर तक किया जाएगा। 12 दिसंबर से 15 दिसंबर तक कंट्रोल टेबल को अपडेट करने के साथ आलेख्य नामावली की तैयारी की जाएगी।

70 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूरा

- मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अब तक प्रदेश में 10 .75 करोड़ से अधिक यानी 70 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन हो चुका है। साथ ही अब तक 9177 मतदेय स्थलों पर बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा कर लिया गया है।

ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन से पूर्व होगी बैठक

- उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन से पूर्व हर पोलिंग बूथ पर बीएलओ और राजनैतिक दलों द्वारा तैनात बूथ लेवल एजेंट की बैठक होगी। जिसमें बीएलओ द्वारा ऐसे मतदाताओं की सूची एजेंट को उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनका नाम ड्राफ़्ट मतदाता सूची में किन्हीं कारणों की वजह से नहीं आ रहा है।

उत्तर प्रदेश में सभी क्षेत्रों पर लागू हो गया न्यूनतम वेतन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- श्रम मंत्री ने कहा- 29 पुराने श्रम कानूनों के एकीकरण से श्रमिकों को फायदा
- देशभर में लागू चार श्रम संहिताओं से वेतन भुगतान दो दिन में अनिवार्य

जानकारी देते मंत्री अनिल राजभर।

अमृत विचारः राज्य के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि मोदी सरकार 29 पुराने श्रम कानूनों का एकीकरण करके देशभर में चार श्रम संहिताओं को लागू कर दिया है। इससे यूपी के कामगारों को फायदे हुए हैं। अब यहां न्यूनतम वेतन सभी क्षेत्रों पर लागू हो गया है। वेतन भुगतान दो दिन में करना अनिवार्य होगा।

लोक भवन स्थित मीडिया सेंटर में रविवार को प्रेस वार्ता में मंत्री राजभर ने कहा कि मजदूरी संहिता के तहत न्यूनतम वेतन सभी क्षेत्रों पर लागू होगा। सेवा समाप्ति या त्यागपत्र की स्थिति में दो दिनों के भीतर वेतन भुगतान अनिवार्य है। सामाजिक सुरक्षा संहिता में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को पहली बार वैधानिक पहचान देते हुए उन्हें सामाजिक सुरक्षा के दायरे में शामिल किया गया है। इनके लिए कल्याण कोष बनाया जाएगा, जिसमें एग्रीगेटर्स 1–2 प्रतिशत टर्नओवर का योगदान देंगे। फिक्स्ड टर्म कर्मचारियों को स्थायी कर्मचारियों जैसे सभी लाभ मिलेंगे और एक वर्ष की सेवा पर ग्रेच्युटी का अधिकार मिलेगा। निजी आवास निर्माण सीमा बढ़ाकर 50 लाख कर दी गई है।

उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता में सभी प्रतिष्ठानों में सुरक्षा, स्वच्छता और कार्यदशा संबंधी प्रावधानों को आधुनिक रूप में लागू किया गया है। प्रत्येक श्रमिक का वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य किया गया है। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार स्थानीय स्तर पर करियर केंद्र स्थापित करेगी, जहाँ युवाओं का डेटा संकलन, परामर्श और रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे। पंजीकरण और पूरा पत्राचार प्रक्रिया इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से होगी।उन्होंने कहा कि निरीक्षण व्यवस्था अब पूरी तरह ऑनलाइन होगी और रैंडमाइज्ड सिस्टम लागू होने से इंस्पेक्टर राज समाप्त होगा। प्रथम उल्लंघन पर अधिकतम जुर्माने के 50 प्रतिशत भुगतान पर उपशमन मिलेगा, जिससे उद्योगों को राहत और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा।

ओवरटाइम पर दोगुना वेतन, मिलेगी वेतन पर्ची

- मंत्री ने बताया कि ओवरटाइम के लिए दोगुने वेतन का प्रावधान किया गया है। वेतन से कटौती की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत होगी। साथ ही, सभी कर्मचारियों को वेज–स्लिप देना अब अनिवार्य किया गया है, जिससे वेतन व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी बनेगी।

बंदी व छंटनी में राज्य की अनुमति अनिवार्य

- औद्योगिक संबंध संहिता में 300 से अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों में छंटनी या बंदी हेतु राज्य सरकार की अनुमति अनिवार्य की गई है। 14 दिन की पूर्व सूचना के बिना हड़ताल, तालाबंदी या अवकाश प्रतिबंधित रहेगा। शिकायत परितोष समिति, वार्ताकारी परिषद और दो सदस्यीय औद्योगिक अधिकरण का गठन किया गया है।

इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स का अधिवेशन हुआ

अमृत विचार, लखनऊ : इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) उत्तर प्रदेश स्टेट सेंटर का 105वां वार्षिक अधिवेशन इंजीनियर्स भवन में आयोजित किया गया। इसकी शुरुआत वर्तमान और पूर्व पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर की।संस्था में देश-विदेश में 10 लाख से अधिक सदस्यों और 125 शाखाएं हैं। निवर्तमान अध्यक्ष सत्य प्रकाश ने नई कार्यकारिणी का परिचय कराया। अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह मुख्य अभियंता (से.नि), मर्चेंट नेवी सचिव निरेन्द्र कुमार निषाद ने औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। अध्यक्ष ने सदस्यों के विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया और संस्थान की प्रगति के लिए समर्पित होकर कार्य करने का आश्वासन दिया।

निवेश सुगमता व कौशल विकास से बढ़ा कारोबार और रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 4,675 प्रशासनिक सुधार व 2,500 व्यवसायिक बदलावों से उद्योगों को राहत
- निवेश मित्र, केपीआई आधारित सिस्टम और रोजगार मेलों से बदला परिदृश्य

अमृत विचारः राज्य की विकास यात्रा के तीनों स्तंभ निवेश, उद्योग और रोजगार तेज़ी से मजबूत हो रहे हैं। 'उद्यम प्रदेश' के लक्ष्य को साकार करने के लिए योगी सरकार ने एक ओर 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' में व्यापक प्रशासनिक सुधार किए, तो दूसरी ओर स्किल इंडिया, डीसीसीवाई और युवा उद्यमिता योजनाओं के माध्यम से लाखों युवाओं के लिए रोजगार के दरवाजे खोले हैं।

शासन के अफसरों के अनुसार सरकार ने उद्योग स्थापना में आने वाली बाधाओं को हटाने के लिए 4,675 प्रशासनिक सुधार और 2,500 व्यवसाय-केंद्रित सुधार लागू किए हैं। मंजूरी, लाइसेंस, पंजीकरण और अनुपालन से जुड़ी ज्यादातर प्रक्रिया अब डिजिटल हो चुकी हैं। इंटेंट फाइलिंग,लेटर ऑफ अप्रूवल,कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म और अनेक विभागीय अनुमतियां अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं। इससे नए निवेशकों को दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते और प्रक्रिया समय व लागत दोनों में कमी आई है।

प्रदेश का प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म 'निवेश मित्र 2.0' निवेशकों के लिए 43 विभागों की 525 सेवाएं एक ही मंच पर उपलब्ध करा रहा है। एआई आधारित डैशबोर्ड, रीयल टाइम डेटा विश्लेषण, मजबूत शिकायत निस्तारण प्रणाली और 'नो योर अप्रूवल्स' जैसी विशेषताएं इसे देश का सबसे उन्नत निवेश प्लेटफॉर्म बनाती हैं। जल्द ही निवेश मित्र 3.0 लागू किया जाएगा, जिसमें जीआईएस आधारित लैंड बैंक व लाइव प्लॉट मैपिंग उपलब्ध होगी, जिससे भौतिक निरीक्षण की बाध्यता समाप्त हो जाएगी।

यूपीसीडा में केपीआई आधारित मॉडल से 389% बढ़ा आवेदन

- योगी सरकार ने कार्यकुशलता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए यूपीसीडा में केपीआई आधारित पदोन्नति और मूल्यांकन प्रणाली लागू की है। इसके परिणामस्वरूप 2018–19 में 625 आवेदन प्रोसेस हुए थे, 2025–26 में यह संख्या 3,059 पहुंच गई, जो 389 प्रतिशत वृद्धि है। निवेशकों की संतुष्टि दर भी 96 .32 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो यूपीसीडा की दक्ष कार्यप्रणाली को दर्शाती है।

5.66 लाख को नौकरी कौशल , तकनीक पर जोर

- निवेश सुगमता के साथ–साथ सरकार ने रोजगार सृजन और युवाओं के कौशल विकास को प्राथमिकता दी है। आईटीआई–पॉलिटेक्निक पास 5 .66 लाख युवाओं को 2017 के बाद से स्किल इंडिया मिशन, दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्या योजना, मिशन रोजगार के तहत रोजगार मिला। पूरे प्रदेश में 2,800 से अधिक प्रशिक्षण केंद्र उद्योग उन्मुख कौशल प्रदान कर रहे हैं। 1,747 सक्रिय ट्रेनिंग पार्टनरों के माध्यम से डिजिटल मार्केटिंग, एआई, ईवी मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन जॉब्स जैसे आधुनिक कौशल में युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

लापरवाही | वन अधिनियम से बाहर, नगर निगम, पालिका और पंचायतें झाड़ लेतीं हैं पल्ला, घंटों तड़पते रहते घायल और बीमार बंदर, नहीं मिलती मदद

नियमों में फंसा लाल मुंह के बंदरों का संरक्षण, जिम्मेदारी तय नहीं

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : लाल मुंह वाले बंदरों का रखवाला कौन है? ये बंदर नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के नियमों में ऐसे फंसे हैं कि इनका इलाज तक करने वाला कोई नहीं। अक्सर किसी न किसी दुर्घटना में घायल यह वन्यजीव सड़क पर ही दम तोड़ देते हैं। ऐसे में वन विभाग बंदरों को अपने अधिनियम से बाहर बताता है तो नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत और ग्राम पंचायतें भी इन्हें अपने कार्य क्षेत्र से बाहर बताती हैं। विभागों के पल्ला झाड़ लेने से इन्हें उपचार तक नहीं मिल पाता है और इनकी मौत हो जाती है। इन महकमों के पास घायल और बीमार बंदरों के उपचार और संरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है।

इन विभागों के पास बंदरों को शामिल करने का कोई स्पष्ट आदेश नहीं है न ही स्थानीय स्तर पर घायल बंदरों को पकड़ना, उनका इलाज करना और उन्हें सुरक्षित रखने की कोई व्यवस्था है। फिर भी ऐसी घटनाओं पर बड़े शहरों में अफसरों के निर्देश पर गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) से मदद मांगी जाती है। लेकिन, छोटे जिलों और खासकर ग्राम पंचायतों के पास किसी तरह की व्यवस्था नहीं हैं। ज्यादातर बंदर सड़क हादसे व करंट से झुलसकर घायल मिलते हैं और घंटों इनकी मदद विभागीय खींचतान की वजह से नहीं हो पाती है। वहीं, लंगूर बंदर वन विभाग के अधीन है। फिर भी इनके उपचार और संरक्षण में टीम देर सबेर पहुंचती है या फिर मदद नहीं मिलती है।

अयोध्या में नहीं मिली मदद, हो गई मौत

केस 1 नवंबर में अयोध्या के गणेश नगर में पैरालाइज्ड बंदर की सूचना लोगों ने वन विभाग और नगर निगम को दी। रात में मदद नहीं मिली और दिन में घंटों विभागीय खींचतान में मौत हो गई। जबकि समय रहते बचाया जा सकता था।

वन विभाग ने डाल दी ग्राम पंचायत पर जिम्मेदारी

केस 2 नवंबर में अयोध्या के मिल्कीपुर के ग्राम कुचेरा में करंट से झुलसे लंगूर की सूचना वन विभाग को दी गई। वन विभाग ने दो दिन तक रेस्क्यू न करके ग्राम पंचायत पर जिम्मेदारी डाल दी। वन मुख्यालय के निर्देश पर रेस्क्यू करके उपचार किया गया।

राजधानी में तड़पता रहा झुलसा बंदर

केस 3 अक्टूबर में लखनऊ के आलमबाग में करंट से झुलसे लाल मुंह के बंदर की लोगों ने नगर निगम को सूचना दी। नगर निगम ने अपने कार्य क्षेत्र से बाहर बता दिया। घंटों बंदर तड़पता रहा। हालांकि काफी देर बाद नगर निगम ने एक एनजीओ से रेस्क्यू कराया।

बांदा में तड़पता रहा बंदर

केस 4 करीब तीन माह पहले बांदा के ग्रामीण क्षेत्र में करंट से दोनों पैर झुलसे बंदर की सूचना पर वन विभाग ने पल्ला झाड़ लिया। ग्राम पंचायत के पास मदद के इंतजाम नहीं थे। इस खींचतान में डीएम के निर्देश पर पशु चिकित्सक ने जान जोखिम में डालकर उपचार किया था।

30 अक्टूबर को आलमबाग से रेस्क्यू किया गया था ये बंदर।

न्यूज ब्रीफ

अभियान चला महिलाओं को किया जागरूक

कानपुर देहात। मिशन शक्ति के तहत रविवार को भी जागरूकता अभियान चला। सार्वजनिक स्थानों पर महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। जनपदीय थाना पुलिस द्वारा विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा योजनाओं, हेल्पलाइन नंबरों, कानूनी अधिकारों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा साइबर अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना तथा अपराधों से बचाव के उपायों से अवगत कराना है। इस दौरान महिलाओं को 181 (महिला हेल्पलाइन), 1090 (महिला शक्ति लाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 (इमरजेंसी हेल्पलाइन) की जानकारी दी गई।

कल से शुरू होगी खेल प्रतियोगिता

कानपुर देहात। विधायक खेल स्पर्धा के आयोजनों का सिलसिला जारी है। दो और तीन दिसंबर को शेखूपुर टोडरपुर मैथा के खेल मैदान पर आयोजन होगा। विधानसभा क्षेत्र अकबरपुर रनियां में होने वाली में इच्छुक खिलाड़ी अपना पंजीकरण युवा साथी पोर्टल पर कर सकते हैं। सभी खिलाड़ियों को आधार कार्ड लाना अनिवार्य है। एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन व बैडमिंटन आदि विधाओं में सब जूनियर-जूनियर व सीनियर वर्ग में बालक व बालिका श्रेणी में प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

वजीफे के लिए तय हुई नई तिथियां

कानपुर देहात। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नेहा सिंह ने बताया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग पूर्वदशम कक्षा (9-10) छात्रवृत्ति तथा दशमोत्तर (कक्षा 11-12) छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति योजना में छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति भुगतान हेतु तिथियां तय की गई हैं। संशोधित समय-सारिणी के अनुसार समयान्तर्गत कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया है। प्रक्रियात्मक कार्रवाई विद्यालय द्वारा प्रोफाइल लॉक करना प्रदेश में स्थित मान्यता प्राप्त विद्यालयों द्वारा मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने के लिये ऑनलाइन आवेदन करने की कार्यवाही की जाएगी। 8 दिसंबर तक अल्पसंख्यक वर्ग हेतु एनएसपी पोर्टल पर पंजीकृत निजी क्षेत्र के विद्यालयों की मार्किंग की जाएगी।

गोला फेंक स्पर्धा में रोशनी ने मारी बाजी

रसूलाबाद। युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित विधायक खेल स्पर्धा, रसूलाबाद के अंतर्गत रविवार को विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं हुईं। विधानसभा क्षेत्र रसूलाबाद के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बैडमिंटन प्रतियोगिता में जूनियर एकल वर्ग में तान्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि डबल्स वर्ग में तान्या एवं अंजली की जोड़ी विजेता रही। गोला फेंक प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में रोशनी, सब जूनियर वर्ग में रजनी तथा सीनियर वर्ग में प्रिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एथलेटिक्स की 400 मीटर दौड़ (जूनियर वर्ग) में लक्ष्मी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बाजी मारी। वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में जूनियर 55 किग्रा वर्ग में प्रांशु, जूनियर 73 किग्रा वर्ग में शिव शंकर, जूनियर 61 किग्रा वर्ग में मोनिश तथा सीनियर 73 किग्रा वर्ग में दुर्गेश कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सेवा निवृत्त पुलिस कर्मियों को दी विदाई

कानपुर देहात। रविवार को पुलिस विभाग से सेवाकाल की आयु पूर्ण करने और ऐच्छिक सेवानिवृत्त लेने वाले पुलिस कर्मियों को पुष्प-माला, प्रशस्ति पत्र, अंग वस्त्र व उपहार भेंट कर अच्छे स्वास्थ्य एवं खुशहाल जीवन की शुभकामनाएं देते हुए विदाई दी गई। कानपुर देहात जिले में तैनात पुलिसकर्मी लीडिंग फायरमैन चालक पवन कुमार तिवारी अधिवर्षता आयु पूर्ण करने पर एवं मुख्य आरक्षी चालक, परिवहन शाखा महेश प्रसाद (ऐच्छिक सेवानिवृत्ति) पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार द्वारा उपरोक्त सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को पुष्प-माला, प्रशस्ति पत्र, अंग वस्त्र व उपहार भेंट कर अच्छे स्वास्थ्य, खुशहाल जीवन एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।

ततारपुर में युवाओं को दी उद्यम लगाने की जानकारी

कानपुर देहात। खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत ततारपुर ब्लॉक मलासा में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विभाग के माध्यम से बेरोजगार व शिक्षित बेरोजगार युवक युवतियों को स्वयं का उद्योग स्थापित किए जाने हेतु प्रोत्साहित व जागरूक किया जाना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लवली पाल ग्राम प्रधान उपस्थित रहीं। द्वीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। साथ ही कार्यक्रम में आये आगंतुकों व सहभागियों को उद्योग की स्थापना किए जाने हेतु कार्यक्रम में विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना एवं मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना, टूलकिट वितरण आदि योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। अन्य विभागों के विभागाध्यक्षों द्वारा उनके विभाग में संचालित योजनाओं के बारे में भी ब्लॉक में आए हुए ग्राम प्रधानों एवं अधिक संख्या में उपस्थित ग्रामवासियों को विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में राकेश सिंह, अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक ऑफ बड़ौदा, अखिलेश कुमार अग्निहोत्री ज़िला ग्रामोद्योग अधिकारी, मयंक कटियार निदेशक आरसेटी आदि उपस्थित रहें।

'कमाऊ' माह यातायात विभाग को कर गया 'मालामाल'

एक्सक्लूसिव

हनुमान गुप्ता, कानपुर देहात

- नियमों के उल्लंघन पर 1 करोड़ से अधिक का शमन शुल्क आरोपित
- तीस दिनों में साढ़े पांच हजार से अधिक वाहनों का चालान

अमृत विचारः नवंबर महीना जिले की ट्रैफिक पुलिस को 'मालामाल' कर गया। विभाग ने महज 30 दिनों में वाहन स्वामियों पर एक करोड़ रूपए से अधिक का शमन शुल्क लगाया है। औसत देखें तो विभाग को हर रोज सवा तीन लाख रूपए से अधिक की 'कमाई' हुई है। जिले में एक माह के दौरान इससे अधिक शमन शुल्क पहले कभी आरोपित नहीं किया गया। तगड़ी कार्रवाई के लिए टीएसआई राम बहादुर सिंह को बड़े अधिकारियों की शाबासी मिली है।

यातायात माह का आयोजन हर साल होता है। इस बार इसे लेकर अधिक होम वर्क हुआ। विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने 'पैनिक क्रिएट' किए बगैर बढ़िया प्रदर्शन किया। एक नवंबर से प्रारंभ हुए यातायात माह के 30 दिनों में 56 सौ से अधिक वाहनों का चालान किया गया है। मोटर साइकिलों के सर्वाधिक 2747 चालान बिना हेलमेट बाइक राइडिंग के हुए। दो पहिया वाहनों पर तीन सवारी चलने के 412 मामलों में कार्रवाई हुई है। बिना ड्राइविंग लाइसेंस ड्राइविंग पर 257 चालान किए गए जब कि रांग साइड वाहन चलाने पर 289 वाहन स्वामियों के खिलाफ विभाग ने कार्रवाई की।

यातायात माह के अंतिम दिन वाहनों पर कार्रवाई करते हुए। अमृत विचार

नियम विरुद्ध चलने पर चार पहिया वाहनों पर भी खूब कार्रवाई हुई है। बिना सीट बेल्ट ड्राइविंग पर 97 चालान किए गए। नो-पार्किंग जोन में गाड़ियों को पार्क करने पर 630 वाहनों का चालान किया गया जब कि बिना रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट के 325 मामलों में चालान की कार्रवाई की गई है। दीगर नियमों के उल्लंघन पर 81 वाहनों को सीज भी किया गया। ट्रैफिक मंथ की सबसे बड़ी उपलब्धि वाहनों पर आरोपित शमन शुल्क है। एक करोड़ 25 हजार छह सौ रुपये का शमन शुल्क विभाग ने वाहन स्वामियों पर आरोपित किया है। कुछेक मामलों को छोड़कर यह रकम वाहनों को जमा करनी ही होगी। टीएसआई राम बहादुर सिंह ने बताया कि कार्रवाई वाहन चालकों में जागरूकता लाने के लिए की गई है। सुरक्षित और मंगलमय यात्रा के लिए यातायात नियमों का पालन जरूरी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, मचा कोहराम

शिवली-कल्याणपुर रोड पर दौड़ लगाते समय अज्ञात वाहन ने रौंदा

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः शिवली कोतवाली क्षेत्र में सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे युवक की सड़क हादसे में मृत्यु हो गई। रविवार की सुबह सड़क पर दौड़ लगाने के लिए निकले युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

शिवम कुशवाहा।

इलाज मिलने के पहले उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवारी जनों में कोहरम मच गया। बताया गया कि मृतक के चचेरे भाई की रविवार की शाम को ही बारात निकलनी थी।

शिवली कल्याणपुर मार्ग के राजपुर पुलिया के पास रविवार भोर पहर सेना की तैयारी के लिए दौड़ लगाने निकले शिवम कुशवाहा पुत्र जगदीश कुशवाहा निवासी बरार शिवली उम्र 23 वर्ष की अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे घायल युवक की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने मौके पर पहुंच कर बिलख बिलख कर रोते रहे। परिजनों ने शव को गांव ले जाकर रविवार शाम को उसका अंतिम संस्कार कर दिया। बताया गया कि मृतक के चचेरे बड़े भाई सूरज की बारात रविवार को महाराजपुर जानी थी। हादसा होने के बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गई। पिता जगदीश्व कुशवाहा, माता उर्मिला भाई लाखन, आदर्श, सत्यम का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। थाना प्रभारी प्रवीन ने बताया कि मामले की जानकारी नही है। जानकारी मिलने पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर चालक के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

रसूलाबाद : नहर कॉलोनी बेला रोड नेहरू नगर रसूलाबाद निवासी एक व्यक्ति ने गत 26 नवंबर को मिंडा कुआं बनीपारा मार्ग पर गाऊपुर के निकट हुई सड़क दुर्घटना के संबंध में मुकदमा कायम कराया है। बताया कि ई रिक्शा को पीछे आ रहे ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी थी। इससे ई रिक्शा पलट जाने से उसकी भतीजी घायल हुई। उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। रसूलाबाद नहर कॉलोनी बेला रोड नेहरू नगर निवासी नरेंद्र सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 26 नवंबर को उसके साढ़ू संजय सिंह, उनकी पुत्री अंकिता सिंह, साली रानी सिंह, भतीजा शिव प्रताप ई रिक्शा में बैठकर गाऊपुर से वापस अपने घर जलोटन पुरवा जा रहे थे। इसी दौरान ई-रिक्शा के पीछे से आ रहे ट्रैक्टर के चालक दीपक कुमार ने टक्कर मार दी और ट्रैक्टर ई रिक्शा पर पलट गया। इससे ट्रैक्टर में सवार सवार सभी लोग घायल हो गए। इनमें उसकी भतीजी अंकिता सिंह 14 वर्ष की उपचार के दौरान कानपुर हैलट में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया के मामले की रिपोर्ट संबंधित धाराओं में दर्ज कर ली गई है। इसकी जांच नार खास चौकी प्रभारी शिव बहादुर सिंह करेंगे।

किसान सोलर पंप की ऑनलाइन बुकिंग को कर सकते आवेदन

कानपुर देहात। उप कृषि निदेशक हरीशंकर भार्गव ने बताया कि सोलर पंप हेतु पोर्टल पर पंजीकृत किसानों के लिए जनपद कानपुर देहात में विभिन्न क्षमता के आंवटित सोलर पंप की ऑनलाइन बुकिंग चल रही है। यह 31 मार्च 2026 तक विभागीय पोर्टल पर है। अनुदान पर सोलर पंपों की बुकिंग कर सकते हैं जिसका चयन लक्ष्य से अधिक बुकिंग होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। बुकिंग धनराशि पांच हजार रुपया (टोकन मनी) के रूप में देय है। अवशेष धनराशि चालान/ऑनलाइन के माध्यम से कृषक अंश की धनराशि एक सप्ताह के अंदर इंडियन बैंक की किसी भी शाखा के जमा कर सकते है। अन्यथा की स्थिति में आवेदन स्वतः निरस्त माना जाएगा तथा टोकन मनी की धनराशि जब्त हो जाएगी। दो एचपी के लिए 4 इंच बोरिंग 03, 05 एचपी के लिए 6 इंच और इसी प्रकार से 7.5 व 10 एचपी के लिए 8 इंच की बोरिंग होना अनिवार्य है। बोरिंग कृषक द्वारा स्वयं करायी जाएंगी।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

तंत्र-मंत्र का झांसा देकर की थी गल्ला व्यापारी की हत्या

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः दोस्त ने अपने ही साथी की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया। उसकी विवाहिता प्रेमिका को वश में करने के लिए तंत्रमंत्र का झांसा दिया और ज्यादा रुपये देख उसकी हत्या कर दी। यह खुलासा पुलिस ने अरशदपुर गांव के राजाबाबू हत्याकांड में किया है। साथ ही नामजद आरोपी नीलू को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से घटना में प्रयुक्त चाकू, लूटा गया मोबाइल, 1 लाख रुपये व तंत्रमंत्र का सामान बरामद किया है।

एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने खुलासा करते हुए बताया कि अरशदपुर गांव का रहने वाला राजाबाबू राजपूत गल्ला का व्यापार करता था। 24 नवंबर को घर से निकला था। बाद में उसकी लाश केशरीनिवादा भेवान नहर रोड पर देश मीटर दूर ऊसर में मिली थी। पिता संतराम ने बिहारीपुरवा के रहने वाले नीलू के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। नीलू उर्फ विनोद गौतम को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसने हत्या करने की बात स्वीकार की। साथ ही बताया कि

राजाबाबू हत्याकांड के खुलासे की जानकारी देती एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय।

गांव की लड़की से राजाबाबू प्रेम करता था। उसकी शादी इसी वर्ष हो गई। प्रेमिका को वश में करने के लिए वह तंत्रमंत्र कर पैसा कमा रहा था। हत्या वाले दिन भी किया और उसे ज्यादा शराब पिलाकर हत्या कर लूटपाटकर भाग गया। शव से चिपका सोसाइड नोट मिलने से इसे प्रथम दृष्टया आत्महत्या माना जा रहा था। हालांकि राजाबाबू के पिता संतराम लगातार अपने लड़के की हत्या किए जाने की बात कह रहे थे। इधर पोस्टमार्टम में आई कई गहरी चोट ने हत्या की तरफ इशारा किया। शनिवार को आरोपी ने पुलिस हिरासत में सारा राज खोल दिया।

नीलू ने तंत्रमंत्र का दिया झांसा : राजाबाबू राजपूत को हत्यारोपी नीलू उर्फ विनोद गौतम एक वर्ष से जानता था। राजाबाबू एक लड़की से प्रेम करता था। उसकी शादी इसी वर्ष अप्रैल में हो गई। राजाबाबू उसे भूल नहीं पा रहा था। इसी बात का फायदा शातिर दिमाग नीलू ने उठाया। तंत्रमंत्र करके प्रेमिका वापस बुलाने का झांसा देकर चार माह पहले 36 हजार रुपए लिए। इधर प्रेमिका के मायके आने के बाद फिर चले जाने से राजाबाबू परेशान था।

जबरन खेत में खींचने की एफआईआर दर्ज

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के एक निवासी महिला ने गांव के ही एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा कायम कराया है। आरोप है कि 27 नवंबर को खेत में पानी लगाकर घर लौटते समय उसको जबरन राई के खेत में खींचकर ले गया। इसके बाद छीना झपटी करते हुए गिराने का प्रयास किया। उसके शोर मचाने और ग्रामीणों के दौड़ाने पर युवक उसे मारपीट कर गिराकर भाग निकला। घटना का उलाहना घर पर देने पर उसके पुत्रों द्वारा उसे अपशब्द कहकर जान से मारने की धमकी दी गई।

एक गांव निवासी एक महिला ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह गत 27 नवंबर शाम को अपने खेत पर पानी लगाकर घर लौट रही थी। रास्ते में मिले उसके गांव के ही भल्लू पुत्र फुन्नी ने उसे जबरन राई के खेत में ले जाने लगा और वहां छीना झपटी करते हुए गिराने का प्रयास किया। उसकी चीख पुकार सुनकर खेतों में काम कर रहे अन्य लोग दौड़े। तब मौके से भाग गया। इसकी शिकायत जब उसने उसके घर जाकर उसके पुत्रों रिजवान व सहवान से की तो उन दोनों ने उसे अपशब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी। इस पर वह इसकी रिपोर्ट दर्ज कराने थाने आई है। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट संबंधित धाराओं में आरोपियों के विरुद्ध दर्ज कर ली गई है।

सभासद बोले, हादसों की वजह बन रहे पेड़, तुरंत कटवाए जाएं

संवाददाता, मंगलपुर

- पेड़ न काटे जाने की स्थिति में अनशन पर बैठने का ऐलान

अमृत विचारः झींझक-कंचौसी मार्ग पर खड़े चार पेड़ों को वन विभाग द्वारा न काटे गए तो एक हफ्ते बाद नगर पालिका परिषद झींझक के सभासद अनशन पर बैठ जाएंगे। यह चेतावनी नगर पालिका परिषद झींझक के सभासद कन्हैया पोरवाल, प्रदीप शर्मा, रोहित गुप्ता व रामकृष्ण ने दी।

झींझक नहर पुल का उद्घाटन करने आई रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र की भाजपा विधायक पूनम संखवार को सभासदों ने बताया कि सड़क के बीचो -बीच खड़े इन पेड़ों से लोग टकराकर घायल हो रहे हैं। पेड़ों से टकराकर दो लोगों की मौत हो चुकी है। विधायक ने सभासदों को बताया कि पेड़ों को काटे जाने का मामला प्रभारी मंत्री संजय प्रसाद निषाद की बैठक में वह उठा चुकी हैं। जिलाधिकारी कानपुर देहात ने शीघ्र पेड़ों को कटवाने का आश्वासन भी दिया था। विधायक ने जिला अधिकारी कानपुर देहात को मोबाइल से यहां के सभासदों के आक्रोश के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अगर पेड़ों को सड़क से न हटाया गया तो वह भी अनशन पर बैठ जाएगी। इसके बाद डीएफओ आलोक सिंह ने फोन करके आश्वासन दिया कि एक दिसंबर को पेड़ों को काट दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि झींझक कंचौसी मार्ग को गत माह चौड़ा कर दिए जाने से पेड़ बीच सडक मे आ गए हैं। इन पेड़ों से टकराकर द्वारिकागंज झींझक निवासी हरी अग्निहोत्री व राजू सिंह चौहान निवासी लौआ की मडिया की मौके पर मृत्यु हो गई थी। इसी स्थान पर गत माह झींझक निवासी पूर्व प्रधानाचार्य राम शंकर गुप्ता व उनके पुत्र डॉक्टर विश्व कुमार गुलहरे की कार टकरा जाने से पिता पुत्र घायल हो चुके हैं। 28 नवंबर को सायं करीब 7बजे झींझक के मोहल्ला शंकरगंज निवासी सिंटू ठाकुर की मोटरसाइकिल पेड़ से टकरा जाने से घायल हो चुके हैं इस मार्ग के बीचो-बीच तीन पेड़ शीशम के व एक पेड़ जामुन का काटा जाना है।

वंचितों को राहत दिलाने का काम कर रहा सेवादल

संवाददाता, रसूलाबाद

- महेरा गांव में कांग्रेस सेवादल ने किया ध्वज वंदन कार्यक्रम

अमृत विचारः रविवार को जिला कांग्रेस सेवादल के तत्वावधान में गांव महेरा में मासिक ध्वज वंदन कार्यक्रम आयोजित हुआ। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पं सीताराम त्रिपाठी द्वारा झंडारोहण किया गया।

सेवादल से जुड़े लोग हर माह अलग-अलग जगहों पर ध्वज वंदन कार्यक्रम करते हैं। इस बार रविवार को रसूलाबाद के महेरा गांव में कार्यक्रम हुआ। इसमें प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य दिलीप कुमार सिंह मुन्ना मुख्य अतिथि थे। उन्होंने ध्वज को प्रणाम किया। संबोधन में उन्होंने कहा कि देश की आजादी से लेकर विश्व में सशक्त पहचान बनाने तक कांग्रेस पार्टी का अहम योगदान रहा। हमारे स्वतंत्रा आंदोलन में कांग्रेस ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों को देश से बाहर खदेड दिया। आज हर कांग्रेसी के दिलो-दिमाग में इस झंडे का सम्मान है। इस मौके पर जिला कांग्रेस के सेवादल अध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ला ने कहा कि आज सेवा दल सभी वंचित गरीब और पीड़ित लोगों को न्याय दिलाने के लिए झंडे के साथ काम कर रहा है। इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह गौर, चरण सिंह यादव, अनिल गुप्ता, देवी रमन मिश्रा, अनिल आजाद, विवेक कुमार पांडे आदि लोग उपस्थित रहे।

खुश-खबरी

विधायक ने झींझक में किया नव निर्मित पुल का लोकार्पण

नहर पर पुल चालू, लोगों को मिलेगी सहूलियत

संवाददाता, मंगलपुर

अमृत विचारः नहर पुल के निर्माण से लोगों को जाम से निजात मिलेगी साथ की जाम की समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा। यह बात रसूलाबाद विधान सभा से विधायक पूनम संखवार ने लोगों को संबोधित करते हुए कही। रसूलाबाद विधायक पूनम संखवार ने कस्बा से गुजरी नहर पर बने नवनिर्मित नहरपुल का फीता काटकर उद्घाटन किया। अब वाहनों का आवागमन सुगम हो सकेगा।

झींझक कस्बा से गुजरी रामगंग नहर शाखा इटावा पर बने पुराने पुल के जीर्णशीर्ण होने पर कस्बाइयों ने रसूलाबाद बीजेपी विधायक पूनम संखवार से नवीन पुल निर्माण की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की थी। जिसके बाद मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ ने उक्त मांग को प्राथमिकता को गंभीरता से लेते हुए

पुल का लोकार्पण करतीं विधायक पूनम संखवार। अमृत विचार

नए पुल के निर्माण की स्वीकृत दे दी थी। जिसके बाद विधायक ने पुल निर्माण का प्रस्ताव भेजा। इसके बाद पुल निर्माण के लिए 4.90 करोड़ धनराशि का प्रस्ताव पास हुआ। इसके उपरांत नवीन पुल का निर्माण हुआ। रविवार को मुख्य अतिथि के रूप ने पहुंची विधायक पूनम संखवार की उपस्थिति में पंडित अशोक मिश्रा ने मंत्रोच्चारण के साथ विधि विधान से पूजन कराया गया। वहीं विधायक पूनम ने नारियल फोड़कर फीता काटकर पुल आवागमन शुभारंभ कराया। इसके बाद लोगों को मिष्ठान वितरण किया गया।

पूनम संखवार ने कहा कि भाजपा सरकार में विकास कार्यों की धारा बह रही है। लोगों के सामने अब बिजली, पानी व सड़कों की समस्या नहीं रही है। आज इस पुल के शुभारंभ के बाद पुल पर लगने वाले जाम से लोगों को निजात मिलेगी। साथ ही आवागमन सुगम हो सकेगा। भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास की नीति पर कार्य कर रही हैं। प्रत्येक तबके को विकसित करना ही उनकी प्राथमिकता है। उनकी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अधिकांश गांवों में सभी जर्जर मार्गों को दुरुस्त कराया जा चुका है। जो शेष रह गए हैं, उन पर भी काम चल रहा है। उनका प्रयास है कि सड़क, पानी, बिजली समेत तमाम मूलभूत सुविधाओं का लाभ लोगो को मिलता रहे। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य संतोष प्रताप सिंह उर्फ संतु सिंह , गणेश तिवारी प्रधान प्रतिनिधि ,समाज सेवी रामपाल सिंह पाल,अनिल भदौरिया, शैलेन्द्र भदौरिया, अनमोल गुप्ता जिला उपाध्यक्ष भाजयुमो आदि रहे।

ऑन लाइन फ्रॉड के चार आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे, फोन बरामद

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः रविवार को एसओजी टीम, थाना साइबर क्राइम व थाना कोतवाली पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए चार साइबर अपराधियों को धर दबोचा। पकड़े गए अपराधी सरकारी आवास विकास योजना में मकान दिलाने व अश्लील फिल्म दिखाने के बाद पैसा एंठते थे। आरोपियों के कब्जे में कई मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। एक आरोपी अभी फरार है। उसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि अकबरपुर शहर के वार्ड नंबर सात निवासी जितेंद्र कुमार यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया कि 10 सितंबर को अज्ञात व्यक्ति जिसने अपना नाम वीरेंद्र कुमार पुत्र कुंवर सिंह निवासी बलरामपुर रानीपुर थाना मंगलपुर जनपद कानपुर देहात बताया, अपने साथियों, अखिलेश

पकड़े गए साइबर अपराधी। अमृत विचार

सिंह, देवेंद्र प्रताप, अनुज सिंह व मदरेश सिंह ने विभिन्न लोगों के साथ फ्रॉड कर मिले पैसे उसके साइबर कैफे पर यूपीआई के माध्यम से डालकर नकद ले लिए थे। कुछ दिन पश्चात जब बैंक खाता फ्रीज हो गया तो जितेंद्र को सही मामले की जानकारी लगी। तब उन्होंने कोतवाली में लिखित शिकायत दी। इस पर जांच करते हुए थाना साइबर क्राइम केस पंजीकृत किया गया। बीते दिवस एसओजी टीम, थाना साइबर क्राइम व थाना अकबरपुर पुलिस को आरोपियों के बारे में सटीक जानकारी मिली।

इस पर संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अखिलेश सिंह चौहान पुत्र रमेश सिंह निवासी मंगौलपुर थाना गजनेर, अनुज सिंह पुत्र रामासर सिंह निवासी शीतलपुर थाना गजनेर, देवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ गौरे पुत्र राजाराम चौहान निवासी मंगोलपुर थाना गजनेर व मदरेश पुत्र स्व. सहदेव सिंह निवासी शीतलपुर थाना गजनेर मूल निवासी कुशनेर थाना कुंडा जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ में आए आरोपियों ने बताया कि अनजान नंबरों पर कॉल करके सरकारी आवास योजना के तहत आवास दिलवाने व अश्लील फिल्म दिखा पैसा वसूलते थे। उस पैसे को साइबर कैफे में जाकर यूपीआई के माध्यम से भेजकर नकद ले लेते थे। एक आरोपी वीरेंद्र कुमार पुत्र कुंवर सिंह निवासी बलरामपुर रानीपुर थाना मंगलपुर की तलाश जारी है।

डिप्टी सीएम ने उन्नाव में नेताओं संग सुनी 'मन की बात'

बोले - 2014 से प्रधानमंत्री का संकल्प रहा है कि गंगा के दोनों तटों पर शून्य रासायनिक खादों के उपयोग से जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाए

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक रविवार को उन्नाव पहुंचे, जहां लखनऊ-कानपुर बाईपास पर उनका भव्य स्वागत किया गया। बिछिया ब्लॉक प्रमुख नीरज गुप्ता ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ डिप्टी सीएम का अभिनंदन किया। अपने दौरे के दौरान बृजेश पाठक ने कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

उन्होंने भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के आवास पर सांसद डॉ. साक्षी महाराज, सदर विधायक पंकज गुप्ता और जिलाध्यक्ष के साथ बूथ संख्या 174 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' को सुना। कार्यक्रम के दौरान सभी नेताओं ने स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करते हुए प्रधानमंत्री के संदेशों पर चर्चा की। इससे पहले डिप्टी सीएम ने जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के परिवार से भेंट कर उनकी बेटी के विवाह हेतु शुभकामनाएं दीं और नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद प्रदान किया। मन की बात कार्यक्रम के उपरांत उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन लगातार आम आदमी के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि पीएम ने शहद उत्पादन, विज्ञान एवं तकनीक में युवाओं की उपलब्धियों, ड्रोन तकनीक की नई दिशा और मंगल मिशन तक का उल्लेख करके देश की प्रगति को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि 2014 से प्रधानमंत्री का संकल्प रहा है कि गंगा के दोनों तटों पर शून्य रासायनिक खादों के उपयोग से जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाए। प्रधानमंत्री ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोते हुए अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया है।

मन की बात कार्यक्रम में मौजूद डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, सांसद साक्षी महाराज व अन्य। अमृत विचार

विपक्ष डरकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा : बृजेश

उन्नाव, अमृत विचार। डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री वैश्विक कार्य कर रहे हैं जिससे भारत की ताकत पूरी दुनिया में दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद 11 वें नम्बर से चौथे नंबर पर पहुंच गए। अभी जीडीपी की ग्रोथ रिपोर्ट आयी है भारत ने बड़ी छलांग लगाने का काम किया है।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष अपनी संभावित हार से डरकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है। पाठक ने कहा, एसआईआर की जो चर्चा विपक्ष कर रहा है, वह अपनी संभावित हार को आते देख घबरा गया है। बिहार में जिस तरह राजग गठबंधन ने विपक्ष के गुंडाराज और जंगलराज को समाप्त किया, उसकी हवाएं अब उत्तर प्रदेश में चल रही हैं। अखिलेश यादव इसी का दर्द झेल रहे हैं। 2017 से पहले चर्चा गुंडई पर होती थी, आज चर्चा विकास पर होती है। आरक्षण पर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए बृजेश पाठक ने स्पष्ट किया कि भाजपा सरकार संविधान और बाबा साहेब अंबेडकर की सोच के अनुरूप कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सबका साथ, सबका विकास, सबके विश्वास की नीति पर काम कर रही है। आरक्षण का पूरा सम्मान किया जाएगा और इसमें किसी तरह की कटौती का सवाल ही नहीं है। कार्यक्रम का समापन स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री की नीतियों को जनता तक पहुंचाने के संकल्प के साथ किया। कार्यक्रम में स्थानीय कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और समर्थकों की भारी भीड़ मौजूद रही।

डिप्टी सीएम के आगमन पर कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं और नारों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में सांसद साक्षी महाराज जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी विधायक सदर पंकज गुप्ता जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष अरुण सिंह जिला महामंत्री प्रवीण सिंह नूतन ब्लॉक प्रमुख नीरज गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

उन्नाव। कानपुर-लखनऊ रेल मार्ग पर सदर कोतवाली अंतर्गत लोक नगर क्रासिंग के पास एक युवक की डाउन लाइन में ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पीछे से आई मालगाड़ी के लोको पायलट की सूचना पर आरपीएफ व सिविल लाइन चौकी इंचार्ज पंकज शरद मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव ट्रैक से हटवा कर रूट क्लियर कराया। युवक उम्र करीब 25 वर्ष है। रेलवे व सदर कोतवाली पुलिस ने युवक की पहचान के लिए सोशल मीडिया का भी सहारा लिया है।

आज से शुरू होगी बिजली बिल राहत योजना

शुक्लागंज। शासन की ओर से लागू की गई बिजली बिल राहत योजना 2025-26 1 दिसंबर से शुरू हो रही है। एसडीओ राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि योजना तीन चरणों में संचालित की जाएगी और उपभोक्ताओं को ब्याज माफी के साथ मूलधन में भी छूट मिलेगी। पहला चरण 1 से 31 दिसंबर 2025 तक चलेगा, जिसमें उपभोक्ताओं को शत प्रतिशत ब्याज माफी तथा 25 प्रतिशत मूलधन छूट का लाभ मिलेगा।

स्वास्थ्य मेले में 92 मरीजों का हुआ परीक्षण

शुक्लागंज। रविवार को राजधानी मार्ग स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शुक्लागंज में मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले में एलोपैथिक के डॉक्टरों ने मरीजों का परीक्षण कर दवा बांटी। इसके अलावा डॉ. राजेश चंद्रा, डॉ. अर्चना गुप्ता, विमल किशोर सिंह ने भी मरीजों को परामर्श देने के साथ ही दवाइयां बांटी। वहीं अन्य डॉक्टरों ने आये मरीजों का परीक्षण किया। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि पीएचसी में 92 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें दवाइयां बांटी गई।

जाम में फंसे सांसद

शुक्लागंज। जिला प्रशासन की लापरवाही और ट्रैफिक व्यवस्था की अव्यवस्था रविवार दोपहर उस समय सामने आ गई, जब उन्नाव सांसद साक्षी महाराज का काफिला फोरलेन पोनी रोड तिराहे पर भीषण जाम में फंस गया। सांसद के जाम में फंसने की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही मिनटों में तिराहे से अनुपस्थित रहने वाले पुलिसकर्मी और दो एसआई मौके पर जा पहुंचे। तत्पश्चात तिराहे पर खड़े आधा दर्जन ई-रिक्शों और ऑटो को कब्जे में लेकर कोतवाली भेज दिया गया।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने दिया सांसद को ज्ञापन

उन्नाव। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की जनपदीय इकाई शाखा का प्रतिनिधिमंडल ने जिला अध्यक्ष भरत चित्रांशी के नेतृत्व में सांसद डॉ. सच्चिदानंद हरि साक्षी महाराज से भेंट की। प्रतिनिधियों ने सेवारत शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्यता संबंधी मुद्दे पर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि निर्धारित आयु में पुन: टेट परीक्षा उत्तीर्ण करना शिक्षकों के लिए अत्यंत कठिन और अव्यवहारिक है। सांसद साक्षी महाराज ने प्रतिनिधिमंडल की चिंता को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि वे संसद में इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे और समाधान के लिए सकारात्मक पहल करेंगे।

एसआईआर की अंतिम तिथि 11 दिसंबर

शुक्लागंज। नगर पालिका क्षेत्र में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) का कार्य जोर-शोर से चल रहा है। इस अभियान के तहत निर्वाचक नामावलियों के आधार पर बीएलओ फार्म भरवाने में लगे हैं। चूंकि आयोग ने फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 11 दिसंबर निर्धारित की है, ताकि प्रक्रिया शत प्रतिशत पूरी की जा सके। इस दिशा में कार्य में तेजी लाने हेतु एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार धीरज त्रिपाठी ने रविवार को नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया।

घायल हुए तीसरे युवक ने भी तोड़ा दम

उन्नाव, अमृत विचार। लखनऊ-कानपुर हाइवे पर शहद निकाल कर लौट रहे दो युवकों की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हुई थी। वहीं उनका एक साथी गंभीर घायल हुआ था। भोर पहर इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। रविवार को तीनों शवों के पोस्टमार्टम कराए गए। उधर तीनों युवकों के परिवार की महिलाओं ने हाइवे पर जाम लगा दिया। पुलिस किसी तरह उन्हें शांत करा कर सड़क से हटाया।

बता दें कि दही थानाक्षेत्र के शिवनगर भाग 2 मोहल्ला निवासी रिंकू (32) पुत्र छोटेलाल अपने पड़ोसी पारिवारिक चाचा नीरज (35) पुत्र पुत्तीलाल व मौसेरे भाई चंदन (35) पुत्र बुद्धू के साथ शनिवार को लखनऊ के बनी स्थित एक होटल के बगल में लगे मधुमक्खी के छत्ते से शहद निकालने गए थे। रात में लौटते समय दही थाना क्षेत्र के मुर्तजानगर नहर पुल के पास ट्रक को ओवरटेक करने के प्रयास में उनकी बाइक डंपर की चपेट में आ गई। इसमें रिंकू व नीरज की मौत हो गई थी। चंदन का परिजन शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहे थे। भोर पहर तीन बजे इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। रविवार को तीनों शवों का पोस्टमार्टम हुआ। एहतियात के तौर पर अस्पताल चौकी इंचार्ज फोर्स के साथ मौजूद रहे। उधर हादसे से नाराज तीनों युवकों के परिवार की महिलाओं ने लखनऊ-कानपुर हाईवे पर जाम लगा दिया। छोटे-बड़े सभी वाहन खड़े होने से करीब दो किमी लंबा जाम लग गया। हाईवे जाम की सूचना पर सदर कोतवाली पुलिस के साथ दही एसओ व यातायात प्रभारी फोर्स के साथ पहुंचे। दही एसओ ने परिजनों से बात की। महिलाओं ने न्याय दिलाने की मांग की तो उन्होंने बताया कि मृतक नीरज के भाई दीपक की तहरीर पर अज्ञात डंपर और उसके चालक पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। डंपर का पता लगाया जा रहा है।

चंदन (फाइल फोटो)

काफी समझाने के बाद परिजन माने इस दौरान जाम में फंसे लोग परेशान हो गए। पुलिस ने जैसे-तैसे वाहनों को निकलवाया। इसके बाद यातायात सुचारू हुआ। चंदन मौत से पत्नी कुसुम, मां कृष्णा देवी बेहाल रहीं। उसकी मौत से दो बच्चों के सिर से पिता का साया छिन गया। चंदन चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। दही एसओ ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि जाम खुल गया था। परिजन शव नहीं लाए थे। सिर्फ महिलाएं आकर सड़क पर बैठ गई थीं। उन्हें समझाकर हटा दिया गया। यातायात सामान्य हो गया।

सामूहिक विवाह में परिणय सूत्र में बंधे जोड़े

वर-वधू का आशीर्वाद देते विधायक श्रीकांत कटियार। अमृत विचार

बांगरमऊ, उन्नाव, अमृत विचार। क्षेत्र के ग्राम कलवारी स्थित मां ललिते अम्बे लॉन में रविवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत भव्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कई जोड़ों ने विधि-विधान से विवाह संपन्न किया। इस अवसर पर विधायक श्रीकांत कटियार ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखमय वैवाहिक जीवन की कामना की।

विधायक कटियार ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। उन्होंने बताया कि जिन परिवारों के सामने आर्थिक अभाव के कारण बेटियों का विवाह कराना बड़ी चुनौती बन जाता था, उनके लिए यह योजना बड़ी राहत प्रदान करती है। योगी सरकार की इस पहल से सामाजिक समानता, सम्मान और सुरक्षा को मजबूती मिली है। अब किसी गरीब पिता को अपनी बेटी की शादी के लिए, जमीन या घर के आभूषण गिरवी रखने की आवश्यकता नहीं पड़ती। कार्यक्रम में सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शासन की ओर से निर्धारित उपहार वर-वधू को भेंट किए गए। व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। विवाह में दोनों पक्षों के परिजनों और ग्रामीणों के लिए नाश्ते एवं भोजन की विशेष व्यवस्था की गई, जिससे पूरे समारोह का माहौल उत्साह और मंगल भाव से भर गया।

जिले में 633 जोड़ों का विवाह हुआ संपन्न

उन्नाव। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत 633 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। जिसमें विधानसभा सदर में 54, विधानसभा भगवंत नगर में 92, विधानसभा पुरवा में 90, विधानसभा मोहान में 155, विधानसभा सफीपुर में 83 एवं विधानसभा बांगरमऊ में 159 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। विधानसभा सदर क्षेत्र में सांसद डाओ हरिसाक्षी महाराज, विधायक सदर पंकज गुप्ता, परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला विकास अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, विधानसभा पुरवा में विधायक अनिल सिंह, विधानसभा मोहान में विधायक बृजेश रावत, बांगरमऊ में विधायक श्रीकांत कटियार, सफीपुर में विधायक बम्बालाल दिवाकर एवं भगवन्त नगर में ब्लाक प्रमुख सुमेरपुर, बीघापुर, अपर जिलाधिकारी द्वारा नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया गया।

बोलेरो से टकरा कर पलटा लोडर चालक की मौत

उन्नाव। रायबरेली जिला के खीरों थाना क्षेत्र जगन्नाथगंज गांव निवासी राकेश गुप्ता (42) पुत्र स्व. प्रेमचंद लोडर चालक था। शनिवार को उसके पड़ोसी गांव से बारात बिहार थानाक्षेत्र के ककरारी गांव आई थी। जिसमें राकेश लोडर से अपने चार साथियों के साथ शामिल होने आया था। देर रात करीब साढ़े 12 बजे लौटते समय बिहार थानाक्षेत्र के उन्नाव-लालगंज हाईवे तकिया मेला गेट के सामने अचानक बोलेरो कार से टकरा कर लोडर अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर पलट गया। जिससे उसमें दबकर राकेश की मौत हो गई। अन्य लोगों को मामूली चोट आई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोडर को उठवाकर किनारे खड़ा कराया। परिजनों के पहुंचने पर पुलिस ने शव मोर्चरी भेजा। वहीं हादसे के बाद चालक बोलेरो सहित फरार हो गया। पति की मौत की खबर से पत्नी रेखा रो-रोकर बेहाल रही। छोटे भाई गणेश ने बताया कि राकेश के दो बच्चों में बेटी अंशिका व बेटा विष्णु है। पुलिस ने भाई की तहरीर पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

संत प्रेमानंद को 18 पुराणों का संग्रह किया समर्पित

संत प्रेमानंद के पास परिवार के साथ मौजूद विकास मिश्र। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। एक व्यक्ति का अपनी बीमार मां की सेवा के दौरान ऐसा हृदय परिवर्तन हुआ कि उन्होंने पुराण पढ़ा और उसे आसान शब्दों में तैयार करने का संकल्प ले लिया। 5 साल की मेहनत के बाद 18 पुराणों का अध्ययन कर उन्होंने पुराण संग्रह तैयार किया और इस 376 पेज के संग्रह को दुनिया में राधा नाम का प्रचार करने वाले संत प्रेमानंद को सौंपा। संत इसे देख काफी खुश हुए और उनकी सराहना की।

उन्नाव शहर में कल्याणी देवी मंदिर के पास रहने वाले विकास मिश्र उर्फ डीके की मां मुन्नी देवी के कूल्हे में सितंबर 2020 में फ्रैक्चर हो गया था। विकास ने उनकी बिस्तर पर रहते हुए सेवा की। इसी दौरान उन्होंने संकल्प लिया कि जब तक मां चलने नहीं लगेंगी तब तक वह उन्हीं के पास रहेंगे। इस दौरान उन्होंने धार्मिक पुस्तकें पढ़ीं और मां को भी सुनाईं। तभी उन्होंने संकल्प लिया कि सभी पुराणों का आमजन के लिए अध्ययन करना मुश्किल है। इसलिए, वह सभी पुराणों का सार एक जगह एकत्र करेंगे। इसके बाद माह अक्टूबर 2021 में उनकी मां का स्वर्गवास हो गया। लेकिन उन्होंने संकल्प पूरा करने के लिए उन्होंने पुराणों का अध्ययन शुरू किया। हर पुराण से प्रमुख बातें संग्रहित किया।

बिना पंजीकरण के संचालित दो नर्सिंग होम कराए बंद

उन्नाव, अमृत विचार। एसीएमओ के औचक निरीक्षण में परियर व पावा के दो नर्सिंग होम की जांच की गई। जिनका संचालन बिना पंजीकरण के अवैध रूप से किया जा रहा था। यहां प्रशिक्षित स्टाफ भी नहीं मिला। इस पर एसीएमओ ने दोनों नर्सिंग होम को बंद करा पुन: संचालन पर रिपोर्ट दर्ज करने की चेतावनी दी है। एसीएमओ डॉ. नरेंद्र सिंह ने रविवार को परियर व उसके आसपास बड़ी संख्या में संचालित नर्सिंगहोम व क्लीनिकों की औचक जांच करने पहुंचे। जांच के में शाह हॉस्पिटल व पावा मेडिकल सेंटर के संचालक पंजीकरण संबंधित दस्तावेज नहीं दिखा पाए। वहीं दोनों नर्सिंगहोम में स्टॉफ भी प्रशिक्षित नहीं था। मानक को दरकिनार कर नर्सिंगहोम का संचालन किया जा रहा था। इस पर एसीएमओ ने वहां भर्ती मरीजों को सीएचसी सफीपुर शिफ्ट कराया। इसके बाद दोनों नर्सिंग होम को बंद करा दिया। साथ ही पुन: संचालन मिलने पर कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी। एसीएमओ ने बताया कि बिना किसी पंजीकरण, बिना मानक और प्रशिक्षित स्टॉफ के नर्सिंग होम का संचालन किया जा रहा है। इसलिए दोनों को बंद कराया है। भविष्य में यदि संचालन पाया गया तो रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी।

चाचा-भतीजा के शव घर पहुंचते मचा कोहराम

अमृत विचार Follow UP

उन्नाव, अमृत विचार। उन्नाव-हरदोई मार्ग पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से चाचा-भतीजा की मौत हुई थी। वहीं साथ रहा बहनोई गंभीर घायल हुआ था। शनिवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया। शव घर पहुंचे तो परिजनों में चीखपुकार मच गई।

बता दे कि माखी थानाक्षेत्र के मझखोरिया निवासी संदीप कुमार (28) पुत्र दयाशंकर मुंबई में मजदूरी करता था। दीपावली पर वह घर लौटा था। लेकिन इसके बाद बीमार होने से वह यही रुक गया। शनिवार को वह गांव निवासी अपने पारिवारिक भतीजे सूरज (16) पुत्र सुशील कुमार व कानपुर के झकरकटी निवासी चचेरे बहनोई अजय के सफीपुर कोतवाली के अटवा गांव निवासी मौसेरी बहन के यहां मातृपूजन कार्यक्रम में शामिल होने गया था। जहां से देर रात लौटते समय माखी थानाक्षेत्र के उन्नाव-हरदोई मार्ग पर भिनकीपुर गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक अनियंत्रित होकर खंती में चली गई थी। इसमें संदीप व उसके भतीजे सूरज की मौत हो गई थी। संदीप के बड़े भाई कुलदीप ने बताया कि हादसे में मृत चाचा-भतीजे मुंबई में मजदूरी करते थे। 4 दिसंबर को दोनों को लौटना था। संदीप पांच भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। बेटे की मौत से मां लक्ष्मी और भाई में कुलदीप, विपिन, रीतेश, दीपक बेहाल हैं। सूरज तीन भाई में सबसे बड़ा था। बेटे की मौत से मां शारदा, भाई आशू और आदित्य बेहाल हैं। एसओ योगेश कुमार सिंह ने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है। वाहन की तलाश की जा रही है।

मृतक नीली शर्ट पहने संदीप व दूसरा मृतक सूरज की फाइल फोटो।

नगर निगम कर्मचारी को बस ने कुचला

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के आदर्श नगर निवासी और कानपुर नगर निगम में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में कार्यरत संगीता रावत की रविवार को लखनऊ में दर्दनाक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। घटना चारबाग स्टेशन के बाहर हुई, जहां रोडवेज बस की चपेट में आने से संगीता की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

संगीता (फाइल फोटो)

जानकारी के अनुसार, संगीता अपने तीनों बच्चों के साथ लखनऊ में रहने वाली बहन माया के घर गृह प्रवेश कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं। इसी दौरान स्टेशन के बाहर बस ने उन्हें कुचल दिया। संगीता के पति सुनील कुमार वर्मा भी कानपुर नगर निगम में कार्यरत थे, जिनकी वर्ष 2022 में मृत्यु हो चुकी है। इससे पहले सुनील की पहली पत्नी सीमा की भी करीब दस वर्ष पूर्व मौत हो चुकी थी। सीमा से दो बच्चे राहुल और जान्हवी थे, जबकि संगीता से एक पुत्र आदी है। लगातार तीन मौतों ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

श्रद्धा | 51 हजार तुलसी पौधों का होगा नि:शुल्क वितरण

तुलसी पूजन दिवस की तैयारियां तेज

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। तुलसी पूजन दिवस की नौवीं विशाल तुलसी यात्रा को सफल बनाने के लिए तैयारियां जोर पकड़ रहे हैं। 25 दिसंबर को होने वाली इस भव्य यात्रा पर चर्चा करते हुए भाजपा नेता एवं नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक विमल द्विवेदी ने रविवार को अपने आवास पर कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।

बैठक में 51 हजार तुलसी पौधों के नि:शुल्क वितरण तथा राम लीला मैदान से पटेल पार्क आवास विकास तक निकाली जाने वाली विशाल तुलसी यात्रा की रूपरेखा तय की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि यात्रा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी। हर स्टॉल पर पानी, प्रसाद और पौधों के वितरण की जिम्मेदारी अलग-अलग टीमों को सौंपी गई। विमल द्विवेदी ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि यात्रा श्रद्धा, अनुशासन और सौहार्द के साथ सम्पन्न हो, इसके लिए सभी अपनी जिम्मेदारियां पूर्ण समर्पण के साथ निभाएं। उन्होंने कहा कि तुलसी पूजन दिवस केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करने का माध्यम है। बैठक में कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर हिन्दू जागरण मंच के जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, राकेश राजपूत, विनय द्विवेदी, पूर्व सैनिक ऐके दीक्षित, श्रीराम बाजपेई, अवधेश दीक्षित, ओमकार यादव, आदर्श प्रताप सिंह, अनिल त्रिवेदी, अमित शुक्ला, जितेंद्र सिंह, आशीष मिश्रा, योगेंद्र तिवारी, कमलेश बाजपेई, धर्म मंगल सिंह, आदर्श पांडे, आलोक शुक्ला, रामजन्म सिंह, रमाशंकर शुक्ल, अमूल्य बाजपेई, शैलेंद्र त्रिवेदी, शुभम सविता, दिप चंद्र, मनीष मिश्रा, अमित तिवारी, सुजीत सिंह, समीर सिंह, दीपू तिवारी, ललित सिंह, अजय द्विवेदी, अधीर सैनी, ऋषभ त्रिवेदी मौजूद रहे।

बैठक में जानकारी देते नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक विमल द्विवेदी। अमृत विचार

कपड़ा फैक्ट्री में मशीन से झुलसा

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के तहत सहजनी में संचालित एक कपड़ा फैक्ट्री में रविवार को काम करने वाले मजदूर गोपी वर्मा गंभीर रूप से झुलस गए। घटना उस समय हुई जब वह मशीन से निकल रहे गर्म राख को निकाल रहे थे और अचानक आग की लपटें भड़क गईं। गोपी वर्मा, जो कि डीह निवासी हैं और पिछले दो वर्षों से फैक्ट्री में काम कर रहे हैं, आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके चेहरे और शरीर पर गंभीर झुलस के निशान आए। उनकी चीख-पुकार सुनकर फैक्ट्री में काम कर रहे सहकर्मियों ने तुरंत उन्हें बाहर निकाला। तुरंत सहायता कर एंबुलेंस के माध्यम से गोपी वर्मा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

पोनी रोड में 5 से 13 तक होगी श्रीराम कथा

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार। श्री मां गंगा सेवा समिति एवं श्री राम नाम लेखन महायज्ञ समिति के संयुक्त तत्वावधान में 5 दिसंबर से 13 दिसंबर तक श्रीराम कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा।

यह जानकारी समिति के अध्यक्ष श्रीकांत पांडे ने राजधानी मार्ग स्थित डीएसएम पब्लिक स्कूल में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी डाक तार कॉलोनी बमबम चौराहा, पोनी रोड स्थित कथा स्थल पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कथा व्यास के रूप में नैमिषारण्य से पधार रहीं पूज्या कथा वाचिका कनक पाण्डेय प्रतिदिन प्रभु श्रीराम की अमृतमयी कथा का रसपान कराएंगी। कथा 5 दिसंबर को प्रातः 10 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसके बाद वैदिक विधान से परिवार सहित पूजन सम्पन्न होगा। कथा प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित की जाएगी, जबकि 14 दिसंबर को पूर्णाहुति, कन्या पूजन, कन्या भोज एवं भंडारे का आयोजन होगा। कार्यक्रम के मुख्य यजमान रामादेवी एवं सुनील तिवारी होंगे। कथा आयोजन में पनकी धाम कानपुर के महंत बाबा कृष्ण दास महाराज, सिद्धनाथ घाट के अरुण पुरी महाराज, गोल्डन बाबा, दंडी स्वामी रामानंद जी, नौबस्ता हनुमान मंदिर के महंत सुभाष चंद्र महाराज तथा पोनी रोड हनुमत धाम के विनोद महाराज मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इस दौरान महामंत्री अंजनि अग्निहोत्री, संरक्षक आशुतोष शुक्ला, अध्यक्ष विश्वनाथ दुबे, महासचिव ओम प्रकाश मिश्र, सचिव राजीव मिश्र, अमित पांडेय, अवनीश शुक्ला मिश्र मौजूद रहे।

प्रेस वार्ता में जानकारी देते समिति के पदाधिकारी। अमृत विचार

आज का मौसम

मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले दिनों में धुंध होने के साथ धूप में थोड़ी नरमी रहने की संभावना है ।

26.9^{0}	10.0^{0}
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06 : 39	सूर्यास्त 05 : 16

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

श्री प्रकाश जायसवाल को अंतिम विदाई में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। अमृत विचार

तिलक हाल में चाहने वाले रो पड़े। अमृत विचार

पार्थिव शरीर पर कांग्रेस का झंडा ओढ़ाया गया। अमृत विचार

जिंदगी से हारे पर हजारों दिल जीत ले गए श्रीप्रकाश

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल पंचतत्व में विलीन, भैरव घाट पर दोनों बेटों ने अपने पिता को दी मुखाग्नि

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जब तक सूरज चांद रहेगा, श्रीप्रकाश का नाम रहेगा आदि नारों के बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीपप्रकाश जायसवाल पंचतत्व में विलीन हो गये। राजकीय सम्मान के साथ भैरव घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके दोनों बेटों ने मुखाग्नि दी।

रविवार को सुबह से ही श्रीप्रकाश जायसवाल के पोखरपुर आवास पर नेताओं के आने का सिलसिला जारी रहा। सबसे पहले बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और कानपुर नगर के सांसद रमेश अवस्थी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। दोपहर 11.30 बजे शव को आवास से बाहर लाने लगे तो परिजनों के अतिरिक्त कई लोग फूट-फूटकर रोने लगे। फूलों से लदे ट्रक पर श्री जायसवाल का पार्थिव शरीर रखा गया तो आर्य नगर के सपा विधायक अमिताभ वाजपेयी समेत कई नेता व परिजन ट्रक पर बैठ गए। उनकी शव यात्रा रवाना हुई। इस दौरान एमएलसी सलिल विश्नोई भी पहुंचे।

अंतिम यात्रा में जबरदस्त भीड़ होने के कारण कई रास्तों को पुलिस ने ब्लाक कर रखा था। श्री जायसवाल का पार्थिव शरीर उनके पैतृक आवास कैनाल रोड ले जाया गया, जहां लोगों ने दर्शन किए उसके बाद पार्थिव शरीर तिलक हाल पहुंचा तो वहां हजारों लोग मौजूद रहे। कई महिला कांग्रेसी फूट-फूटकर रोने लगीं। दोपहर लगभग 2.30 बजे भैरव घाट पर गार्ड आर्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान सांसद देवेंद्र सिंह भोले, भाजपा विधायक सुरेंद्र मैथानी, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री अंटू मिश्रा, पूर्व महापौर रवींद्र पाटनी, पूर्व सांसद राजाराम पाल, आलोक मिश्रा, हरप्रकाश अग्निहोत्री, सोहेल अंसारी, ग्रामीण अध्यक्ष संदीप शुक्ला, मदन मोहन शुक्ला, शंकर दत्त मिश्रा, इकबाल अहमद, निजामुद्दीन खान, कमल जायसवाल, कुलदीप सिंह, रितेश यादव, मनोज सिंह, हरीश बाजपेई, सैमुअल लकी सिंह, डॉ. निसार अहमद, सुनील राठौर, श्याम देव सिंह, अमित पांडे, धवल पांडे, बृजेश शर्मा, अजय श्रीवास्तव शीलू, दिलीप शुक्ला, तौसीफ खान, संतोष त्रिपाठी, संजय दीक्षित, ग्रीनबाबू सोनकर, राजेश गौतम, राजलक्ष्मी, सुरेश गुप्ता, प्रताप साहनी, डॉ. निसार अहमद, सेमुअल लकी, इखलाक डेविड, शाकिर अली उसमानी, दीपक मालवीय थे।

चहेते नेता को अंतिम विदाई देने हुजूम उमड़ा। अमृत विचार

सांप्रदायिकता पर खुलकर बोलते थे श्रीप्रकाश

कानपुर। श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के चेयरमैन एवं पूर्व एमएलसी सरदार कुलदीप सिंह ने पूर्व केंद्रीय मंत्री के पार्थिव शरीर पर तिलक हाल में पुष्प अर्पित किये और अशोक नगर में शोक सभा की। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा रचित 'काला बच्चा हत्याकांड' पुस्तक का तत्कालीन राज्यपाल मोतीलाल वोरा द्वारा विमोचन किया गया था जिसमें श्री प्रकाश जायसवाल ने भी शिरकत की थी। उन्होंने कहा कि श्री प्रकाश जायसवाल सांप्रदायिकता पर खुलकर बोलते थे।

राहुल, प्रियंका, खड़गे के नाम से पुष्पचक्र कांग्रेसी झंडा ओढ़ाया

- तिलक हाल में महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुआई में मौजूद कांग्रेसियों ने जोरदार नारे लगाए। पवन गुप्ता ने उनको कानपुर के कांग्रेसजनों की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके पार्थिव शरीर पर कांग्रेस का झंडा उढ़ाया और फिर कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी, राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की ओर पुष्पांजलि अर्पित की।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य श्रीप्रकाश के घर पहुंचे। अमृत विचार

विदाई में सब आए, नहीं पहुंचा कोई बड़ा कांग्रेसी नेता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- श्री जायसवाल को श्रद्धांजलि देने लखनऊ-दिल्ली से कोई कांग्रेसी नेता नहीं आया

अमृत विचार। पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री प्रकाश जायसवाल के अंतिम संस्कार में कांग्रेस का कोई बड़ा नेता दिल्ली-लखनऊ से नहीं पहुंचा जबकि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, सांसद रमेश अवस्थी, सांसद देवेंद्र सिंह भोले, विधायक सुरेंद्र मैथानी, एमएलसी सलिल विश्नोई समेत सभी पार्टियों के नेता पहुंचे।

राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई कांग्रेसी नेताओं ने शनिवार को श्री जायसवाल के पुत्र से मोबाइल पर बात की थी। रविवार को शहर के कांग्रेसियों को उम्मीद थी कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अंतिम संस्कार में जरूर शामिल होंगे लेकिन वे भी नहीं आए। पता चला कि वे किसी शादी के कारण नहीं आ पाए। लखनऊ, दिल्ली से भी कोई बड़ा नेता नहीं आया जबकि भाजपाइयों की भीड़ रही। इस संबंध में कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पवन गुप्ता का कहना है कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अजय राय ने श्री जायसवाल को श्रद्धांजलि दी है। अजय राय मंगलवार को आएंगे।

सिटी ब्रीफ

फर्जी पते पर फर्म बनाकर लाखों की टैक्स चोरी

कल्याणपुर। पनकी कांशीराम कॉलोनी के फर्जी पते पर एक फर्म बनाकर प्रोपराइटर ने लगभग 56 लाख की टैक्स चोरी कर ली। जांच में इस फर्जीवाड़े का खुलासा होने पर जीएसटी की असिस्टेंट कमिश्नर ने फर्म के खिलाफ कर चोरी, धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जीएसटी के असिस्टेंट कमिश्नर सुषमा सिंह ने बताया कि गगौली गंगाघाट नेहरू नगर निवासी अनुराग शुक्ला ने पनकी की कांशीराम कॉलोनी के फर्जी पते पर मारुति ट्रेडर्स नाम की फर्म का रजिस्ट्रेशन कराया। फर्म के जरिए वर्ष 2022-23 में तीन करोड़ आठ लाख 94 हजार का टर्नओवर किया, लेकिन फर्म प्रोपराइटर अनुराग ने 55 लाख 60 हजार का जीएसटी भी नहीं जमा किया। जीएसटी जमा न होने पर अधिकारियों ने फर्म के लिखित पते पर जांच पड़ताल की। लेकिन वहां पर फर्म का कोई अस्तित्व ही नहीं पाया। पनकी इंस्पेक्टर ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

सड़क किनारे मिला युवक का शव

कानपुर। जाजमऊ में रविवार देर शाम सड़क किनारे एक युवक का शव मिला। युवक की पहचान नहीं हो सकी है। जाजमऊ थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि तिवारीपुर स्थित कूड़ाघर के पास एक युवक अचेत पड़ा था। उसे कांशीराम अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी उम्र करीब 45 वर्ष है। उसकी पहचान नहीं हो सकी है।

घर के बाहर खेल रहा मासूम हुआ लापता

कल्याणपुर। पनकी के रतनपुर कॉलोनी निवासी शैलेंद्र कुमार मजदूरी करते हैं। परिवार में पत्नी रेखा व दो वर्षीय बेटा है। रविवार सुबह मासूम घर के बाहर खेलने था, जो अचानक लापता हो। इधर-उधर तलाशने के बाद पर परिजनों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पनकी के कार्यवाहक थाना प्रभारी श्रवण कुमार तिवारी ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मासूम की तलाश की जा रही है।

कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने पुष्पमाला चढ़ाई। अमृत विचार

भैरवघाट पहुंचे डिप्टी सीएम और कैबिनेट मंत्री

- पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल को श्रद्धांजलि देने के लिए पहले भैरव घाट पर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान पहुंचे, एक ओर राकेश सचान तो दूसरी ओर आर्य नगर के विधायक अमिताभ वाजपेयी ने कांधा देकर शव को घाट तक पहुंचाया। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद उप मुख्य मंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी घाट पहुंचे और श्रद्धांजलि दी।

एक नेता और कंधे हजार, कमा गए कितना प्यार

शैलेश अवस्थी, कानपुर

- पार्थिव शरीर को सपा, भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं ने दिया कंधा, घरों से बरसे फूल
- हर मजहब, पंथ, जाति, वर्ग के नेता, आम और खास सभी पहुंचे अलविदा कहने

अमृत विचार। अरसे बाद शहर में किसी नेता की अंतिम यात्रा में ऐसा नजारा दिखा, जो आजकल राजनीति कर रहे नेताओं के लिए सीख है। पूरी जिंदगी कांग्रेसी रहे श्रीप्रकाश जायसवाल के पार्थिव शरीर को कंधा देने के लिए सभी दलों के नेताओं में होड़ रही।

श्रीप्रकाश की अंतिम यात्रा में उमड़े जनसैलाब ने बता दिया कि वह हरदिल अजीज नेता थे। वह दल नहीं दिलों पर राज करते थे। इसमें कई ऐसे थे, जिन्हें शायद श्रीप्रकाश चेहरे या नाम से न जानते हों, लेकिन वह कहते सुने गए कि यह शख्स सच में इंसान था। कोई किसी काम के लिए पहुंचा तो दल, नाम, मजहब और जाति पूछे बिना उसकी तकलीफ पूछते और समाधान के ईमानदार प्रयास करते।

गौर कीजिए, उनके पार्थिव शरीर को सपा विधायक अमिताभ बाजपेई, भाजपा नेता शैलेन्द्र दीक्षित की तरह अन्य दलों के नेताओं ने भी कंधा दिया। अंतिम यात्रा में सत्यनारायण गुर्जर भी थे, राजेंद्र मिश्र बब्बू भी, अतहर नईम थे, तो श्याम लाल भी, मनोज सिंह थे तो आलोक मिश्रा भी, राजकुमार सोनकर थे तो श्यामदेव सिंह भी। रघुवीर सिंह यादव थे तो महेशचंद जैन भी। राजनीतिक दलों का शायद ही कोई छोटा-बड़ा नेता हो, जो वहां अंतिम दर्शन को न पहुंचा हो। पार्टी के भीतर और पार्टी के अंदर के विरोधी भी उनसे जुड़े किस्से लोककथाओं की तरह सुना रहे थे। कई तो ऐसे लोग थे जो उनके निधन की खबर सुनकर उनके घर पहुंचे और फिर अंतिम संस्कार के बाद ही अपने घर लौटे। उनकी अंतिम यात्रा पर घरों से फूल बरसते रहे। श्रीप्रकाश अब किसी ओहदे पर नहीं थे, लेकिन अंतिम विदाई के लिए उमड़ी भीड़ और लोगों की नम आंखें बता रही थीं कि उनकी असली पूंजी तो यही सैलाब है।

राजनीति

किसी को कानो-कान खबर नहीं, दो दिनों तक डेरा जमाए रही टीम

राहुल गांधी की सीक्रेट टीम जुटा ले गई कांग्रेसियों की कुंडली

जमीर सिद्दीकी, कानपुर

- कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष टीम को नहीं पहचान सके
- श्रीप्रकाश जायसवाल की मौत से लेकर अंतिम संस्कार तक ब्यौरा जुटाया

अमृत विचार। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सीक्रेट टीम ने कानपुर में ऐसा काम कर दिया कि शायद कांग्रेसियों ने कभी सोचा भी नहीं होगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल की मौत के बाद दिल्ली से पांच सदस्यीय सीक्रेट टीम कानपुर पहुंची और कांग्रेसियों का पूरा ब्यौरा एकत्र किया। हाईकमान तक कई बड़े पदाधिकारियों का ब्यौरा पहुंच चुका है, कई गैर हाजिर कांग्रेसियों पर गाज गिर सकती है।

कानपुर में वर्षों से कांग्रेसियों के मध्य खींचतान, गुटबाजी चरम पर है जिसपर कांग्रेस हाईकमान की पैनी नजर है। ऐसा समझा जाता है कि किसी बड़े कांग्रेसी नेता के पूर्व केंद्रीय मंत्री के अंतिम संस्कार में नहीं आने के पीछे का एक कारण ये भी है। रविवार को श्रीप्रकाश जायसवाल के अंतिम संस्कार के बाद सीक्रेट टीम ने हाईकमान को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। शुक्रवार रात आठ बजे पूर्व केंद्रीय मंत्री की मौत की सूचना पर हाईकमान द्वारा पांच सदस्यीय सीक्रेट टीम भेजी गई जो शनिवार सुबह कानपुर पहुंची। बताते हैं कि ये टीम दो दिनों तक माल रोड पर एक गुप्त स्थान पर डेरा जमाये रही। सूत्र बताते हैं कि श्रीप्रकाश जायसवाल के पोखरपुर आवास पर ये गुप्त टीम शनिवार को पहुंची और कांग्रेसियों पर नजर रखी कि कौन बड़ा कांग्रेसी नेता आया और कौन नहीं आया। आश्चर्य तो इस बात का है कि पांच सदस्यीय टीम में जो भी डेरा जमाये थे, उनमें किसी को कानपुर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता तक नहीं पहचानते थे।

शनिवार को सुबह से ही इस विशेष टीम ने पूर्व केद्रीय मंत्री के आवास पर ये देखने का प्रयास किया कि कांग्रेस के कितने नेता कितना रुचि ले रहे हैं या कि खानापूरी कर रहे हैं। रविवार को सुबह से ही गुप्त टीम ने श्री प्रकाश जायसवाल के आवास से भैरोघाट तक अपना जाल बिछाए रखा और पूरा ब्यौरा एकत्र किया। रविवार को बड़े कांग्रेसियों के मध्य कुछ सुगबुगुहाट हुई लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

एक पूर्व विधायक को फ्रैक्चर दूसरे मुंबई में

- कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे श्रीप्रकाश जायसवाल के अंतिम संस्कार में दो पूर्व विधायक चर्चा का विषय बने रहे और लोगों की आंखें दोनों की तलाशती रहीं लेकिन दोनों पूर्व विधायक नजर नहीं आए। इस बारे में कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता का कहना है कि पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्रा को फ्रैक्चर हो गया है जबकि श्री प्रकाश की मौत के पहले ही पूर्व विधायक संजीव दरियाबादी मुंबई चले गये थे।

फोटो खींचे, वीडियो भी बनाई

- दिल्ली से हाईकमान द्वारा भेजी गई कांग्रेस की सीक्रेट टीम ने श्रीप्रकाश जायसवाल के आवास से लेकर भैरोघाट तक पूरे घटनाक्रम का फोटो खींचे और वीडियो भी बनाई। इस दौरान कोई कांग्रेसी ये नहीं समझ सका कि उनकी मानीटरिंग चल रही है। टीम के सदस्य पार्थिव शरीर के साथ श्रीप्रकाश के घर से लेकर घाट तक पल-पल साथ रहे। कुछ लोगों से बातचीत भी की।

शनिवार को दिल्ली से चार पांच लोग आये थे जो कानपुर में रुके थे। अपने को श्री प्रकाश जायसवाल का मिलने वाला बता रहे थे, मैंने इनमें से किसी को न तो कांग्रेस मुख्यालय दिल्ली में देखा है और मैं इनमें से किसी को पहचानता हूं।

पवन गुप्ता, अध्यक्ष, कानपुर महानगर कांग्रेस

सांसद रमेश अवस्थी भी अंतिम संस्कार में पहुंचे। अमृत विचार

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने श्रद्धांजलि दी। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

बुलेट से टक्कर मारने के बाद छात्र को पीटा

कल्याणपुर। कल्याणपुर में बुलेट से टक्कर मारने के बाद दबंगो ने छात्र के साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ नामजद रिपोर्दट दर्ज की है। कल्याणपुर थाना क्षेत्र नई शिवली रोड निवासी अर्जुन यादव को दोपहर लगभग 2 बजे बुलेट सवार दो युवकों ने टक्कर मार दी। आरोप है कि घटना के बाद बुलेट सवार दोनों युवक अर्जुन को गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। मौके पर मौजूद राहगीरों ने बीच बचाव किया, इस दौरान आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। आरोपियों की पहचान हर्ष यादव निवासी शताब्दी नगर, पनकी तथा तनमय शुक्ला निवासी क्यू ब्लॉक, शारदा नगर के रूप में हुई है। कल्याणपुर थाना प्रभारी राजेंद्र कांत शुक्ला ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पानी के लिए फीलखाना में लोग परेशान

कानपुर। फीलखाना में 20 हजार बाशिंदों को दिनभर में महज एक घंटे पानी मिल रहा है। 21 दिन से लोग पेयजल संकट से जूझ रहे हैं, लेकिन समस्या के निदान का रास्ता ही नहीं खुल रहा है। पुलिस यातायात डायवर्जन नहीं कर रही है, जिससे काम शुरू नहीं हो पा रहा है। फूलबाग स्थित पनचक्की चौराहे के पास 9 नवंबर को जल निगम की पाइप लाइन में लीकेज हो गया था। पाइप लाइन की मरम्मत के लिए जल निगम ने 10 नवंबर को ऑनलाइन आवेदन किया था। परमिशन न मिलने पर जल निगम ने 10 दिन बाद रिमाइंडर लगाया। बावजूद इसके 30 नवंबर तक यातायात पुलिस ने लीकेज की मरम्मत के लिए मार्ग बंद करने की इजाजत नहीं दी।

पॉवर केबल चोरी, रिपोर्ट

कानपुर। सनिगवां के भाभानगर में इंडस टॉवर के टेक्नीशियन ने टॉवर से बीटीएस की तीन पॉवर केबल चोरी होने की शिकायत चकेरी थाने में की और रिपोर्ट दर्ज कराई। भाभानगर स्थित इंडस टॉवर में टेक्नीशियन पद पर तैनात पंकज मिश्रा के अनुसार बीती 23 नवंबर की रात उन्हें सूचना मिली कि उनकी साइट का सिग्नल डाउन है। जिस पर उन्होंने एक टेलीकॉम कंपनी के अधिकारी हर्षित तिवारी से भी बात की तो उन्होंने भी साइट डाउन बताने की बात कही। जिसके बाद वह टॉवर में देखने आए तो पता चला कि टेलीकॉम कंपनी के बीटीएस की तीन केबल चोर काटकर ले गए हैं। फिर उन्होंने चकेरी पुलिस समेत अपने अधिकारियों से शिकायत की। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

दर्शन करने गया परिवार चोरों ने किया माल साफ

कल्याणपुर। शातिर चोरों ने देर रात बंद घर से लाखों की चोरी की। परिजन महाकालेश्वर दर्शन कर लौटे तो सामान बिखरा देख पुलिस को जानकारी दी। पनकी गंगागंज निवासी राम प्यारी पनकी मंदिर के पास कॉस्मेटिक की दुकान चलाती है। बेटी घर पर रहती है। पति राजेंद्र दधिका गांव बिल्हौर में रहकर खेती किसानी करते हैं। रामप्यारी ने बताया कि परिवार के साथ 22 नवंबर को महाकालेश्वर उज्जैन दर्शन के लिए गए थे। वहां से 29 नवंबर को घर लौट कर आए तो सारा सामान बिखरा पड़ा था। सामान बिखरा देख परिजनों ने 112 नंबर डायल कर जानकारी पुलिस को दी। पनकी थाने का फ़ोर्स मौके पर पहुंचा और घटना की जांच शुरू की। पीड़िता ने बताया कि चोर 50 हजार नकदी और जेवर सहित करीब दो लाख रुपये का माल समेट ले गए। पनकी पुलिस ने रिपोर्ट लिखी।

डग्गेमारी-अराजकता के साथ सड़क सुरक्षा यातायात माह खत्म

1 नवंबर से 30 नवंबर तक यातायात पुलिस विभाग द्वारा चलाया गया यातायात सड़क सुरक्षा माह हर बार की तरह औपचारिकता बनकर रह गया। माह के समापन के अंतिम दिन राष्ट्रीय मार्ग पर डग्गेमारी करते प्रतिबंधित लोडर-ट्रक अवैध रूप से लोगों को बैठाकर तथा चालक विपरीत दिशा में वाहन चलाते रहे। यातायात पुलिस ने कागजी अभियान चलाकर अभियान की इतिश्री कर दी। ● फोटो-मनोज तिवारी

पनकी में सूने पड़े घर से चोरों ने किया माल पार

कल्याणपुर। पनकी में एक सूने पड़े घर में घुसे चोरों ने पांच लाख का माल पर कर दिया। कार्यक्रम से लौटे परिवार ने घटना की जानकारी पुलिस को दी है। पनकी गगागंज महावीर नगर निवासी कामिनी शर्मा के अनुसार 20 नवंबर को वह परिवार के साथ अपने भाई के घर वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लखनऊ गई थी। इस दौरान खिड़की की ग्रिल तोड़कर घर के अंदर दाखिल हुए चोर बक्से में रखी लगभग चार लाख रुपए कीमत के गहने व एक लाख की नकदी पार कर ले गए। शुक्रवार को घर लौटने पर पीड़ित परिवार को घटना की जानकारी हुई। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

डॉ. शाहीन झल्लाई, बोली-जबरन नहीं करा सकते लाई डिटेक्टर टेस्ट

मैं हाई एजुकेटेड और कई देशों में घूमी हूं, किसी देश का कानून ऐसी अनुमति नहीं देता

आतंक के आका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दिल्ली विस्फोट में आरोपी डॉ. शाहीन ने सुरक्षा एजेंसियों के पूछताछ में तीखा जवाब देना शुरू कर दिया है। लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने व जानकारी हासिल करने की बात पर उसने सख्त लहजे में जवाब दिया। एजेंसी के सूत्रों के अनुसार उसने कहा कि जबरन लाई डिटेक्टर टेस्ट की अनुमति किसी देश का कानून नहीं देता है। इससे पहले भी वह भड़क चुकी है, जब एनआईए और एटीएस उसे कानपुर लाई और उन नौ लड़कियों से सामना कराया था, जो उसके चंगुल से भागी थीं। उन लड़कियों को देखकर वह घबरा गई थी और गुस्से में मानसिक संतुलन बिगडने का बहाना किया था।

सुरक्षा एजेंसियां इन दिनों डॉ. शाहीन को लेकर यूपी के जिलों में ले जाकर पूछताछ कर रही हैं। सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के अनुसार अब तक शाहीन एजेंसियों के सवालों के जवाब शांतचित से दे रही थी, अब वह उग्र होने लगी है। जांच

डॉ. शाहीन। अमृत विचार

● कानपुर में भी चंगुल से भागीं नौ लड़कियों को सामने देखकर पहले गुस्साई फिर घबराई थी

टीम ने उससे लाई डिटेक्टर टेस्ट कराकर जानकारी हासिल करने की बात कही तो वह नाराज हो गई। उसने जवाब दिया कि मुझे आतंकी साबित नहीं कर सकते हैं। मैं हाई एजुकेटड और कई देशों में घूमी हूं। किसी देश का कानून जबरन टेस्ट की इजाजत नहीं देता है। सूत्रों के अनुसार एजेंसियों की कार्रवाई का विरोध भी किया, कहा कि मुझे क्या समझ लिया है।

वहीं जब सुरक्षा एजेंसी उसे कानपुर लाई और उन नौ युवतियों से सामना कराया, जो नेपाल के रास्ते टेरर कैंप ले जाई जा रही थीं लेकिन वह डॉ. शाहीन के चंगुल से भागकर कानपुर आ गई थी। लड़कियों को देखकर वह घबरा गई थी। उसने गुस्से में चिड़चिड़ाकर बात की। एजेंसी के सूत्रों के अनुसार जो इलेक्ट्रॉनिक व फिजिकल साक्ष्य मिले वह शाहीन के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से रिश्ता साबित कर रहे हैं। उसके झूठ लगातार पकड़े जाने से वह बौखलाहट में है। जबकि उसके खिलाफ तीन एजेंसियां लगातार साक्ष्य एकत्र करने में जुटी हैं।

लंबी सूची एजेंसी के पास

- डॉ. शाहीन के लखनऊ से लेकर कानपुर और फिर उसके बाद कन्नौज व कई साल गुमनाम अवधि के उसके संपर्कियों की लंबी लिस्ट सुरक्षा एजेंसियों के पास है। इसी अवधि के शाहीन के मजबूत संबंध को एजेंसी टटोल रही है। एजेंसी सूत्रों के अनुसार शाहीन के कानपुर, लखनऊ, आजमगढ़, कन्नौज समेत आधा दर्जन जिलों में गतिविधि रही है। उसके रिश्ते आजतक वहां मजबूत हैं। अब एजेंसी चिकित्सा सेवा से जुड़े विशेष समुदाय के लोगों को तलाश की जा रही है। एजेंसी के सूत्रों के अनुसार लंबी लिस्ट में हर व्यक्ति को टच करने में समय लगेगा। फिलहाल रिमांड पर शाहीन को लेकर पूछताछ की जा रही है। टीमें लगातार उन पुलिस अधिकारियों से भी संपर्क कर रही है जो सेवानिवृत्त हो चुके हैं और कानपुर में रहने के दौरान शाहीन के संपर्क में रहे।

नेताओं के मूवमेंट पर होती पैनी नजर

- सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के अनुसार लेडी विंग की पूछताछ में जो तथ्य सामने आए उनकी भी जांच की जा रही है। जैसे शाहीन का स्लीपर सेल यूपी के फायरब्रांड नेताओं की रेकी करता था। नेताओं के करीबियों को हनी ट्रैप में फंसाता और जानकारियां लेता। शाहीन और उसकी लेडी विंग उस हर स्थान पर जाती जहां बड़े नेताओं की सभाएं होती थीं। रेकी के बाद गतिविधि पर भी नजर रखती। वीवीआईपी गतिविधि के दौरान मददगार स्लीपर सेल्स का काम होता था कि सुरक्षा में लगे लोगों को मैनेज करना। यूपी के तमाम जिलों में स्लीपर सेल्स का नेटवर्क है और नेटवर्क के संपर्क में ऐसे नाम सामने आए जो महत्वपूर्ण तो नहीं लेकिन लालच व हनी ट्रैप में फंसकर तमाम जानकारियां लीक की हैं। इस नेटवर्क वाले करीब 600 से ज्यादा लोगों की प्रदेश में जांच हो रही है।

ट्रेनों में चेन पुलिंग में 300 से अधिक यात्री गिरफ्तार

कानपुर। बेवजह चेनपुलिंग करके ट्रेनों को लेट करने वालों पर रेलवे अधिकारियों ने नकेल कसना शुरू कर दिया है। कानपुर सेंट्रल स्टेशन से प्रयागराज, भीमसेन से उरई होते हुए झांसी, कानपुर से टूंडला तक ट्रेनों में विशेष चेकिंग दस्ते ने 300 से अधिक यात्रियों को चेनपुलिंग में गिरफ्तार किया। ऐसे यात्रियों से जुर्माना वसूला गया।

उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि 1 नवंबर से 29 नवंबर तक विभिन्न ट्रेनों में उत्तर मध्य जोन के महाप्रबंधक के निर्देश पर आधा दर्जन से अधिक विशेष चेकिंग टीमों ने ऐसे यात्रियों के खिलाफ अभियान चलाया जिन्होंने चेन पुलिंग करके ट्रेनों को लेट किया। रेल मंडल प्रबंधक अनिरूद्ध कुमार के दिशा निर्देशन में बिना उचित कारण अलार्म चैन खींचने में भीमसेन स्टेशन से झांसी तक 179 मामले दर्ज किए गए। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा 179 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन व्यक्तियों पर कार्रवाई करके 17300 रुपये जुर्माना वसूला गया। कानपुर में उप मुख्य यातायात प्रबंधक आशुतोष सिंह के दिशा निर्देश में चेन पुलिंग करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया और कई यात्रियों को गिरफ्तार करके आरपीएफ के हवाले किया गया।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

5 लाख में निसंतान दंपती को बेचा था मासूम

संवददाता, कल्याणपुर

● आरोपी दंपती से पुलिस ने नगदी समेत बाइक की बरामद

अमृत विचार। पनकी मंदिर परिसर से बच्चा चोरी कर भागी महिला ने एक निसंतान दंपती को पांच लाख में बेचा था। आरोपी महिला से 66500 की नगदी व बाइक बरामद कर पुलिस ने उसकी निशानदेही पर निसंतान दंपती से मासूम को भी सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने निसंतान व आरोपी दंपती को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

रावतपुर के थारू बस्ती निवासी महिला व उसकी 13 वर्षीय बेटी पनकी मंदिर गेट पर भीख मांगती है। शुक्रवार को मां का स्वास्थ्य ठीक ना होने पर किशोरी अपने चार माह के भाई को गोद में लेकर गेट पर भीख मांग रही थी। तभी किशोरी के पास पहुंची शास्त्री नगर झोपड़पट्टी निवासी गीता सिंह मासूम को अपनी गोद में लेकर उसे दुलारते हुए एक ऑटो में बैठकर भाग निकली थी। मामले की जांच में जुटी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज व सर्विलेंस की मदद से शास्त्री नगर झोपड़पट्टी में दबिश देकर आरोपी महिला गीता व उसके पति जितेंद्र को धर दबोचा। आरोपी दंपती की निशानदेही पर पुलिस ने गोपाल नगर निवासी चक्की स्पेलर कारखाना संचालक सचिन सक्सेना व उसकी पत्नी गरिमा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मासूम को सकुशल बरामद कर लिया। एडीसीपी वेस्ट कपिल देव सिंह ने बताया कि बच्चा चोरी कर शातिर दंपती ने उसे निसंतान दंपती को पांच लाख में बेचा था। शास्त्री नगर झोपड़पट्टी निवासी जितेंद्र राइडर बाइक का शौकीन था। जिसे खरीदने के लिए उसने अपनी पत्नी गीता को बच्चा चोरी की योजना में शामिल किया। फिर दंपती से मिले चार लाख एडवांस से जितेंद्र ने सबसे पहले बाइक खरीद कर अपना शौक पूरा किया था।

44 कैमरों को खंगाल आरोपी दंपती तक पहुंची पुलिस

- पनकी मंदिर चौकी प्रभारी श्रवण कुमार तिवारी ने बताया कि मंदिर तिराहा पर लगे कैमरे में महिला बच्चों को लेकर ऑटो में बैठती दिखाई दी। जिसपर पुलिस की एक टीम मंदिर से भाटिया तिराहा की ओर, जबकि दूसरी टीम पनकी नहर की ओर सराय चौराहा पहुंची, जहां महिला ऑटो से उतरकर अपने पति जितेंद्र की बाइक पर बैठकर मसवानपुर की ओर जाती दिखी। जिसके बाद पुलिस मस्वानपुर चौराहा, सिलेंडर चौराहा, केडीएमए, डबल पुलिया समेत 44 कमरों में बाइक को ट्रेस करते हुए शास्त्री नगर में आरोपी दंपती के घर तक पहुंची।

मेडिकल कॉलेज को दान दी गई गुरु दर्शन सिंह बेदी की देह

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● सिख समाज से दूसरा देह दान हुआ

अमृत विचार। देहदान अभियान के तहत रविवार को 310 वीं देह दान की गई। लक्ष्मीरतन कॉलोनी नारायणपुरवा निवासी 78 वर्षीय कारोबारी सरदार गुरु दर्शन सिंह बेदी की पार्थिव देह जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज को समर्पित की गई। शहर में सिख धर्म का यह दूसरा देहदान है।

गुरु दर्शन सिंह।

देहदान अभियान प्रमुख मनोज सेंगर ने बताया कि गुरु दर्शन सिंह ने वर्ष 2007 में देहदान संकल्प पत्र भरा था। रविवार को सुबह साढ़े दस बजे उनका निधन होने पर उनके अभिन्न मित्र आरपी सिंह ने फोन कर देहदान कराने का आग्रह किया। इसके बाद देहदान संबंधी आवश्यक पत्रक तैयार करवाकर मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग में देह को पुष्पांजलि अर्पित कर सम्मान सहित स्वीकार किया गया। देह समर्पण के समय भतीजी हरप्रीत कौर के साथ राणाप्रताप सिंह, कुलदीप सिंह, रणदीप सिंह, अमनदीप सिंह, प्रदीप कपूर, प्रमोद साहनी, राजू, दीपक, हनी, पप्पू मौजूद रहे। बड़े भाई सरदार चरनजीत सिंह बेदी ने कहा कि छोटे भाई के देहदान संकल्प को पूरा करके संतोष का अनुभव हो रहा है। अभियान की महासचिव माधवी सेंगर ने बताया कि सिख धर्म से यह दूसरा देहदान है। पहला देहदान अक्टूबर 2007 में गोविंद नगर निवासी सरदार मंजीत सिंह का हुआ था।

खाली प्लाट में रखे कबाड़ में भड़के शोले

कानपुर। मकड़ी खेड़ा में खाली प्लाट में रखे कबाड़ में आग लग गई। वहीं नौबस्ता क्षेत्र में बजरगंज चौराहे पर भी कबाड़ में आग लगी। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि मकड़ीखेड़ा में खाली प्लाट में रखे कबाड़ में आग लगी। कबाड़ का काला धुआं आसपास फैलने से लोगों को सांस लेने में दिक्कत आई। कर्नलगंज और लाटूश रोड फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। इसी प्रकार नौबस्ता क्षेत्र अंतर्गत बजरंग चौराहा के पास कबाड़ में आग लगी।

मैरिज रिक्वेस्ट, फिर 10 लाख का फ्राड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● प्राइवेट शिक्षक को शातिर युवती ने नए अंदाज में ठगा

अमृत विचार। गोविंदनगर में प्राइवेट शिक्षक से शादी के नाम पर 10 लाख का फ्राड हो गया। शिक्षक की फेसबुक फ्रेंड बनी शातिर युवती ने पहले शादी का भरोसा दिलाया, इसके बाद भविष्य के लिए निवेश को राजी कराया। विश्वास में आकर शिक्षक ने युवती की बताई वेबसाइट में 10 लाख रुपये निवेश कर दिया। जब उसने अपनी रकम निकालनी चाही तो युवती ने ट्रेडिंग अकाउंट ब्लॉक कर दिया। संपर्क से दूर जाने के लिए युवती का फोन भी बंद हो गया। ठगी का अहसास होने पर युवक ने साइबर सेल व गोविंदनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस जांच कर रही है।

दबौली निवासी अभिषेक द्विवेदी प्राइवेट शिक्षक हैं। अभिषेक ने बताया कि बीते जून माह में फेसबुक पर एक युवती का पोस्ट दिखा, जो शादी से जुड़ा था। फेसबुक पर कमेंट के बाद उससे बात हुई तो उसने बताया कि वह दिल्ली की जनकपुरी की निवासी है और नाम अनन्या मेहता है। कहा कि वह एक निजी बैंक में रीजनल मैनेजर है। उसने शादी करने की बात कही, लेकिन उन्हें यह कहकर बरगलाया कि इससे पहले वह चाहती है कि दोनों लोग गोल्ड में निवेश कर मोटा मुनाफा कमा लें। ताकि भविष्य सुखमय बना रहे। इसके बाद उसने सिमको नाम की वेबसाइट के माध्यम से निवेश की सलाह दी। कहा कि वह भी निवेश करती है। मोटा मुनाफा मिलता है। पहले शादी का भरोसा फिर उसकी बातों पर यकीन कर उन्होंने 13 जुलाई से अगस्त के बीच कई बार में 10 लाख रुपये निवेश कर दिए। वेबसाइट के हिसाब से तय अमाउंट पर स्टॉप लॉस लगाया गया था। उस सीमा तक पहुंचने पर उन्होंने जब रुपये निकालने चाहे तो उनका ट्रेडिंग अकाउंट ब्लॉक कर दिया गया। गोविंदनगर थाना प्रभारी रिकेश कुमार सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

प्रेमिका से खटपट के बाद युवक ने फांसी लगाकर दे दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। स्वरूपनगर में प्रेमिका से किसी बात पर खटपट होने पर युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। एकलौती संतान का शव फंदे से लटका देखकर परिजनों में कोहराम मच गया।

हैलट से संबद्ध संक्रामक रोग अस्पताल (आईडीएच) में कार्यरत वार्ड ब्वाय जमुना प्रसाद शर्मा का 22 वर्षीय भतीजा सागर काकादेव स्थित एक सैलून की दुकान में काम करता था। सागर के पिता महेंद्र ने करीब 17 साल पहले आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद उसकी मां की आठ साल की उम्र में मौत हो गई थी। उसकी परवरिश उसके चाचा जमुना प्रसाद और चाची ने की थी।

सागर।

● संक्रामक रोग अस्पताल के आवासीय परिसर में लटका मिला शव

परिवार में चचेरे बड़े भाई अंकित और छोटा हिमांशु है। परिजनों ने बताया कि शनिवार रात उसने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। बताया कि सागर का किसी युवती से प्रेम प्रसंग था। जिससे वह फोन पर बाते किया करता था। अक्सर कान में लीड लगाकर घर से बाहर चला जाता था। शनिवार शाम को भी युवती से बातचीत कर रहा था, तभी उससे किसी बात पर खटपट हो गई थी। कहासुनी होने पर उसने बात बंद की और कमरे में आ गया। जहां मौजूद चचेरी बहन को बहाने से बाहर भेजा दिया और कमरे में फांसी लगा ली। बहन ने लौटने पर दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब न मिलने पर खिड़की से झांककर देखा तो शव फंदे से लटक रहा था। फंदे से शव उतारकर हैलट ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और शव पोस्टमार्टम भेजा। स्वरूपनगर थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि युवक का मोबाइल कब्जे में लेकर मामले की जांच की जा रही है।

नमाज के लिए घर से निकला बालक लापता

कानपुर। जुमे की नमाज के लिए 28 नवंबर को घर से निकला बालक संदिग्ध हालात में लापता हो गया। तीन दिन बीतने के बाद भी बालक का कोई सुराग नहीं लगा है। परिजनों ने अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई है। चकेरी के गदियाना नई बस्ती निवासी मोहम्मद मुश्ताक ने बताया कि उनके साढ़ू का दस वर्षीय बेटा नसर रजा कई सालों से उनके घर पर ही रह रहा था। मुश्ताक ने बताया कि बीती 28 नवंबर को रजा घर से जुमे की नमाज पढ़ने समीप की मस्जिद में गया था। वहां पहुंचकर उसने नमाज पढ़ी, लेकिन वापस घर नहीं लौटा। दो दिन की तलाश में कुछ पता नहीं चला है। कुछ लोगों से पता चला कि रजा उसी दिन दोपहर 1.34 बजे मंगला विहार की तरफ जाते दिखा है। चकेरी पुलिस को सूचना दी।

क्राइम

हिस्ट्रीशीटर ने जेल से मांगी थी पांच लाख रुपये की रंगदारी

डी-टू गैंग का हिस्ट्रीशीटर सबलू गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। डी-टू गैंग का हिस्ट्रीशीटर-शूटर और 25 हजार का इनामी एजाजुद्दीन उर्फ सबलू को रविवार सुबह अनवरगंज पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने दबोच लिया। हिस्ट्रीशीटर ने जेल से रहनुमा बानो से पांच लाख की रंगदारी की मांगी थी। महिला ने पति मो. नावेद को शूटर से बचाने के लिए एक लाख रुपये दे भी दिए थे। बाकी चार लाख रुपयों की लगातार मांग पर पीड़िता ने हिस्ट्रीशीटर व उसके गुर्गों के खिलाफ अनवरगंज थाने में 16 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

बांसमंडी निवासी पीड़िता रहनुमा बानो ने अनवरगंज थाने में दी तहरीर में बताया था कि हिस्ट्रीशीटर एजाजुद्दीन उर्फ सबलू पर जानलेवा हमला हुआ था। जिसमें हिस्ट्रीशीटर ने उसके पति मो. नावेद से पैसे हड़पने के लिए उनका नाम लिखवा दिया था। पति के जेल जाने के कुछ दिन बाद रंगदारी के मामले में सबलू को जेल भेजा गया। जेल में मुलाकात के दौरान सबलू ने उसके पति से कहा कि जमानत करवानी है तो पांच लाख रुपये दे देना। नहीं तो जमानत नहीं होने देंगे। अगर जमानत हो गई तो बाहर आने पर जान से मार दूंगा। इससे पति डर गए और एक लाख पहले और बाकी चार लाख रुपये जेल से बाहर आने की देने की बात कही थी। महिला के अनुसार जेल में मिलाई के दौरान पति ने उससे यह बात बताई। फिर पैसों के इंतजाम में जुटी महिला के देवर सकलैन ने कारण पूछा तो उसे जानकारी दी। इसके बाद सबलू के गुर्गे लगातार फोन करके पैसों की मांग करने लगे। इससे उसका परिवार डर गया। हालांकि इसी बीच पुलिस ने सबलू के साथी इरफान चूड़ी को गिरफ्तार कर उसका जुलूस निकाला। वहीं मामले में फरार हिस्ट्रीशीटर सबलू की तलाश में अनवरगंज पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम लगी। रविवार को पुख्ता सूचना पर उसे डिप्टी पड़ाव चौराहा के पास धर दबोचा गया। अनवरगंज थाना प्रभारी अशोक दुबे ने बताया कि उसके खिलाफ रंगदारी, हत्या का प्रयास, एनडीपीएस, लूट समेत 10 मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस गिरफ्तार में हिस्ट्रीशीटर सबलू। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

10 डिग्री पहुंचा पारा

कानपुर। शहर में न्यूनतम तापमान में अधिकता दर्ज की गई है। रविवार को शहर का न्यूनतम पारा 10 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसी तरह अधिकतम तापमान 26 .9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि शहर में सुबह धुंध रहने की संभावना है। उत्तर उत्तर पश्चिमी हवाएं चलने पर पारा एक या दो डिग्री सेल्सियस 1 से 2 डिग्री सेल्सियस उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

15 से दूर होंगी त्रुटियां

कानपुर। सेवायोजन विभाग की ओर से 15 दिसंबर से विशेष हेल्प डेस्क लगाकर पोर्टल आवेदन की कमियों को दूर किया जाएगा। यह हेल्प डेस्क युवाओं के नए आवेदन करने के लिए भी सहायता करेंगे। हेल्प डेस्क एक सप्ताह तक युवाओं की सहायता के लिए लागई जाएगी।

754 का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

कानपुर। श्री ओमर वैश्य जगदीश मण्डल ने नेत्र परीक्षण व आपरेशन शिविर व स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया। आईएमए के सहयोग से ज्ञान भारती बालिका इण्टर कालेज, बिरहाना रोड में हुए आयोजन में एमएलसी सलिल विश्नोई ने किया। इस दौरान अखिल भारतीय ओमर ऊमर वैश्य महासभा अध्यक्ष अजय गुप्ता, आईएमए के अध्यक्ष डा अनुराग मेहरोत्रा, सचिव डा शालिनी मोहन, डा वीसी रस्तोगी, दीपक कुमार भी मौजूद रहे। शिविर में 478 नेत्र रोगियों का परीक्षण किया गया। 114 रोगियों को मोतियाबिन्द आपरेशन के लिए चयन किया गया।

एसआईआर विरोधियों को जनता 2027 में देगी जवाब

उप मुख्यमंत्री ने एमएलसी अरुण पाठक के घर पहुंच दिवंगत भाई को दी श्रद्धांजलि

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कहा कि देश विरोधी बातें करके मदनी जानबूझ कर देश का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे
- वंदेमातरम एक राष्ट्रीय मंत्र है जिसके उच्चारण से अलग प्रकार की ऊर्जा मिलती

अमृत विचार। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को एमएलसी अरुण पाठक के घर पहुंचकर उनके दिवंगत भाई को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश विरोधी बातें करके मदनी जानबूझ कर देश का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। देशवासी चाहता है कि उसका नाम मतदाता सूची में एक जगह हो। एसआईआर अभियान में घुसपैठिया के नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे। आगे कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने का काम जारी है। एसआईआर का विरोध करने वाली पार्टियों को जनता 2027 विधानसभा चुनाव में सबक सिखाएगी।

केशवप्रसाद मौर्य ने मदनी पर पलटवार करते हुए कहा कि अपनी दुकानें चलाने के लिए देश विरोधी बयानबाजी कर रहे हैं। अब उनकी दुकानें चलने वाली नहीं है। वंदे मातरम एक राष्ट्रीय मंत्र है। इसके उच्चारण मात्र से ही एक अलग प्रकार की ऊर्जा का संचार होता है। देश के बलिदानियों और स्वतंत्रता सेनानियों ने वंदे मातरम

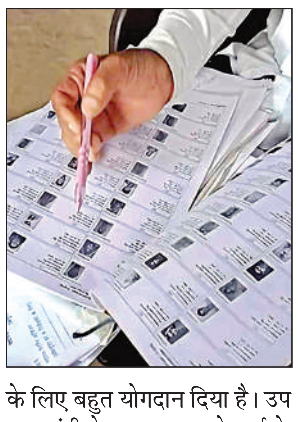

के लिए बहुत योगदान दिया है। उप मुख्यमंत्री ने अरुण पाठक के भाई के बड़े भाई स्व. अरविंद पाठक के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित का भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अरुण पाठक की मां स्नेहलता पाठक सहित अन्य परिजनों से मुलाकात कर सभी को सांत्वना दी। इसके बाद छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति विनय पाठक के बेटे की शादी में पहुंच कर वर वधु को आशीर्वाद दिया। यहां से वह मन्धना के ईटरनिटी होटल पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेई के बेटे की शादी में वर वधु को आशीर्वाद दिया।

दिवंगत गोपाल अवस्थी के घर गए

- केशव प्रसाद मौर्य ने पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री प्रकाश जायसवाल के पोखरपुर स्थित आवास पर पहुंचकर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी उन्होंने उनके बेटे गौरव सहित अन्य परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। उपमुख्यमंत्री अंत्येष्टी स्थल भैरवघाट भी पहुंचे। इसके बाद भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष स्व. गोपाल अवस्थी के रेल बाजार स्थित आवास पर पहुंचे और उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उनके साथ सांसद रमेश अवस्थी, विधायक सुरेंद्र मैथानी, दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह, ग्रामीण जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान, मनीष त्रिपाठी, विनीत दुबे, दीपू पासवान आदि मौजूद रहे।

नए मतदाता बनने के लिए 874 और संशोधन को 352 आवेदन आए

- कानपुर। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल एवं दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने छावनी मंडल के वार्ड नंबर 7 रेलबाजार के सिंधिया सरस्वती शिशु विद्या मंदिर शक्तिकेंद्र पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 128वें एपिसोड को पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सुना। मन की बात कार्यक्रम के उपरांत भाजपा दक्षिण जिले के सभी 169 शक्तिकेंद्रों पर मतदाता सहायता केंद्र हेल्प डेस्क पर पार्टी कार्यकर्ता तैनात रहे। भाजपा दक्षिण मीडिया प्रभारी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि पहली बार मतदाता बनने के लिए कुल 874 लोगों ने और संशोधन, स्थानांतरण के लिए 352 लोगों ने ऑनलाईन आवेदन किए गए। पहली बार अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करने के लिए लोग मतदान केंद्रों पर पहुंचे। यहां युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, आईटी एवं सोशल मीडिया की टीम ने ऑनलाइन आवेदन किया और तत्काल बीएलओ से ऑनलाइन अनुमोदन भी कराया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने महाराजपुर विधान सभा के हरजिंदर नगर मंडल क्षेत्र के सफीपुर के बूथ संख्या 241, 242 एवं 243 में बीएलओ द्वारा किए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण का निरीक्षण किया।

एसआईआर अभियान की जानकारी लेते ब्रजेश पाठक। अमृत विचार

कोई भी पात्र मतदाता छूटना नहीं चाहिए: ब्रजेश पाठक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मतदाता पुनरीक्षण अभियान का उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया स्थलीय निरीक्षण
- चुन्नीगंज मंडल स्थित पीएसजीएम मेमोरियल पोलिंग सेंटर पहुँचे, बीएलओ को दिए निर्देश

अमृत विचार। उप मुख्यमंत्री डॉ. ब्रजेश पाठक ने रविवार को शहर आकर गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान की जमीनी स्थिति परखी। ब्रजेश पाठक क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल के साथ चुन्नीगंज मंडल स्थित पीएसजीएम मेमोरियल पोलिंग सेंटर पहुंचे, जहां उन्होंने बूथ संख्या 41 से 47 तक अब तक वितरित किए गए न्यूमरेशन फॉर्म, उनकी प्राप्ति, जमा होने की स्थिति तथा बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री ने उपस्थित बूथ अध्यक्षों व बीएलए-2 से कहा कि कि कोई भी पात्र मतदाता किसी भी परिस्थिति में छूटना नहीं चाहिए। जिन लोगों के फॉर्म अब तक नहीं भरे गए हैं, उनके घर जाकर फॉर्म भरवाएं। उन्होंने बूथ टीमों को फॉर्म सत्यापन, प्रविष्टियों और समयबद्ध जमा करने पर ध्यान देने को कहा। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने भी सभी मंडल एवं बूथ कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हम सभी कार्यकर्ता पूरी मेहनत के साथ इस अभियान में जुटें। निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए समय-विस्तार का उपयोग करें ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके। उत्तर जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने कौशलपुरी मंडल के वार्ड 5 के बूथ नंबर 157 से लेकर 170 तक व कल्याणपुर विधानसभा गीता मंडल के बूथ नंबर 170 से लेकर 186 तक कार्यकर्ताओं के साथ घर घर जाकर लोगों को फॉर्म जमा करने का आग्रह किया।

लाजपत भवन में समारोह हुआ। अमृत विचार

गुलामी का नहीं, संघर्षों का है भारत का स्वर्णिम इतिहास

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। राष्ट्रवादी सोच के इतिहासकार डॉ. काशी प्रसाद जायसवाल ने अपने शोध के माध्यम से ये सिद्ध किया है कि भारत का इतिहास गुलामी का इतिहास न होकर संघर्षों का इतिहास रहा है। विश्व के कई इतिहासकारों ने इस शोध के बाद अपनी पुस्तकों में संशोधन किया। भारत सरकार से मांग की गई कि ऐसे महापुरुष को भारत रत्न की उपाधि से अलंकृत किया जाये।

रविवार को श्री जायसवाल सभा कानपुर द्वारा विश्व प्रसिद्ध इतिहासकार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डॉ. काशी प्रसाद जायसवाल की याद में लाजपत भवन, मोतीझील में आयोजित समारोह में यह मांग की गई।

इसमें 60 मेधावी बच्चों एवं 50 बुजुर्गों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। सामूहिक विवाह के लिए बड़ी संख्या में लोगों ने पंजीयन कराया। नगर निगम से मांग की गई कि देश के प्रति सेवाओं को देखते हुए उनके नाम पर किसी पार्क को विकसित किया जाए एवं उनकी मूर्ति स्थापित हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. आरबी. जायसवाल ने की। हरीकृष्ण, अजय जायसवाल, समलखन, अनूप, विनय जायसवाल, सुशीला बीडी. जायसवाल, वीरेन्द्र सिंह जायसवाल, मनोज जायसवाल, रानी जायसवाल, निवेदिता जायसवाल, अंकित जायसवाल आदि थे। संचालन मुकेश जायसवाल ने किया। महामंत्री गया प्रसाद जायसवाल ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराये में छूट बहाल करे सरकार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान कार्ड दिया जाए

अमृत विचार। पेंशनधारियों ने मांग की है कि वरिष्ठ नागरिकों को करोना कॉल से पूर्व रेल किराये में मिलने वाली छूट पुनः बहाल की जाए। 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान कार्ड जारी किया जाए। रविवार को ऑल इंडिया पेंशनर महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पेंशनर्स फोरम के अध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कई मांगों का ज्ञापन भेजा है जिसमें वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराये में पूर्व की भांति बहाली, करोना कॉल में मृत कर्मियों के परिवार के एक व्यक्ति को नौकरी दी जाए। राज्य कर्मचारी के लिए पुरानी पेंशन बहाल की जाये और करोना काल में 18 महीने का रोका गया डीए जारी किया जाये। उच्च शिक्षा के लोन को ब्याज मुक्त किया जाए। ईपीएस 95 के पेंशनरों को न्यूनतम पेंशन रुपया 1000 से बढ़कर साढ़े सात हजार की जाए। भविष्य निधि योजना को 15000 से बढ़कर 30000 तक वेतन पाने वालों पर लागू की जाए। किसी प्रकार ईएसआई सी योजना को 21000 रुपये से बढ़ा 30000 रुपये की जाए।

ज्ञापन सौंपते पेंशनधारी। अमृत विचार

दुनिया का सबसे वृहद एवं महान है भारत का संविधान

कानपुर। भारत का संविधान दुनिया का सबसे वृहद एवं महान संविधान है, जिसके माध्यम से लोगों को सबसे ज्यादा लाभ मिला लेकिन ऐसे लोग संविधान की कद्र नहीं करते जबकि जिन्हें संविधान से कुछ नहीं मिला, वे संविधान दिवस मना रहे हैं। रविवार को डॉ. बीआर अंबेडकर जनकल्याण समिति द्वारा अंबेडकर स्मृति एवं उद्यान अरमापुर स्टेट कानपुर में संविधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि प्रफुल्ल गढ़पाल ने कहा कि भारत का संविधान दुनिया का सबसे वृहद एवं महान संविधान है। पीएन प्रसाद, आरडी चंद्रहास, प्रमोद कुमार, अनीश कुमार, ललित बौद्ध आदि ने विचार रखे। अध्यक्षता राजीव दोहरे एवं संचालन रहतु लाल एवं जयप्रकाश त्यागी ने किया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज, जनपद-कन्नौज

संख्या- 761/DA-05/ /नि0सू0(2025-26) दिनांक- 29/11/2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

पालिका के पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि राज्य वित्त आयोग/पालिका निधि के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निम्नलिखित प्रस्तावित निर्माण कार्यो को कराये जाने सम्बन्धी निविदायें दिनांक 11/12/2025 समय दोपहर 4.00 बजे तक कार्यालय नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज में निर्धारित शुल्क जमा करके क्रय की जा सकती है जो दिनांक 12/12/2025 समय 02.00 बजे तक टेण्डर बॉक्स में डाली जायेंगी। डाली गई निविदायें सक्षम अधिकारी एवं टेण्डरदाताओं के समक्ष उसी दिन सायं 04.00 बजे कार्यालय नगर पालिका परिषद में खोली जायेंगी। सम्बन्धित निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में सुरक्षित होगा जिसमें किसी प्रकार का वाद विवाद मान्य नहीं होगा। निविदा डालने की दिनांक को यदि कोई अवकाश घोषित हो जाता है तो निविदा अगली तिथि को डाली व खोली जायेगी। अन्य शर्ते आदि नगर पालिका गुरसहायगंज कार्यालय में देखी-पढ़ी जा सकती हैं।

क्र.	कार्य का विवरण	आगणन धनराशि	अग्रिम जमानत 10 प्रतिशत	निविदा शुल्क	कार्य अवधि
1	वार्ड नं0 01 में रामऔतार चिक के मकान से अनिल गुप्ता के मकान तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	3.47	34700.00	767.00	30 दिवस
2	रैन बसेरा में कमरे एवं शौचालय की मरम्मत व उन्नयन कार्य।	4.55	45500.00	767.00	30 दिवस
3	वार्ड नं0 17 में दीपक के मकान से जी0टी0 रोड तक सीसी सड़क निर्माण व नाली मरम्मत कार्य।	3.66	36600.00	767.00	30 दिवस
4	वार्ड नं0 17 में नीरज मिश्रा के मकान से बीड़ी कारखाने तक सीसी सड़क का निर्माण कार्य।	4.68	46800.00	767.00	30 दिवस
5	वार्ड नं0 21 में कामिल के मकान से राजू के प्लाट तक सीसी सड़क, पाईपलाईन डालने व एक तरफ नाली का निर्माण तथा सदाकत के प्लाट से मैन गली तक नाली निर्माण कार्य।	2.89	28900.00	767.00	30 दिवस
6	मो0 आजाद नगर में रामबरन राठौर के मकान के सामने से मन्दिर तक नाली निर्माण कार्य।	1.92	19200.00	679.00	30 दिवस
7	वार्ड नं.0 02 में जगदीप गुप्ता के मकान से रामानन्द के मकान तक सीसी सड़क व दोनों तरफ नाली निर्माण कार्य।	3.71	37100.00	767.00	30 दिवस
8	वार्ड नं0 18 आजाद नगर में राहुल ठाकुर के मकान से संजीव मास्टर के मकान तक सीसी सड़क निर्माण कार्य।	1.99	19900.00	679.00	30 दिवस
9	वार्ड नं0 02 में परशुराम के मकान से आदेश चौरसिया के मकान तक सीसी सड़क व एक तरफ नाली निर्माण कार्य।	2.27	22700.00	679.00	30 दिवस

शर्ते/प्रतिबन्ध-

1. कार्य की गुणवत्ता सही न होने पर जमानत धनराशि को जब्त करते हुये कार्यवाही की जायेगी।
2. निविदा क्रय किये जाने हेतु सम्बन्धित ठेकेदार को जी0एस0टी0 पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।
3. निविदा शुल्क आर0टी0जी0एस0 के माध्यम से बैंक ऑफ बड़ौदा गुरसहायगंज के खाता संख्या 28800100026611 में जमा करना होगा जो अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज के पक्ष में देय होगा। इसके अतिरिक्त निविदा शुल्क पालिका में नकद भी जमा कर सकते हैं।
4. निविदा के साथ 10 प्रतिशत अर्नेस्ट मनी के रूप में देय आर0टी0जी0एस0 के माध्यम से बैंक ऑफ बड़ौदा गुरसहायगंज के खाता संख्या 28800100026611 में जमा करना अनिवार्य होगा जो अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज के पक्ष में बन्धक होगा। इसके अतिरिक्त अर्नेस्ट मनी कार्यालय में नकद भी जमा कर सकते हैं।
5. जो भी ठेकेदार निविदाएं क्रय करेगा उसकी निविदा स्वीकृति के उपरान्त स्वत: घोषणा पत्र 100.00 रूपये के स्टाम्प पेपर पर नोटरी द्वारा सत्यापित करा कर पालिका द्वारा उपलब्ध घोषणा पत्र भरकर देना अनिवार्य होगा।
6. आयकर, व्यापारकर में पंजीकरण का प्रमाण-पत्र अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होगा।
7. अर्नेस्ट मनी के बिना निविदा मान्य नहीं होगी।
8. निर्माण कार्य हेतु निविदाता को कार्य योजना के क्रियान्वयन के साथ-साथ उसके शासनादेश संख्या-1139/नौ-9-21-45ज/21 दिनांक 30 जून 2021 में वर्णित SOP के अनुसार कार्य सही होने की स्थिति में जमानत धनराशि कार्य पूर्ण होने के 01 वर्ष बाद वापस की जायेगी।
9. यदि यह बात संज्ञान से आयेगी कि ठेकेदार माफिया, असामाजिक संगठनों तथा संगठित अपराध से सम्बन्धित है. तो कारण बाताओ नोटिस के पश्चात् ठेका निरस्त कर दिया जायेगा। जिसका उत्तर दायित्व ठेकेदार का होगा।
10. उपरोक्त से सम्बन्धित विवाद की स्थिति में जनपद न्यायालय कन्नौज होगा।

(अनिल कुमार)
अधिशासी अधिकारी

(मुन्नीदेवी)
अध्यक्ष

निरीक्षण | डीएमएसआरडीई में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया दौरा

बुलेट प्रूफ जैकेट देख रक्षामंत्री ने की तारीफ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को डीआरडीओ की प्रयोगशाला, रक्षा सामग्री एवं अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई) का दौरा किया। शहर में दो वैवाहिक समारोह में शिरकत की। उन्होंने भाजपा नेताओं से बातचीत भी की।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शहर आगमन के दौरान सबसे पहले डीएमएसआरडीई पहुंचे। यहां पर उन्होंने परिसर में पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद प्रयोगशाला में चल रहे अत्याधुनिक रक्षा सामग्री अनुसंधान और नवाचारों का अवलोकन किया। डीआरडीओ के चेयरमैन डॉ. समीर वी कामत ने रक्षा मंत्री को जानकारी दी। डीएमएसआरडीई द्वारा सिरेमिक और सिरेमिक मैट्रिक्स कंपोजिट, स्टील्थ और कैमोफ्लेज सामग्री, नैनो सामग्री, कोटिंग्स, पॉलिमर और रबर, ईंधन और स्नेहक,

रक्षा मंत्री ने रक्षा उत्पाद देखे। अमृत विचार

तकनीकी वस्त्र और व्यक्तिगत सुरक्षा प्रणालियों में विकसित सामग्री, प्रौद्योगिकियों और उत्पादों का भी प्रदर्शन किया गया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा उत्पादों, विशेष रूप से बुलेट प्रूफ जैकेट (स्तर-6), ब्रह्मोस मिसाइल के लिए नैफ्थिल ईंधन, भारतीय तटरक्षक जहाजों के लिए उच्च दाब पॉलीमेरिक झिल्ली, सिलिकॉन कार्बाइड फाइबर, सक्रिय कार्बन फैब्रिक-आधारित रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु सूट और विभिन्न अन्य स्टील्थ उत्पादों के सफल निर्माण में प्रयोगशाला के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रौद्योगिकी विकास को अंतिम उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने सरकार के आत्मनिर्भर भारत दृष्टिकोण को पूरा करते हुए पिछले दो वर्षों में बड़ी संख्या में प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के लिए डीएमएसआरडीई की भी सराहना की। उन्होंने रक्षा उत्पादों, प्रौद्योगिकियों की निर्यात संभावनाओं का पता लगाने का आह्वान किया और कहा कि उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जुटें।

प्रतिरक्षा मजदूर संघ मिला

- भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ का प्रतिनिधि मण्डल के प्रतिनिधियों ने रविवार को रक्षामन्त्री राजनाथ सिंह से कानपुर चकेरी एयर पोर्ट पर मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधि मण्डल ने रक्षा मंत्री से कर्मचारियों के प्रमुख विषय 8वें वेतन आयोग के शीघ्र गठन एवं रक्षा संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों को प्रसार भारती मॉडल को लागू करने का आग्रह किया। रक्षामंत्री ने कहा कि उन्हें ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के कर्मचारियों का भविष्य का ध्यान है। प्रतिनिधि मण्डल में सचिव साधु सिंह, योगेंद्र सिंह चौहान संयुक्त सचिव, पुनीत चंद्र गुप्ता, सुरेश यादव ,तनवीर अहमद सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

महिला वर्ग में आईआईटी जीता

कानपुर। सीनियर कानपुर डिस्ट्रिक्ट बास्केटबाल चैम्पियनशिप में रविवार को फाइनल राउंड के मुकाबले खेले गए। पुरुष वर्ग में स्व. सावित्री माथुर मेमोरियल स्पोर्ट्स सोसाइटी की टीम ने 52-50 से तथा महिला वर्ग में आईआईटी ने स्व. सावित्री माथुर मेमोरियल स्पोर्ट्स सोसाइटी को 17-8 से हराकर खिताब जीता। आईआईटी के बास्केटबाल कोर्ट में रविवार को खेले गए पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में स्व. सावित्री माथुर मेमोरियल स्पोर्ट्स सोसाइटी टीम ने आईआईटी कैम्पस को 60-37 के अंतर से पराजित किया। दूसरे सेमीफाइनल में आईआईटी टीम ने स्टाफ टीम को 35-22 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में स्व. सावित्री माथुर मेमोरियल स्पोर्ट्स टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए आईआईटी टीम को रोमांचक मुकाबले में 52-50 से पराजित कर खिताब जीता।

मनिंदर के शतक से ब्लू वारियर्स की जीत

कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन की संडे लीग में रविवार को तीन मुकाबले खेले गए। इसमें ब्लू वारियर्स और क्रेजी रेंजर्स ने आठ-आठ विकेट की धमाकेदार जीत हासिल की। तीसरे रोमांचक मुकाबले में कलावती सुपर किंग्स एकादश दो रन से जीत हासिल करने में कामयाब रहा।

सुखी मीन जहां नीर अगाथा

कानपुर। श्री राम कथा महोत्सव आयोजन समिति द्वारा जरौली स्थित त्रिवेणी प्रांगण में मथुरा वृंदावनधाम के संत भारत शरण जी महाराज ने कथा के पंचम दिवस बताया "सुखी मीन जहां नीर अगाथा जिम हरि शरण है ना एकउ बाधा। जो भी प्राणी हरि की शरण में चला जाता है उसके जीवन में किसी भी प्रकार की कोई बाधा नहीं रहती। संयोजक प्रबोध मिश्रा रहे जबकि रवि करण तिवारी, संजय बाजपेई ,निर्मल शुक्ला, सुशील अवस्थी, राजेश तिवारी, शैल शर्मा, हर्षित अग्निहोत्री, अनिल शुक्ला, विवेक त्रिवेदी आदि मौजूद रहे।

करुणा भरी नजर से निहारो लाडली जी

कानपुर। श्री राधारानी संकीर्तन परिवार का रजत जयन्ती श्री राधा जन्म बधाई महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राधारानी व युगल सरकार का अभिषेक एवं हरिनाम संकीर्तन के साथ किया गया। इसके बाद राधा जन्म बधाई उत्सव में भजन गायक वरुनेश तोमर दिल्ली, दीपक गुप्ता हाथरस, चन्दन अवस्थी, लखनऊ ने भजनों से माहौल भव्य कर दिया। 'करुणा भरी नजर से निहारो लाडली जी, मेरी श्याम जी रूप की खान' व 'राधा वल्लभ से लगा ले ले गोरी नयन, नाम लिया और बदल दी' जैसे भजनों पर भक्तों ने पुष्पवर्षा भी की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर प्रमिला पाण्डेय थीं।

2.50 करोड़ के सीएसआर सहयोग से मंगल भवन का निर्माण रिकार्ड नौ महीनों में पूरा हुआ

देश के लिए प्रेरणा व गरीबों का सहारा है मंगल भवन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

मंगल भवन का उद्घाटन करते सतीश महाना। अमृत विचार

- विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और महापौर ने किया केआईजेसी मंगल भवन का उद्घाटन
- गरीब एवं निर्बल वर्ग के लोग 11 हजार में मांगलिक कार्यक्रम के लिए करा सकेंगे बुक

अमृत विचार। नगर निगम और जेसीआई कानपुर इंडस्ट्रियल के सहयोग से ब्रजेंद्र स्वरूप पार्क में निर्बल वर्ग के लिए बने मंगल भवन का रविवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और महापौर प्रमिला पांडे ने उद्घाटन किया। सतीश महाना ने कहा कि मंगल भवन गरीबों के उस सपने को सच करेगा जो हर मां बाप अपने बच्चों की शादी के लिये देखता है। शहर सबके योगदान से बनता है सब अपने अपने स्थान पर काम करते हैं तब शहर चमकता है। जेसीआई ने मंगलभवन के रूप में वह उदाहरण बना दिया जो पूरे देश के लिये है। उन्होंने कहा कि 11 हजार रुपये पूरे देश में इस प्रकार की बिल्डिंग नहीं मिल सकती है। जेसीआई का काम अन्य संस्थाओं के लिये प्रेरणा बनेगा।

महापौर प्रमिला पाण्डेय ने कहा कि जो सपना मैंनें गरीबों के लिये देखा था उसे जेसीआई ने पूरा कर दिखाया है, मैं अपने कार्यकाल में इसको इतना मजबूत कर जाऊंगी कि मैं रहूं या न रहूं लेकिन मंगलभवन गरीबों की सेवा करता रहेगा। उन्होंने कहा किसी के मन में यह हो कि मंगल भवन को व्यापारी चलाएंगे तो उन्हे मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि इसका संचालन और मालिकाना हक नगर निगम के पास है। उन्होंने कहा कि जैसे गरीबों के लिए मंगलभवन बना है वैसे ही मेरा एक और सपना है कि महिलाओं के लिए एक मार्केट बने जिसका मालिकाना हक सिर्फ महिलाओं के पास ही रहे। महापौर ने कहा कि मंगल भवन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सम्मानपूर्वक अपने मांगलिक कार्यक्रम आयोजित करने में मदद करेगा। विधायक गोविंद नगर सुरेंद्र मैथानी, विधायक नीलिमा कटियार, नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय, जलकल महाप्रबंधक आनंद त्रिपाठी, जेसीआई कानपुर इंडस्ट्रियल के प्रेसिडेंट प्रणीत अग्रवाल, जेसीआई के पूर्व अध्यक्ष आकाश गोयनका, विकास जायसवाल, भावुक गोयल, प्रज्ञा अग्रवाल, श्रुति जैन, नेहा गर्ग, निहारिका गुप्ता, महेन्द्र मोहन गुप्त, अतुल कनोडिया एवं बड़ी संख्या में लोग रहे।

एक वर्ष पहले हुआ था एमओयू

- 11 सितंबर 2024 को नगर निगम और जेसीआई कानपुर इंडस्ट्रियल के बीच हुए एमओयू से हुई। इसके बाद 18 जनवरी 2025 को उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने वर्चुअल रूप से भूमि पूजन कर निर्माण प्रक्रिया को औपचारिक रूप दिया। नगर निगम ने निर्माण कार्य हेतु भूमि उपलब्ध कराई, जबकि जेसीआई कानपुर इंडस्ट्रियल के सदस्यों और शहर के प्रमुख उद्योगपतियों ने सीएसआर फंड के तहत दो करोड़ रुपये नगर निगम को दिए और 50 लाख रुपये अलग से लगाए। निगम की टेंडरिंग प्रक्रिया के बाद निर्माण कार्य कानपुर शटर कंपनी को आवंटित हुआ। जिसने रिकार्ड नौ महीने के समय में कार्य पूरा किया।

चलाने को बनेगी समिति

- महापौर ने बताया कि एक समिति बनाई जाएगी, जिसमें महापौर, नगर आयुक्त, जेसीआई के वर्तमान एवं पूर्व अध्यक्ष शामिल होंगे। साथ ही जेसीआई के दो सदस्य निगरानी समिति में रहेंगे, जो कि यह देखेंगे कि भवन का उपयोग सिर्फ गरीबों के लिये हो रहा है कि नहीं कोई दुरुपयोग तो नहीं हो रहा है। जेसीआई के पूर्व अध्यक्ष आकाश गोयनका ने कहा कि इस पूरे प्रोजेक्ट में महापौर की दूरदर्शिता, दृढ़ निश्चय और जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण रही।

यह सुविधाएं हैं

- एसी युक्त विशाल लॉन, 750 व्यक्तियों की है। बैंक्वेट हॉल 300 व्यक्तियों की क्षमता, एक छोटा मल्टीपरपज हॉल भी है, जिसकी क्षमता 60 व्यक्तियों की है। सभी स्थानों की संयुक्त क्षमता 1,110 लोगों की है। मंगल भवन में दो ऑफिस रूम, एक किचन, दो गेस्ट रूम तथा परिसर के भीतर 42 कारों और 300 बाइकों की पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध है।

राजनाथ सिंह के सामने सांसद और महापौर में हुई भिड़ंत, माहौल गर्म

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

राजनाथ सिंह से भेंट करतीं महापौर, सांसद रमेश अवस्थी साथ में सतीश महाना व अन्य भाजपा नेता। अमृत विचार

अमृत विचार। ब्रजेंद्र स्वरूप पार्क में बने मंगल भवन में अनियमितता को लेकर भाजपा में दंगल मचा है। रविवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के सामने ही महापौर प्रमिला पांडेय और सांसद रमेश अवस्थी इस मामले में आमने-सामने आ गए। मंगल भवन के उद्घाटन में शामिल न होने पर महापौर ने रक्षामंत्री से कहा कि आपको गलत जानकारी दी गई। इसपर सांसद ने भी कहा कि मंगल भवन के निर्माण और नगर निगम के साथ जेसीआई से हुए एमओयू में अनियमितता है। इसकी जांच होनी चाहिए। इस पर महापौर भड़क गईं। राजनाथ सिंह ने दोनों ही जनप्रतिनिधियों को शांत कराया। वहीं, अकबरपुर के सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने भी निर्माण को लेकर नगर आयुक्त से तीखे सवाल किए हैं और जांच की मांग की है।

मंगल भवन का निर्माण नगर निगम की जमीन पर किया गया है। रविवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने महापौर की उपस्थिति में भवन का उद्घाटन किया। रविवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को शहर में रहना था तो महापौर का इरादा था कि उद्घाटन रक्षामंत्री से कराया जाए, अंतिम समय तक यह प्रयास भी किया गया लेकिन राजनाथ सिंह का कार्यक्रम नहीं मिला। राजनाथ सिंह के सामने चकेरी एयरपोर्ट पर महापौर प्रमिला पांडेय व सांसद रमेश अवस्थी में भिड़ंत हो गई। महापौर ने राजनाथ सिंह से सांसद रमेश अवस्थी पर आरोप लगाए कि उन्हें गलत जानकारी दी गई है।

> किसी के मन में यह हो कि मंगल भवन को व्यापारी चलाएंगे तो उन्हे मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि इसका संचालन और मालिकाना हक नगर निगम के पास है। जो सपना मैंनें गरीबों के लिये देखा था उसे पूरा कर दिखाया है।
>
> -प्रमिला पांडेय, महापौर

हमारी जिम्मेदारी जनता के प्रति, जांच होनी चाहिए: सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि मंगल भवन के निर्माण में बरती गई अनियमितताओं की जांच दिशा की कमेटी से कराने की मांग की है। मंगल भवन का नक्शा तक नहीं पास है। जेसीआई के साथ जो एमओयू हुआ उसमें भी इनडॉयरेक्ट में जेसीआई को कब्जेदार बनाया गया। हम गलत चीजों के साथ नहीं है। हमारी जिम्मेदारी जनता के प्रति है। मैं अभी भी जांच की मांग पर कायम हूं।

सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने भी लिखा पत्र: अकबरपुर सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर कहा कि मंगल भवन के निर्माण में नगर निगम के अधिकारियों और तत्कालीन नगर आयुक्त द्वारा अवैध रूप से पार्क में निर्माण कार्य कर हजारों करोड़ रुपये की जमीन में हेरफेर किया है। धीरे-धीरे पूरी जमीन को खेल कूद, सामाजिक गतिविधियों के केंद्र की जगह पर अपना हक जमाना चाहते हैं। उन्होंने मंगल भवन के कार्यक्रम को स्थगित करते हुए जांच कराने को कहा है। सांसद ने मंडलायुक्त और रक्षामंत्री को जानकारी दी।

यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्रों की सूची जारी की गई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 4 दिसंबर तक ली जाएंगी आपत्तियां, एक दर्जन नए केंद्र जुड़े

अमृत विचार। यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए जिले में परीक्षा केंद्र की पहली सूची जारी कर दी गई है। सूची में 117 केंद्रों को शामिल किया गया है। जारी सूची में लगभग एक दर्जन परीक्षा केंद्र नए शामिल किए गए हैं। इसी तरह लगभग आधा दर्जन पुराने केंद्रों को सूची से बाहर कर दिया गया है। जारी परीक्षा केंद्रों पर 4 दिसंबर तक आपत्तियां मांगी गई हैं।

यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्रों के जारी होते ही शिक्षा विभाग की ओर से परीक्षा की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। अपने यहां परीक्षा केंद्र बनवाने वाले प्रबंधक व प्रधानाचार्य केंद्र की सूची में नाम न होने से नाराजगी भी जाहिर कर हैं। उधर पिछले वर्ष यूपी बोर्ड परीक्षा जिले के 123 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की गई थी। इस बार जारी सूची में इसकी संख्या घट पर 117 हो गई है। कई नए परीक्षा केंद्र भी सूची में शामिल किए गए हैं। इन परीक्षा केंद्रों में किसान बालिका इंटर कॉलेज भीतरगांव, सीताराम यादव इंटर कॉलेज सतबरी रोड, आरजीएलबी इंटर कॉलेज बिल्हौर, एचएलएस इंटर कॉलेज घाटमपुर, जेडीएस इंटर कॉलेज बिधनू शामिल हैं। इसी तरह सूची में कई वर्षों बाद आयशा सिद्दिका बालिका बेकनगंज को दोबारा शामिल किया गया है। उधर एसडीएसजी इंटर कॉलेज घाटमपुर, डीएसएन आर्य इंटर कॉलेज भीतरगगांव को भी नए जोड़े गए परीक्षा केंद्रों में स्थान मिला है। इस बार यूपी बोर्ड परीक्षा में जिले में हाई स्कूल व इंटर के कुल 91, 055 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षाएं 18 फरवरी से आयोजित की जाएंगी। हाई स्कूल व यूपी बोर्ड का पहला प्रश्न पत्र हिंदी विषय का होगा।

न्यू लाइफ चर्च काकादेव चर्च में प्रार्थना सभा हुई। अमृत विचार

यीशु के आने की तैयारियां, फर्स्ट एडवेनट डे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। प्रभु यीशु मसीह के आगमन की तैयारियां रविवार को शुरू हो गयी। विभिन्न चर्चों में फर्स्ट एडवेनट डे मनाया गया और विशेष प्रार्थना की गई। पादरी ने कैंडल जलाते हुए प्रभु के संदेश को भक्तों तक पहुंचाया।

रविवार को न्यू लाइफ चर्च काकादेव में आगमन रविवार (फर्स्ट एडवेनट डे) यानी पहला रविवार मनाया गया। इस अवसर पर पादरी डायमंड यूसुफ ने भक्तों को यीशु के आगमन की तैयारियों के लिए प्रेरित किया। आगमन रविवार की शुरुआत भक्ति गानों के साथ हुई। पादरी ने बताया कि यह रितु आशा, शांति, आनंद और प्रेम जैसे विषयों पर केंद्रित है।

आराधना सभा के दौरान पादरी विनय कुमार व दिलीप कुमार द्वारा भक्तगणों के साथ मिलकर (गीत) तेरी आराधना करु पाप क्षमा कर जीवन दे दे दया की याचना करुं तेरी आराधना करु आदि गीत पेश किये। राहुल जेम्स, दिलीप कुमार, विनय कुमार विमलेश, संदीप सुदर्शन, मेनका यूसुफ, शिल्पा जेम्स, सुनीता पीटर मोहित पीटर, आशीष मोर्गन, अभिषेक आदि मौजूद रहे। इसी प्रकार द गुड शेपर्ड चर्च गूबा गार्डेन कल्याणपुर में विशेष आराधना में प्रभु यीशु मसीह की महिमा में गीत सेनाओं का यहोवा हमारे संग है और हालेलुइया स्तुति महिमा हमेशा येशु मसीह को देंगे आदि गीत पेश किये गये। संचालन पंकज मलिक ने किया।

स्वतंत्रता सेनानी के पुत्र की भूमि पर अवैध रास्ते का प्रयास

बिल्हौर। बिल्हौर क्षेत्र के बैडी अलीपुर गांव में एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार के सदस्य को अपनी पैतृक संपत्ति बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोहन सिंह के पुत्र भगवती सिंह ने गांव के कुछ प्रभावशाली लोगों पर उनकी पुस्तैनी जमीन पर जबरन अवैध रास्ता बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। प्रार्थी भगवती सिंह के अनुसार, जिस जमीन पर रास्ता बनाने का प्रयास किया जा रहा है, वह उनके सहन क्षेत्र में आती है और राजस्व रिकॉर्ड (नक्शे) में उस पर किसी भी तरह के सार्वजनिक रास्ते का कोई अंकन नहीं है। भगवती सिंह ने बताया कि यह मामला पहली बार सामने नहीं आया है। इस विवादित जमीन को लेकर जिलाधिकारी स्तर पर पहले भी दो बार शिकायतें की गई थीं और उनकी जांच भी कराई गई थी। उस समय एसडीएम बिल्हौर द्वारा भेजी गई रिपोर्ट में यह बात स्पष्ट रूप से दर्ज है कि राजस्व नक्शे में विवादित भूमि पर कोई रास्ता दर्ज नहीं है। आवश्यक होने पर पक्षकारों को सिविल न्यायालय में जाना चाहिए। वहीं भगवती सिंह ने आरोप लगाया कि हाल ही में, 7 नवंबर को विपक्षी पक्ष ने ट्रैक्टर का इस्तेमाल करते हुए जबरन रास्ता बनाने की कोशिश की। मामले में एसडीएम संजीव दीक्षित ने बताया समिति बनाकर जांच की जाएगी।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पैन कार्ड पर पिता का नाम (LALLAN) लल्लन है जो कि गलत है वास्तविक नाम (ALTAF HUSSAIN) अल्ताफ हुसैन है, भविष्य में पैन कार्ड सहित समस्त अभिलेखो में भी मेरे पिता को इसी नाम से जाना पहचाना जाए। **मोईन पुत्र अल्ताफ हुसैन, भिखनापुर, मंगौली, निसूरा, जगदीशपुर, अमेठी, उत्तर प्रदेश – 227809**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित करना है कि मैं रामदीन पुत्र नगेसर निवासी ग्राम सगरागढ़ सीतारामपुर ग्रिन्ट थाना खोड़ारे जिला गोंडा के लड़के रमेश कुमार चौहान का चाल चलन ठीक न होने के कारण अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूं। रमेश कुमार चौहान के किसी कृत्य से मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्य से कुछ लेना देना नहीं है।

सूचना

सूचित किया जाता है कि थाना मोहम्मदाबाद कोतवाली जनपद फर्रूखाबाद में निवास कर रहे शिवकुमार उर्फ लल्ला व अशोक कुमार उर्फ पप्पू पुत्रगढ़ मुकुंद सिंह निवासी तकीपुर के विरुद्ध माननीय न्यायालय विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट फर्रूखाबाद के न्यायालय में चल रहे मुकदमा नंबर s s t. 121/ 2007 धारा 3 (1) u p गैंगस्टर एक्ट में धारा 82 सीआर पी सी की कार्यवाही प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, किन्तु अभियुक्तगण माननीय न्यायालय में हाजिर नहीं हुए हैं जिनके विरुद्ध कुर्की की कार्रवाई माननीय न्यायालय द्वारा नियमानुसार कराई जाएगी। अगर हाजिर नहीं होते हैं तो धारा 83 सी आर पी सी के तहत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। **थाना कोतवाली मोहम्मदाबाद।**

सूचना

मैं शपथी राम अनुज सिंह पुत्र बंशराज सिंह निवासी पूरे दृगपाल सिंह मौजा सोनौली मोहम्मदपुर थाना उमरीबेगमगंज यह शपथपूर्वक बयान करता हूं कि मेरी पुत्री पम्मी सिंह आयु लगभग 30 वर्ष कुछ आसामाजिक व्यक्तियों के संपर्क में आकर शपथी को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करती है और मानसिक उत्पीड़न करते हुए जान से मरवा देने की धमकी तथा बदनाम करने की कोशिश कर रही है व शपथी का सामाजिक प्रतिष्ठा व मान सम्मान गिराने का षड्यंत्र रचती है जिससे शपथी व उसका परिवार आहत है और पम्मी सिंह से परिवार को खतरा उत्पन्न हो गया है। इसलिए मैं अपनी पुत्री पम्मी सिंह को अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। मेरे न रहने पर भी पम्मी सिंह का मेरी संपत्ति से कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। **राम अनुज सिंह पुत्र बंशराज सिंह निवासी– पूरे दृगपाल सिंह मौजा– सोनौली मोहम्मदपुर, थाना उमरीबेगमगंज जनपद– गोंडा**

साथियों के साथ बोला हमला, कई जख्मी

घाटमपुर। घाटमपुर के साढ़ थाना क्षेत्र की भीतरगांव चौकी के पासीखेड़ा तथा उमरी गांव के युवकों के बीच बाइक छू जाने को लेकर उठे विवाद ने तूल पकड़ लिया।

उमरी निवासी शिवम शुक्ला 32 के अनुसार उसका छोटा भाई शनि शुक्ला कस्बा भीतरगांव से मेला देखकर लौट रहा था तभी पासीखेड़ा गांव के पास कपूर सिंह की बाइक से उसकी बाइक छू गई, जिससे दोनों के बीच गाली गलौज और मारपीट हुई। बताया जाता है कि दूसरे दिन शनि ने अखिलेश की पिटाई कर दी। इससे अखिलेश 24 ने अपने करीब तीन दर्जन साथियों के साथ उसके घर में हमला बोल दिया, जिसमें उमरी निवासी सत्यम शुक्ला 25 तथा शिवम् 32 गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि दूसरे पक्ष से पासीखेड़ा निवासी अखिलेश यादव भी गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी भीतरगांव भेजा। साढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि घायलों को उपचार हेतु भेजा गया है तहरीर मिलने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

दूसरे के दस्तावेज से सेना में नौकरी करने वाला गिरफ्तार

पुलिस की गिरफ्तार पकड़ा गया आरोपी।

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। बिल्हौर में रिश्तेदार के शैक्षिक प्रमाण पत्र का दुरुपयोग कर सेना में नौकरी करने वाले युवक को पुलिस ने सात साल बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। लंबे समय से न्यायालय के स्थाई वारंट पर फरार चल रहे आरोपित को पुलिस ने उसकी ससुराल जाने के रास्ते से दबोचा कर जेल भेज दिया।

इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज ने बताया कि मामला वर्ष 2018 का है। अरौल के शेषपुर धर्मशाला गांव निवासी मो. साहिल ने पुलिस से शिकायत की थी कि उसका रिश्तेदार मो. निसार अहमद उर्फ मो. साहिल पुत्र सिराजुद्दीन उर्फ कमालुद्दीन, निवासी बिसंधुआ (तिर्वा, कन्नौज), उसकी शैक्षिक योग्यता से जुड़े दस्तावेजों की डुप्लीकेट कॉपी निकलवाकर उनका उपयोग कर सेना में भर्ती हो गया है। जांच में आरोप सही पाए जाने पर पुलिस ने निसार के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का मुकदमा दर्ज किया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान वह लगातार न्यायालय में अनुपस्थित रहा, जिस पर अदालत ने उसके खिलाफ स्थाई वारंट जारी किया। इसके बाद से वह फरार चल रहा था ।

इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि आरोपित निसार छुट्टी पर आया है और रसूलाबाद में स्थित अपनी ससुराल जाने वाला है। पुलिस टीम ने कठिका के पास कुंतलिया-झींझक मार्ग से उसे घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, निसार ने रिश्तेदारी का फायदा उठाकर मो. साहिल की जगह खुद को 'साहिल' बताकर दस्तावेज जमा किए थे और इसी आधार पर सेना में चयन पा लिया था। डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी ने मामले में तत्परता दिखाने पर आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को 15 हजार रुपये का पुरस्कार दिया। टीम में उपनिरीक्षक जन्मेद सिंह, शुभम देशवाल, अक्षय कुमार और हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार शामिल रहे।

तकनीक

सीएसए की ओर से हैप्पी सीडर व सुपर सीडर मशीन का हुआ प्रदर्शन

मशीन से खेत में होगी सीधी बुवाई, होगा आर्थिक लाभ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

सीएसए ने मशीन का प्रदर्शन किया। अमृत विचार

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर की ओर से रविवार को हैप्पी सीडर व सुपर सीडर का प्रदर्शन किया गया। मशीन की खासियत यह है कि यह मशीन धान के खेतों में बिना खेत जुताई किए हुए गेहूं की सीधी बुवाई अच्छी तरह से करती है। अवशेष प्रबंधन भी होता है। इसके अलावा किसान की आय भी अधिक हो सकेगी।

सीएसए विवि के कृषि वैज्ञानिकों की ओर से कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के ग्राम औरंगपुरगहदेवा में सुपर सीडर मशीन का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कटाई के बाद खेतों में सीधे बुवाई की विधि को किसानों को समझाया गया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए विकसित की गई सुपर सीडर मशीन किसानों के लिए बेहतर है। इससे धान के खेतों में गेहूं की सीधी बुवाई की जाती है। इससे फसल अवशेष प्रबंधन तो होता ही है बल्कि किसानों को आर्थिक लाभ भी हो रहा है। उन्होंने बताया कि केंद्र द्वारा किसानों के खेतों में सुपर सीडर मशीन से गेहूं की बुवाई कराकर प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से कहा कि यह मशीन धान के खेतों में बिना खेत जुताई किए हुए गेहूं की सीधी बुवाई अच्छी तरह से करती है। इस कृषि यंत्र में आगे की तरफ ब्लेड लगे होते हैं, जो कंबाइन से कटने के बाद बचे हुए ठूंठों को काटकर बारीक करके मिट्टी में मिला देते हैं, जिससे पराली को आग लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इस मशीन के पीछे एक रोलर लगा होता है। जो मिट्टी व फसल अवशेषों को हल्का दबा देता है। रोलर के पीछे टाइनस होती है, जिनसे लाइन में उर्वरक व गेहूं की बुवाई की जाती है।

मिट्टी की नमी बरकरार

- मशीन के बारे में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि सुपर सीडर से बुवाई करने से अवशेष की एक परत ऊपरी सतह पर बन जाती है। जो मिट्टी में नमी को बनाए रखती है। जिससे एक सिंचाई की भी बचत होती है। इस मशीन से सीधी बुवाई करने से किसान को लगभग 4 हजार रुपये तक की प्रति हेक्टेयर आर्थिक बचत भी होती है।

बिजली बिल जमा करने की राहत योजना आज से

बिल्हौर। विद्युत उपभोक्ताओं को राहत देने के लिये एक दिसंबर आज से 'बिजली बिल राहत योजना 2025-26' योजना की शुरुआत हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य विद्युत उपभोक्ताओं को राहत देना है।

अधिकारियों ने बताया कि यह योजना विशेष रूप से उपभोक्ताओं के हित में तैयार की गई है। इस योजना के अंतर्गत ब्याज में 100 फीसद तक की छूट दी गई है। मूल बकाया पर 25 फीसद तक की छूट दी जा रही है वहीं बिजली चोरी के जुर्माने पर 50 फीसद तक की छूट का ऐलान किया गया है। उन्होंने बताया कि यह पहली बार है जब मूल धनराशि में भी उपभोक्ताओं को इतनी बड़ी छूट दी जा रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस योजना में शामिल होने के लिये मात्र 2000 रुपये से पंजीकरण कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि उपभोक्ता एकमुश्त भुगतान नहीं कर सकते हैं तो वे 750 और 500 रुपये की आसान मासिक किस्तों के द्वारा भी अपना बिल जमा कर सकते हैं।

वहीं बिल्हौर उपखंड अधिकारी अमर नाथ चौहान ने बताया कि योजना का लाभ उठाने के लिए, उपभोक्ताओं को तुरंत संपर्क करना होगा क्योंकि यह अभी नहीं तो कभी नहीं जैसा अवसर है।

प्रियंका चोपड़ा... जिसने बरेली के युवाओं को सपने देखना सिखाया

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

वह वर्ष 1999 था जब एक पढ़ने वाली लड़की को पहली बार अपने व्यक्तित्व की सुंदरता और आकर्षण का एहसास हुआ और कुछ कर दिखाने के अरमान जागे। मौका था बरेली क्लब की ओर से आयोजित 'मे क्वीन' नाम की सौंदर्य प्रतियोगिता का जिसमें प्रियंका अपनी मां मधु चोपड़ा के साथ बतौर दर्शक शामिल होने पहुंची थीं लेकिन आयोजन समिति के एक सदस्य ने अचानक उन्हें भी इस प्रतियोगिता में भाग लेने का सुझाव दिया और मां के कहने पर आननफानन तैयारी कर उन्होंने न सिर्फ इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया बल्कि खिताब झटककर काफी तैयारी करके आई दूसरी प्रतिभागियों को मायूस भी कर दिया। प्रियंका उस दौरान आर्मी स्कूल में पढ़ती थीं। बरेली क्लब में 'मे क्वीन' का खिताब जीतने के बाद प्रियंका के ख्वाबों की उड़ान शुरू हुई। यहां से उनका सफर शुरू हुआ तो मिस वर्ल्ड बनने के बाद बॉलीवुड में स्थापित होने और हॉलीवुड तक पहुंचने के बाद भी नहीं थमा। प्रियंका की इस सफलता ने बरेली के तमाम और युवाओं को इसी तरह के ख्वाब देखना सिखा दिया।

जिस प्रियंका को दुनिया ने पहचाना उसे भी मां मधु चोपड़ा ने दिया जन्म

प्रियंका चोपड़ा को जन्म देने वाली उनकी मां मधु चोपड़ा ने ही उन्हें उस मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, जहां पूरी दुनिया ने उन्हें पहचाना। बचपन से युवा होने तक प्रियंका का काफी समय बरेली में गुजरा। जिस दौरान वह आर्मी स्कूल में पढ़ती थीं, मां के कहने पर उन्होंने गायन सीखना शुरू किया था। काफी समय तक कैंट के सदर बाजार में संगीत शिक्षक धर्मप्रकाश उपाध्याय से गायन सीखने जाती रहीं लेकिन बाद में यह सिलसिला टूट गया। 'मे क्वीन' बनने के बाद उन्होंने अपनी मां मधु चोपड़ा के जोर देने पर मॉडलिंग में हाथ आजमाया। तारीफ और आलोचना के बीच उनकी मां ने ही उनकी तस्वीरें मिस इंडिया प्रतियोगिता के लिए भेजीं, जहां से वे आगे बढ़ीं और 30 नवंबर 2000 को मिस वर्ल्ड का ताज पहनने में सफल रहीं। मिस वर्ल्ड बनने के बाद बरेली लौटी प्रियंका का भव्य सम्मान किया गया। प्रियंका के पिता लेफ्टिनेंट कर्नल अशोक चोपड़ा ने भी उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

हॉलीवुड का कामयाब सफर

बॉलीवुड में अपनी असाधारण सफलता के बाद प्रियंका ने हॉलीवुड की ओर रुख किया। अमेरिकी टीवी शो 'क्वांटिको' में मुख्य भूमिका निभाकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई। इसके बाद 'बेवॉच', 'इजंट इट रोमांटिक', 'द व्हाइट टाइगर', 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स', 'लव अगेन', और 'हेड्स ऑफ स्टेट' जैसी कई हॉलीवुड फिल्मों में नजर आईं।

उपलब्धियों से भरा करियर

प्रियंका चोपड़ा ने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, पांच फिल्म फेयर अवाड्र्स, पीपुल्स चॉइस अवार्ड समेत कई प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किए हैं। वे न सिर्फ अभिनय बल्कि गायन और सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय हैं। सेल्फ मेड स्टार कहलाने वाली प्रियंका ने अपनी मां के साथ गहरा रिश्ता निभाया। मधु चोपड़ा डॉक्टर थीं लेकिन उन्होंने बेटी के सपनों को उड़ान देने के लिए अपने करियर को पीछे रखा।

4 साल में ही बदल गई दुनिया, बॉलीवुड से मिला ऑफर

1999 में 'मे क्वीन' बनने और फिर मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद 4 साल में ही प्रियंका चोपड़ा की दुनिया बदल गई। मिस वर्ल्ड बनने के बाद प्रियंका को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से ऑफर शुरू हो गए। उन्होंने 2003 में 'द हीरो : लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। शुरुआती फिल्मों में उन्हें सेकेंड लीड मिला, लेकिन उनकी प्रतिभा ने उन्हें जल्द ही टॉप एक्ट्रेस के रूप में स्थापित कर दिया। फैशन, 'कमीने, मैरी कॉम, बर्फी, 7 खून माफ आदि फिल्मों में उन्होंने अपने अभिनय का लोहा मनवाया। फिल्म 'फैशन' प्रियंका के करियर का टर्निंग पॉइंट थी।

परिवार छोड़ कोविड मरीजों के लिए संजीवनी बन गए डॉ. वागीश वैश्य

डॉ वागीश बताते हैं कि कोविड महामारी के दौरान जब उन्हें 300 बेड अस्पताल की जिम्मेवारी सौंपी गई तो ऐसा लगा जैसे बिना हथियारों के जंग में उतार दिया गया हो, लेकिन मन ही मन खुशी थी कि सरकार और वरिष्ठ अधिकारियों को उन पर भरोसा है और यह विश्वास भी था कि वह महामारी की इस जंग में हजारों जिंदगियों के लिए संजीवनी बन पाएंगे और हुआ भी ऐसा ही। इसके लिए उन्हें प्रदेश और देश के कई मंचों पर सम्मानित भी किया गया। फिजीशियन डॉ. वागीश वैश्य जिले में ऐसे पहले डॉक्टर हैं, जिन्होंने कोरोना संक्रमण से जुड़ा केस देखा। उन्होंने हर स्तर पर मरीजों की परेशानी को समझा और लगातार 10 महीने तक बिना छुट्टी लिए इलाज किया।

उन्होंने बताया कि महामारी के दौर में लोग जहां अपने परिजनों के नजदीक पहुंचना चाहते थे, ऐसे में वह लंबे समय तक अपने परिवार से अलग रहे। प्रतिदिन 350 मरीजों की ओपीडी के साथ 300 बेड अस्पताल की जिम्मेवारी संभाली। ओपीडी के बाद वह सुनिश्चित करते थे कि कोई भी पेशेंट बिना इलाज के न रह जाए। डॉ. वागीश वैश्य ने कोविड महामारी के दौरान बरेली में सिर्फ चिकित्सा सेवाएं ही नहीं दीं, बल्कि अस्पताल की नेतृत्व क्षमता बढ़ाने, ऑक्सीजन और वेंटिलेटर जैसे संसाधन जुटाने, और कर्मचारियों को जोड़कर कोविड-केयर मैनेजमेंट को मजबूती दी। उनकी यह निस्वार्थ सेवा और समर्पण उन्हें कोरोना योद्धा के रूप में स्थापित करता है।

डॉ. वागीश ने कहा कि उनके पदचिन्हों पर चलते हुए उनकी बेटी डॉ. शिवांगी वैश्य ने भी डॉक्टरी की पढ़ाई कर एमडीएस किया और आज रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज में सेवाएं दे रही है। बेटा शिवम वैश्य भी बेंगलुरु में इंजीनियर है। कोविड की इस जंग में शहर के लोग जुड़ते चले गए : डॉ वागीश बताते हैं जब उन्हें 300 बेड अस्पताल बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई तो मन में पहला ख्याल यही आया कि बिना संसाधन जंग कैसे जीतेंगे? लेकिन उन्हें शहर के एनजीओ और समाज सेवियों पर भरोसा था कि उन्हें इस कार्य के लिए आगे बढ़कर मदद मिलेगी। वह आईएमए के मेंबर भी थे जिस कारण उनकी शहर की सामाजिक संस्थाओं से एनजीओ में काफी जान पहचान थी।

बरेली से बॉलीवुड तक का सफर

माया नगरी ने दिलाया आसमान, फिर भी बरेली में बसती है मुकेश की जान

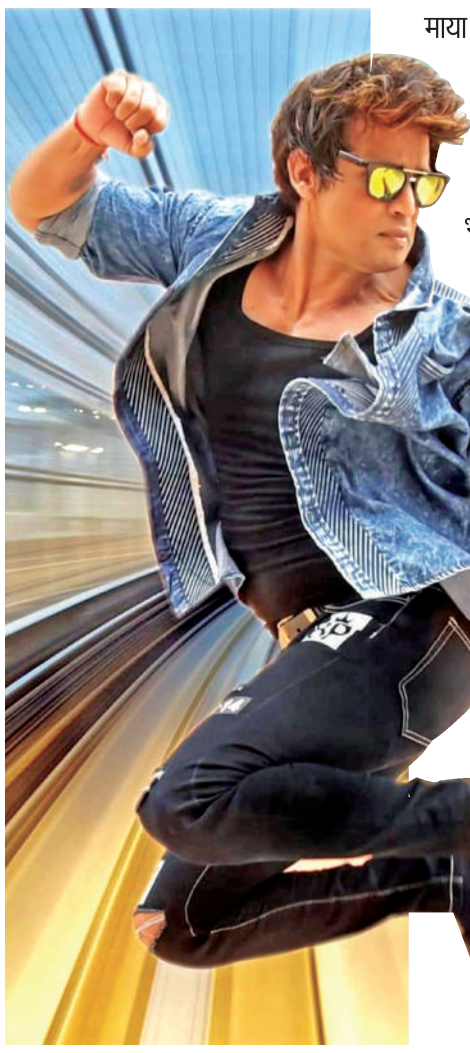

माया नगरी मुंबई की छाया आप पर मेहरबान हो जाए तो पैर जमीन पर टिकाना अच्छे-अच्छों के बस की बात नहीं। बॉलीवुड में अपने दम पर मुकाम हासिल करने वाले एक्शन हीरो मुकेश जे भारती के पैर न सिर्फ आज भी जमीन पर हैं, बल्कि बरेली से जुड़ाव आज तक कामय है। यही वजह है कि उनकी आने वाली फिल्म रिकवरी का गाना झुमका गिरा रे बरेली के बाजार में' जल्द बरेली में शूट होगा। गाना नेहा कक्कड़ की आवाज में रिकॉर्ड भी कर लिया गया है। मुकेश जे भारती बरेली में जन्मी वो शख्सियत हैं जो मार्शल आर्ट के जरिए ग्लैमर की दुनिया में पहुंचे। अभिनेता मुकेश जे भारती की लोकप्रियता दिनों दिन बढ़ रही है। आज वह बरेली में ही नहीं बल्कि देशभर में एक जाना पहचाना नाम है। आगे उनका कैरियर काफी उज्जवल है।

बॉलीवुड में अपने दम पर साख कायम करने वालों की फेहरिस्त बनाने बैठेंगे तो बरेली मुकेश जे भारती का नाम जरूर आएगा। प्रेमनगर में रहने वाले मुकेश को साल 2002 में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने की सूझी तो माया नगरी मुंबई का रुख किया। यूपी-बिहार के बाकी कलाकारों की तरह शुरुआती दौर में काफी संघर्ष झेले। कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं न कोई गॉडफादर। मगर जुनून यही था कि कुछ अच्छा करके लौटना है। साल 2014 में उन्हें प्रीति झांगियानी समेत फरीदा जलाल, शरत सक्सेना, सुनील पाल, संजय मिश्रा, उपासना सिंह जैसी बड़ी स्टार कास्ट से सजी फिल्म 'काश तुम होते' में बतौर लीड एक्टर काम करने का मौका मिला।

एक्शन के लिए सीखा मार्शल आर्ट

फिल्म में राहत फतेह अली खान, आशा भोसले, सोनू निगम, जावेद अली, सुनिधि चौहान, अलका याग्निक, शान, पलक मुछाल जैसे दिग्गज गायकों और, कोरियोग्राफर सरोज खान व मुदस्सर खान के साथ काम किया। यूं तो सभी को पता है कि अक्षय कुमार ने एक्शन करने के लिए मार्श आर्ट सीखा। मगर मुकेश जे भारती भी उन्हीं एक्टर्स में शुमार हैं। उन्होंने बरेली कॉलेज से शिक्षा हासिल करने के दौरान हीमार्शल आर्ट की ट्रेनिंग हासिल कर ली थी।

बप्पी दा और शान ने दी मुकेश को आवाज

उनका दूसरा प्रोजेक्ट संगीत और पारिवारिक ड्रामा "दो पल प्यार के मौसम इकरार के रहा। जिसमें उन्होंने बतौर लीड एक्टर अभिनेत्री मदालसा शर्मा फिर अविनाश वडवान, नीलू डोहली, उषा बच्चानी, हेमंत पंत, एंडी, दीपू श्रीवास्तव, अरुण बख्शी और महान म्यूजिक डायरेक्टर बप्पी लाहिरी के साथ काम किया। मुकेश जे भारती कहते हैं कि इससे ज्यादा सौभाग्य की बात क्या होगी कि बप्पी लाहिड़ी, अरमान मलिक, शान जैसे गायकों ने उन्हें अपनी आवाज दी। इसके अलावा 'प्यार में थोड़ा ट्विस्ट' जैसी फिल्मों में नामचीन कलाकारों के साथ काम किया।

हर कदम पर मिला निर्माता और पत्नी मंजू का साथ

कहावत है कि हर कामयाब मर्द के पीछे एक औरत का हाथ होता है। मुकेश जे भारती का भले बॉलीवुड में कोई गॉडफादर न रहा हो मगर उनकी एक्टिंग का सफर उनकी पत्नी और फिल्म निर्माता मंजू भारती का नाम लिए बगैर अधूरा है। मंजू भारती विवेक फिल्म नाम से प्रोडक्शन हाउस चलाती हैं। दिलचस्प बात ये कि हाल में विवेक प्रोडक्शन की तरफ से अपनी पांच फिल्मों का पोस्टर एक साथ जारी किया गया है। जिनमें रिकवरी, केतन और बिना, माई फादर, वायलेंस और पापा की परी शामिल हैं। मुकेश जे भारती बताते हैं कि इन फिल्मों की शूटिंग भी बरेली में करने का इरादा है।

साहित्यकार प्रोफेसर डा. एस पी मौर्य ने नाटकों से संस्कृति को रखा जिंदा

बरेली कॉलेज के हिंदी विभागाध्यक्ष रहे प्रोफेसर डा. एस पी मौर्य ने नाटकों के माध्यम से संस्कृति को जिंदा रखा है। मूल रूप से बदायूं जिले के सिविल लाइंस थाना के मीरा सराय मोहल्ला निवासी प्रोफेसर डा. श्यामपाल सिंह मौर्य दो बार बरेली कॉलेज के चीफ प्राक्टर रहे हैं। एक बार वह छात्र कल्याण अधिष्ठाता रहे। मौजूदा समय में सिविल लाइंस के बिहारीपुर में रह रहे हैं। वह बिजनौर के धामपुर में आरएसएम पीजी कॉलेज में पांच साल प्रोफेसर के रुप में सेवा दे चुके हैं। उनके द्वारा 10 काव्य संग्रह में जिसमें रस वैजयंती, गीत कौस्तुभ, अहसास, सूर सागर-वैष्णव रस शास्त्र प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होने 25 साल तक सांस्कृतिक संस्था शशितोष सतसंग परिषद का संचालन किया। डा. एसपी मौर्य ने अब तक 15 नाटक लिखे जिसमें सीता हरण, श्याम सगाई, शिव पार्वती परिणय आदि हैं। उनकी रेडियो दूरदर्शन पर वार्ता और कविताएम प्रकाशित हो चुकी हैं। वह देश की अनेक साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संस्थाओं द्वारा सम्मान और पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं।

'अमृत विचार अपने नाम का हक अदा कर रहा' : प्रोफेसर वसीम बरेलवी

"अमृत विचार अपने नाम का हक अदा कर रहा है। रचनात्मकता का प्रतीक बने। निर्भीक बने। विचारों के सतह पर भारतीय संस्कृति के महान आदर्शों के प्रचार-प्रसार की मिसाल कायम करे। इसी दुआ के साथ अमृत विचार की लंबी उम्र और तरक्की की दुआ। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायर प्रोफेसर वसीम बरेलवी

अमृत विचार : "कला और साहित्य समाज को जोड़ते हैं। फासले मिटाते हैं। मुशायरा-कवि सम्मेलन की एक रात, महीनों असर रखती है। बरेली नगर निगम द्वारा 1980 से सालाना कवि सम्मेलन-मुशायरा कराया जाता था। पांच-छह हजार लोग साथ बैठते। उसका असर ये था कि समाज में तल्खी या दूरियों की गुंजाइश नहीं थी। इसलिए मैं अक्सर कहता हूं कि भारतीय संस्कृति को बचाने के लिए साहित्य को बचाना बेहद जरूरी है।" अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायर प्रोफेसर वसीम ने एक बार फिर साहित्यिक गतिविधियां बढ़ाने पर जोर देते हुए ये संदेश दिया है।

अमृत विचार के साथ बातचीत में प्रोफेसर वसीम बरेलवी कहते हैं कि, वैसे तो मैंने 1962 में बरेली कॉलेज ज्वॉइन करने के बाद ही साहित्यिक महफिलें आयोजित कराना शुरू कर दिया था। दिवंगत दिनेश जौहरी के साथ मिलकर कई क्लब और दूसरी संस्थाओं के जरिये साहित्यिक मंच सजाए।

वह कहते हैं कि कविता और शायरी समाज में रचनात्मकता लाती हैं। सैकड़ों-हजारों लोगों को एक साथ बैठने का मौका मिलता है। लोग एक-दूसरे से मिलते हैं। जीवन के संघर्ष-मसलों पर चर्चा करते। इससे उनके दरम्यान मुहब्बत बढ़ती है। किसी भी शहर के मिजाज को खुशगवार रखने के लिए साहित्यिक आयोजन बढ़ाने की बहुत जरूरत है।

प्रोफेसर वसीम बरेलवी कहते हैं कि, साहित्य को बढ़ावा देने में अखबारों की बड़ी जिम्मेदारी है। करीब 10-11 साल पहले मैंने किसी मंच से कहा था कि, इस वक्त की पत्रकारिता तीन पायों पर टिकी है-राजनीति, खेल और फिल्म इंडस्ट्री...। इसमें एक पाया 'साहित्य' का जुड़ जाए तो हमारी संस्कृति में संरक्षित हो जाएगी। मुझे खुशी है कि मेरे उस पैगाम का असर हुआ। साहित्यिक महफिलें बढ़ीं हैं। वह कहते हैं कि समाज में भाईचारा, मुहब्बतें जिंदा रखने के लिए साहित्यिक कार्यक्रमों का सिलसिला बना रहना चाहिए। निश्चित रूप से समाज से तल्खियां मिटती जाएंगी। लोग एक-दूसरे के नजदीक आएंगे। सौहार्द और चिंतन का माहौल बनेगा।

एक नजर : कुछ उपलब्धियां

- फिराक गोरखपुरी अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार-प्रथम
- यश भारती पुरस्कार
- बेगम अख्तर कलाधर्मी पुरस्कार
- नसीम-ए-उर्दू पुरस्कार
- राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद (एनसीपीयूएल) के उपाध्यक्ष
- वर्ष 2016 से 2022 तक विधान परिषद सदस्य रहे।
- भारत शिक्षा सम्मान
- अमेरिका की सिटी काउंसिल ऑफ ह्युसटन से 'ऑनरेरी सिटीजनशिप' और गुडविल अंबेसडर अवार्ड

परिचय

प्रोफेसर वसीम बरेलवी
जन्म : 18 फरवरी 1940
स्थान : बरेली
बरेली कॉलेज के उर्दू विभाग में प्रोफेसर रहे।

डॉ. सुरेश बाबू मिश्रा की उपलब्धियों से शहर का नाम हुआ रोशन

वर्ष 1980 से 2017 तक शिक्षा विभाग में विभिन्न पदों पर कार्यरत रहे सुरेश बाबू मिश्रा राजकीय हाईस्कूल के प्रधानाचार्य पद से रिटायर हैं। सहमा हुआ शहर, लहू का रंग, थरथराती लौ, बलिदान की कहानियां, अविष्कार की कहानियां, संघर्ष का विगुल, जमीन से जुड़े लोग, साकार होते सपने, उजाले की किरन, जानलेवा धुआं, उनके कहानी, लघु उपन्यास, एकांकी और नाटक संग्रह हैं। वह 1984 से लेखन कार्य कर रहे हैं और अब तक लगभग सौ कहानियां एवं 150 लेख प्रकाशित हो चुके हैं। उत्कृष्टता के लिए उन्हें विभिन्न सामाजिक संस्थाएं सम्मानित कर चुकी हैं।

साहित्य सिरोमणि डॉ. सुरेश बाबू मिश्रा का जन्म मूल रूप से जिला बदायूं के दातागंज के गांव चंदौखा के रहने वाले है। उनके परिजन खेती किसानी करते थे। वह तीन भाई और दो बहनों में सबसे छोटे है। शिक्षा-इंटरमीडिएट की पढ़ाई लिखाई दातागंज और बदायूं से की थी। इसके बाद बी.ए. मुरादाबाद से किया। डॉ. सुरेश बाबू मिश्रा 1980 से लेकर 2017 तक राष्ट्रीय प्रोढ़ शिक्षा विभाग में विभन्न पदों पर कार्य करते हुए 30 मार्च 2017 को राजकीय इंटर कॉलेज बरेली के प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत्त हुए। वर्तमान में वह बरेली के राजेंद्र नगर में बांके बिहारी मंदिर के पास नीलकंठ मंदिर वाली गली में निवास करते हैं।

29 सितंबर 1980 को राष्ट्रीय प्रोढ़ शिक्षा अभियान के अन्तर्गत सहायक परियोजना अधिकारी के पद पर नियुक्ति हुई। प्रोढ़ शिक्षा अभियान के अन्तर्गत नव साक्षरों के लिए पुस्तक निर्माण हेतु साक्षरता निकेतन लखनऊ में लेखन कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता था। इन लेखन कार्यशालाओं में डॉ. सुरेश बाबू मिश्रा को भाग लेने के लिए सुअवसर मिला। इन लेखन कार्यशालाओं में लिखी गई उनकी सात पुस्तकें साक्षरता निकेतन लखनऊ से प्रकाशित हुईं। यह सभी पुस्तकें भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा पुरस्कृत की गईं। इसकी तीन-तीन लाख प्रतियां प्रकाशित की गईं। जिसकी रायलटी के रूप में प्रति पुस्तक तीन हजार रुपये की धनराशि प्रदान की गई।

साहित्य सम्मान प्रदान किए जा चुके हैं

उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन कार्यरत उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान से साहित्य भूषण सम्मान 2018। उत्तर प्रदेश शासन के अधीन कार्यरत राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान द्वारा दीर्घकालीन हिंदी साहित्य सेवा सम्मान 2019। विद्योत्मा फाउन्डेशन नासिक (महाराष्ट्र) द्वारा साहित्य सिरोमणि सम्मान 2022। नाथ द्वारा राजस्थान द्वारा शब्द सिरोमणि सम्मान 2023। मध्य प्रदेश सरकार के अधीन संचालित हिंदी साहित्य द्वारा अखिल भारतीय निर्मल वर्मा संस्मरण सम्मान 2024।

इसके साथ-साथ उन्हें विभिन्न साहित्यक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा 50 से अधिक प्रतिष्ठित साहित्यिक सम्मान प्रदान किए जा चुके हैं, जिनमें प्रमुख इस प्रकार हैं- रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ द्वारा रुहेलखण्ड कहानी गौरव सम्मान। मानव सेवा क्लब बरेली द्वारा-कहानी श्री सम्मान-2015। श्रीमदार्यावर्त विद्वत परिषद, प्रयाग द्वारा-सम्मान पत्रम्। इनवर्टिस यूनिवर्सिटी द्वारा रुहेलखण्ड रत्न अवार्ड-2015। श्री सिद्धिविनायक ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स द्वारा पांचाल रत्न अवार्ड-2014। भारतीय पत्रकारिता संस्थान, बरेली उत्तर द्वारा साहित्य श्री सम्मान-2016। भारतीय सेवक समाज द्वारा नीरज वाला स्मृति सम्मान। हिन्दी साहित्य परिषद द्वारा कथा श्री सम्मान-2018।

सुरेश बाबू मिश्र को प्रो. सर्वपल्ली राधाकृष्णन अंतरराष्ट्रीय सम्मान और नीदरलैंड और अबूधाबी से डाक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

वर्तमान में 17 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं

वर्तमान समय में डॉ. सुरेश बाबू मिश्रा की कुल 17 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें 12 कहानी संग्रह (दिल्ली व लखनऊ से). एक लघु उपन्यास, दो लघु कथा संग्रह, दो आलेख संग्रह, एक एकांकी संग्रह और एक नाट्य संग्रह। उनकी दो कहानी संग्रह 'कैकटस के जंगल' और 'रावी की लहरें' का अंग्रेजी भाषा में अनुवाद हुआ है। एक कहानी संग्रह कैकटस के जंगल का अनुवाद मराठी भाषा में भी हुआ है। इस प्रकार मेरी उनकी प्रकाशित और अनुदित पुस्तकों की कुल संख्या 20 हो गई है। डॉ. सुरेश बाबू मिश्रा के लाख, कहानी एवं लघु कथा देश के प्रतिष्ठित समाचार पत्रों 'और पत्रिकाओं में निरन्तर प्रकाशित होती रहती हैं।

प्रस्तुति-अमरदीप गुप्ता/आसिफ अंसारी/ करन सिंह मौर्य

अमृत विचार
सोमवार, 1 दिसंबर 2025

मैं अंतिम वाक्य तक मनुष्यों के लिए बोलना चाहती हूं। उन मनुष्यों की बात, जिनके सीने की हड्डी उभरी हुई है, जो दुखी और मेहनती हैं।
-महाश्वेता देवी, साहित्यकार

टकराव वाला सत्र

आज से आरंभ संसद का शीतकालीन सत्र असामान्य रूप से गर्म और संभावित रूप से टकरावपूर्ण दिख रहा है। वर्ष के अंत में होने वाला यह सत्र आमतौर पर सीमित विधायी कार्यवाही के लिए जाना जाता है, परंतु इस बार राजनीतिक वातावरण पहले से ही तनावपूर्ण है। ताज़ा आरोप-प्रत्यारोप, महत्वपूर्ण विधेयक, विदेश नीति से जुड़े विवाद और आगामी चुनावी वर्ष की राजनीति, सभी ने इसे अत्यधिक संवेदनशील बना दिया है। विपक्ष इस बार कई मोर्चों पर सरकार को घेरेगा। सबसे प्रमुख विवाद एसआईआर से जुड़ा है, जिस पर विपक्ष का आरोप है कि सरकार चर्चा से बच रही है। सरकार का तर्क है कि यह संवेदनशील सुरक्षा मामला है और किसी भी प्रकार की सार्वजनिक बहस से अनावश्यक भ्रम या सुरक्षा जोखिम उत्पन्न हो सकता है, वैसे भी यह मामला अदालत के विचाराधीन है। किंतु विपक्ष इसे बहानेबाज़ी मानते हुए आरोप लगा रहा है कि सरकार जवाबदेही से बचना चाहती है। यह विवाद हंगामे का कारण बनेगा। ऑपरेशन सिंदूर पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों और भारत सरकार के अस्पष्ट खंडन को लेकर भी विपक्ष आक्रामक होगा। ट्रंप का दावा भारत-अमेरिका के बीच सुरक्षा और सहयोग की प्रकृति पर प्रश्न खड़ा करता है और यह मुद्दा विदेश नीति की विश्वसनीयता से जुड़कर विपक्ष को व्यापक हमले का मौका देता है। इसी क्रम में चीन के साथ सीमाई तनाव, आतंकवाद से जुड़े खतरे और प्रदूषण जैसे घरेलू मुद्दों के तीर भी विपक्ष के तरकश में होंगे। सरकार के इस संकेत पर कि यह एक 'कार्यकेंद्रित' और सीमित एजेंडा वाला 'व्यवस्थित' सत्र होगा, इस पर विपक्ष का मानना है कि सरकार सत्र को असुविधाजनक मुद्दों पर व्यापक बहस से बचने के लिए जानबूझ छोटा रख रही है। यह आपत्ति पूरी तरह असंगत भी नहीं लगती, क्योंकि संसद का मूल उद्देश्य ही व्यापक चर्चा और उत्तरदायित्व तय करना है। यदि विवाद अधिक हैं, तो सत्र का समय कम होना स्वाभाविक रूप से आलोचना को आमंत्रित करता है। सत्र में सरकार शिक्षा, परमाणु ऊर्जा और कॉरपोरेट कानून से जुड़े कई अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक भी लेकर आ रही है। इन विधेयकों पर तकनीकी और संवैधानिक प्रश्न उठने की संभावना है। विपक्ष इन विधेयकों की प्रक्रियागत खामियों, विधेयक तैयार करने में विपक्ष से उचित परामर्श का अभाव सवाल खड़ा कर सकता है। संख्या बल होने के बावजूद गरम माहौल विधेयकों को पारित कराने में कठिनाई पैदा करेगा।

सरकार और विपक्ष- दोनों की रणनीतियां स्पष्ट हैं। विपक्ष सत्र को 'उत्तरदायित्व और पारदर्शिता' के प्रश्न पर केंद्रित करना चाहता है, चाहे वह एसआईआर विवाद हो, विदेश नीति पर अस्पष्टता हो, या पर्यावरण-सुरक्षा जैसे दीर्घकालिक मुद्दे। सरकार की रणनीति होगी कि सत्र को विधायी उपलब्धियों और विकास-एजेंडा पर केंद्रित किया जाए और विपक्ष के हंगामे को 'अवरोध की राजनीति' बताकर संतुलन बनाने का प्रयास किया जाए। फिलहाल सत्र से राजनीतिक टकराव की संभावनाएं ज्यादा हैं। उम्मीद है कि दोनों पक्ष प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दों पर गंभीर चर्चा होने दें, यही लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता है और संसद को उसके अनुरूप अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

प्रसंगवश

अलग होनी चाहिए स्पीकर व डिप्टी स्पीकर की शपथ!

भारतीय लोकतंत्र में शपथ केवल औपचारिकता नहीं, यह संवैधानिक उत्तरदायित्व की स्पष्ट घोषणा है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल, मंत्री तथा न्यायाधीशों के लिए संविधान की तृतीय अनुसूची में शपथ के प्रारूप निर्धारित किए गए हैं, परंतु संसद और विधानसभाओं के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के लिए शपथ का ऐसा कोई पृथक प्रावधान नहीं रखा गया। यह महत्वपूर्ण रिक्ति इसलिए उल्लेखनीय है, क्योंकि इन पदों का दायित्व सामान्य विधायी सदस्यता से कहीं अधिक व्यापक, संवेदनशील निष्पक्षता-आधारित और निर्णयात्मक होता है।

संविधान निर्माताओं का तर्क था कि विधान सभाओं के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष पहले से ही विधायक या सांसद (अनुच्छेद 188 के अंतर्गत) अपनी सदस्यता की शपथ लेते हैं, अतः उनके लिए अतिरिक्त शपथ की आवश्यकता नहीं होगी, किंतु यह तर्क आज की लोकतांत्रिक परिस्थितियों में पुनर्विचार योग्य प्रतीत होता है। सदस्यता की शपथ केवल सदन की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार प्रदान करती है, जबकि अध्यक्ष का पद निष्पक्षता, गोपनीयता, नैतिक दायित्व और संस्थागत धैर्य जैसे उच्च आदर्शों से बंधा हुआ है। व्यावहारिक रूप से देखें तो कोई सदस्य, जो किसी राजनीतिक दल की गतिविधियों में सक्रिय रहा हो, उसके लिए अध्यक्ष पद का दायित्व ग्रहण करते ही पूर्ण तटस्थता प्रदर्शित करना नैतिक रूप से कठिन हो सकता है। ऐसे में यह विचारणीय है कि क्या संविधान में अध्यक्षों के लिए विशेष शपथ-प्रारूप नहीं होना चाहिए, जो इन उच्च आदर्शों को औपचारिक स्वरूप दे। अध्यक्ष केवल सदन की कार्यवाही का संचालक नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे का संतुलन-रक्षक होता है। गोपनीयता का अधिकार अध्यक्ष के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

डॉ. कैलाश चंद सैनी
पूर्व मुख्य अन्वेषण एवं संदर्भ अधिकारी
राजस्थान विधानसभा

संविधान में अध्यक्ष को यह अधिकार प्राप्त है कि यदि सरकार किसी दस्तावेज को 'जनहितविरोधी' अथवा 'गोपनीय' बताकर सदन में प्रस्तुत न करे, तो वह उस दस्तावेज को स्वयं देख सकता है और उसके प्रकटीकरण के संबंध में अंतिम निर्णय दे सकता है। यह अधिकार अत्यंत संवेदनशील है, किंतु अध्यक्ष के लिए पृथक से गोपनीयता की शपथ निर्धारित न होने के कारण यह स्पष्ट नहीं है कि यदि किसी कारण से गोपनीयता का उल्लंघन हो जाए, तो उसकी जवाबदेही किस प्रकार निर्धारित की जाएगी।

ब्रिटेन के वेस्टमिंस्टर मॉडल में स्पीकर के लिए विशेष शपथ का प्रावधान नहीं है। वहां की संसदीय परंपराएं इतनी सुदृढ़ हैं कि निष्पक्षता स्वाभाविक रूप से बनी रहती है, लेकिन भारत का बहुदलीय राजनीतिक परिदृश्य, अत्यधिक सक्रिय एवं कभी-कभी टकरावपूर्ण राजनीतिक वातावरण तथा संसदीय कार्यवाही में बढ़ते व्यवधान यह संकेत देते हैं कि ब्रिटिश मॉडल भारतीय परिप्रेक्ष्य में पूर्णतः उपयुक्त नहीं बैठता। विश्व के अनेक लोकतांत्रिक देशों में स्पीकर के लिए पृथक शपथ या नैतिक प्रतिज्ञा अनिवार्य है। कनाडा में स्पीकर को निष्पक्षता और ईमानदार आचरण के लिए अतिरिक्त प्रतिज्ञा करनी होती है।

ऑस्ट्रेलिया में स्पीकर अपने पद के लिए 'ईमानदार, निष्पक्ष और समर्पित' रहने की औपचारिक शपथ लेते हैं। जर्मनी, स्पेन, इटली सहित कई यूरोपीय देशों की संसदों के अध्यक्षों से तटस्थता एवं नैतिक आचरण की स्पष्ट प्रतिज्ञा कराई जाती है। अमेरिका में प्रतिनिधि सभा के स्पीकर के दायित्वों का उल्लेख सदस्य-शपथ के साथ ही विशेष रूप से जोड़ा गया है।

नेपाल ने घोली रिश्तों में कड़वाहट

नवीन गुप्ता
बरेली

नेपाल सरकार ने एक बार फिर भारत के साथ सीमा विवाद को गलत तरीके से पेश किया है। वहां के सेंट्रल बैंक ने 100 रुपये का जो नया नोट जारी किया है, उस पर नेपाल के नक्शे में जानबूझकर उन इलाकों को भी दर्शाया, जो भारत के भूभाग हैं।

जेन-जी आंदोलन के बाद नेपाल की सत्ता में परिवर्तन भारत के लिए सुखद होगा, ऐसी उम्मीदें प्रत्येक भारतीय नागरिक लगा रहा था, लेकिन हुआ इसका ठीक उल्टा। नेपाल सरकार ने एक बार फिर भारत के साथ सीमा विवाद को जबरदस्त ढंग से हवा दे दी। वहां के सेंट्रल बैंक ने 100 रुपये का जो नया नोट जारी किया, उस पर नेपाल के नक्शे में जानबूझकर उन इलाकों को भी दर्शाया, जो भारत के भूभाग हैं। पूरी दुनिया को पता है कि कालापानी और लिपुलेख भारत गणराज्य का हिस्सा हैं, लेकिन नेपाल के हुक्मरानों ने जानबूझकर इस विवाद को हवा देने की कोशिश की है, जो दोनों देशों के संबंधों के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। इस कदम से दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट पैदा हुई है। नेपाल, भारत के पांच राज्यों के साथ 1850 किलोमीटर से ज्यादा लंबी सीमा साझा करता है। ऐसे में यह विवाद दोनों देशों के नागरिकों के लिए चिंता का विषय है।

भारत का अपने दो पड़ोसी देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश से तनाव चरम पर है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बदले में लांच किए गए ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को मिली करारी हार के सदमे से वहां की सरकार और सेना अभी उबर नहीं पाई है। पाकिस्तान के गिड़गिड़ाने के बाद ऑपरेशन सिंदूर स्थगित तो हो गया है, लेकिन उसके लांच होने का भय पाकिस्तान की सत्ता और सेना के लोगों को खाए जा रहा है। यही वजह है कि पाकिस्तान पड़ोसी बांग्लादेश को भारत के विरुद्ध खड़ा करने के लिए हर तरकीब अपना रहा है।

बांग्लादेश में कट्टरपंथी छात्रों के आंदोलन के कारण सत्ता से बेदखल हुईं प्रधानमंत्री शेख हसीना को शरण दिए जाने से बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार भारत से नाराज है। बार-बार पाकिस्तानी सेना के उच्च अधिकारियों को अपने देश में बुलाकर वह संदेश दे रहा है कि वह अब भारत विरोधी रुख अख्तियार करने को आतुर है। बांग्लादेश की धरती पर अल्पसंख्यक हिंदुओं के विरुद्ध अत्याचार चरम पर है। भारत के चिकननेक को लेकर बांग्लादेश लगातार गलत बयानी कर रहा है। वहां आतंकी कैंप फिर सक्रिय हो गए हैं, जो भारत के लिए खतरा बन सकते हैं, हालांकि भारतीय सुरक्षा एजेंसियां चौकन्नी हैं और जरूरी कदम उठा रहीं हैं। इस खतरे से निपटने में लगे भारत को अब नेपाल के नए कदम ने चौकन्ना कर दिया है। केपी ओली सरकार में नेपाल में चीन का दखल तेजी से बढ़ा था। चीन ने वहां कई बड़े प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया था। अब वहां की कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की भी चीन के प्रभाव में हैं, ऐसा माना जा रहा है।

मई 2020 में नेपाल की संसद ने एक नया मानचित्र स्वीकृत किया था, जिसमें लिपुलेख और लिंपियाधुरा को नेपाल में दिखाया गया था, जबकि ये इलाके भारतीय सीमा में हैं। ये इलाके उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जनपद का हिस्सा हैं। नेपाल इन इलाकों को अपने धारचूला जिले का हिस्सा बताता है। उस समय भारत ने इस बदलाव पर कड़ी आपत्ति जताई थी। नेपाल के इस नए नोट में कई बदलाव किए गए हैं। नोट के बैकग्राउंड में नेपाल का हल्का हरा मानचित्र है और इसी में विवादित हिस्सों को शामिल किया गया है।

आश्चर्यजनक बात तो यह है कि नेपाल ने सिर्फ 100 रुपये के नोट पर ही यह गलत मानचित्र प्रकाशित किया है। 10 रुपये, 50 रुपये, 500 और 1000 रुपये के नोटों पर इस राष्ट्रीय मैप को प्रकाशित नहीं किया गया है। भारत सरकार ने इस पर सख्त आपत्ति जताई है। नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रवक्ता ने सफाई में कहा है कि मैप पहले भी पुराने नोटों पर था, अब इसे अपडेट किया गया है। सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों की सीमाएं नेपाल से लगती हैं। नेपाल में वैसे भी कट्टरपंथी इस्लामिक ताकतें अपने पांव पसार रही हैं। ऐसे में नेपाल से नया विवाद बहुत अच्छा संकेत नहीं है।

नेपाल से सीमा विवाद नया नहीं है, लेकिन केपी ओली के सत्ता से बेदखल होने के बाद यह उम्मीद जगी थी कि नई कार्यवाहक सरकार कोई ऐसा कदम नहीं उठाएगी, जिससे भारत से उसके रिश्ते खराब हों, लेकिन इस सरकार ने भी वही किया, जो केपी ओली सरकार की मंशा थी। नेपाल से भारत का रोटी और बेटी का रिश्ता है, लेकिन छोटे-छोटे विवाद इन रिश्तों में कड़वाहट घोल रहे हैं। नेपाल के विकास में भारत अहम भूमिका अदा कर रहा है। हाल ही में दोनों देशों के बीच 400 केवी बिजली परियोजनाओं को लेकर समझौता हुआ है।

नेपाल के ऊर्जा, जल संसाधन और सिंचाई मंत्री कुलमान घिसिंग और भारत के केंद्रीय विद्युत एवं आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर के बीच यह समझौता हुआ था। भारत की कोशिश रहती है कि वह नेपाल की हर संभव मदद करे, लेकिन वहां की सत्ता में बैठे लोग अक्सर ऐसा कदम उठा लेते हैं, जो रिश्तों में दूरियां पैदा करने वाली होती है। भारत सरकार ने नेपाल के नए कदम का कूटनीतिक तरीके से जवाब दिया है। भविष्य में नेपाल इन इलाकों को अपने क्षेत्र में होने का दावा न करे, ऐसा प्रयास भी सरकार कर रही है।

सीमा विवाद सुलझाने को लेकर देनों देशों के बीच बैठकें भी जल्द होने के आसार हैं, हालांकि नेपाल के इस कदम के बाद पड़ोसी बांग्लादेश, चीन और पाकिस्तान की निगाहें भी हैं। पाकिस्तान सरकार के प्रतिनिधि नेपाल का दौरा करने का मन बना रहे हैं, ताकि भविष्य में दोनों देशों के बीच कुछ अहम समझौते हो सकें, हालांकि नेपाल की राजनीति को बारीकी से समझने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि नेपाल, भारत से बहुत दूर नहीं जा सकता है, क्योंकि वहां के नागरिकों का झुकाव भारत की तरफ है।

आमने सामने

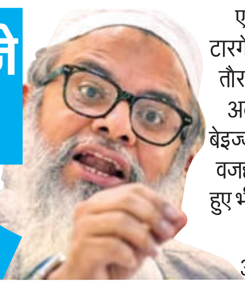

एक खास समुदाय को जबरदस्ती टारगेट किया जा रहा है। उन्हें कानूनी तौर पर कमजोर, सामाजिक रूप से अलग-थलग और आर्थिक रूप से बेइज्जत किया जा रहा है। इन सबकी वजह से मुसलमान सड़कों पर चलते हुए भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।
-मौलाना महमूद मदनी
अध्यक्ष, जमीयत उलेमा-ए-हिंद

आज देश में कुछ ऐसी ताकतें हैं, जिनके बयान बांटने वाले हैं, जबकि देश को एक करने वाली खबरें भी हैं। यह गैर-जिम्मेदाराना बयान है। हमने देखा है कि कैसे जिहाद के नाम पर कुछ लोगों ने भारत और बाहर आतंकवाद फैलाया है।
-संबित पात्रा
भाजपा के सांसद

आध्यात्मिक राजधानी बन सकती है देवभूमि

प्रो. एमसी पुरोहित
दून विश्वविद्यालय
देहरादून

उत्तराखंड सरकार दिसंबर माह से राज्य में प्रवेश करने वाले वाहनों से ग्रीन सेस ले रही है। इसे आध्यात्मिक राजधानी की दिशा में पहला कदम समझा जा सकता है।

राज्य स्थापना के जयंती समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड को आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित करने की बात की। उन्होंने कहा कि यह देवभूमि विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के लिए उपयुक्त है और इससे यहां के रीति-रिवाज, कला-संस्कृति, मठ-मंदिर, योग, आयुर्वेद और पौष्टिक श्रीअन्न आदि विशिष्टताएं अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क से जोड़ेंगे, जो रोजगार और विकास की नई संभावनाएं उत्पन्न करने में सहायक होगा। प्रधानमंत्री की ये बातें इसलिए सटीक बैठती हैं, क्योंकि देवभूमि उत्तराखंड अपनी आध्यात्मिक चेतना, प्राकृतिक सौंदर्य, नैसर्गिक शांति और सांस्कृतिक विरासत के लिए विश्व विख्यात है। यहां विश्व प्रसिद्ध केदार खंड और मानस खंड क्षेत्र में अवस्थित प्रमुख केंद्रों में चारधाम जिसमें- केदारनाथ- भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में एक है, बद्रीनाथ भगवान विष्णु का धाम, गंगोत्री मां गंगा का उद्गम स्थल और यमुनोत्री मां यमुना की उद्गम स्थल के अलावा जागेश्वर धाम, आदि कैलाश, कैंची धाम, ऋषिकेश-योग, ध्यान और आध्यात्मिक का प्रमुख केंद्र, हरिद्वार- कुंभ नगरी होने के साथ ही योग और साधना केंद्र के रूप में अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाते हैं।

उत्तराखंड के प्रमुख प्राकृतिक पर्यटन स्थलों में कौसानी, पिथौरागढ़, रानीखेत, औली, मसूरी, चकराता, नैनीताल, भीमताल आदि क्षेत्र प्रकृति की सौंदर्यता का अनुभव कराते हैं। साथ ही देश का टाइगर रिजर्व जिम कॉर्बेट पार्क, सुप्रसिद्ध फूलों की घाटी, हिमालय की जैव विविधता का केंद्र नंदा देवी उद्यान और राजाजी राष्ट्रीय पार्क पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। साहसिक पर्यटन भी यहां बड़ा आकर्षण का केंद्र है, जिसमें रिवर राफ्टिंग, पैराग्लाइडिंग, स्कीइंग, चोपता-तुंगनाथ-चंद्रशिला ट्रैक, पिंडारी ग्लेशियर ट्रैक, रूप कुंड, हर की दून ट्रैक आदि प्रमुख हैं। ये सभी उत्तराखंड को स्वाभाविक रूप से 'विश्व की आध्यात्मिक राजधानी' बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं।

आवश्यकता है, इन क्षेत्रों में सुनियोजित रूप से सुचारु कनेक्टिविटी विकसित की जाए, जो विश्व के लोगों के लिए सुविधाजनक और आनंददायक हो। ऐसी पहल आर्थिक और सामाजिक विकास को गति देने में भी सहायक होगी और इससे सांस्कृतिक व वैज्ञानिकता चेतना विश्व कल्याण के लिए प्रवाहित होगी। राज्य के आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित होने से रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे। योग, ध्यान, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, आध्यात्मिक शिक्षा, वेलनेस टूरिज्म, सांस्कृतिक पर्यटन और धार्मिक आयोजनों से जुड़े क्षेत्रों में लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिल सकता है, इसके अतिरिक्त होटल, परिवहन, गाइड सेवा, स्थानीय उत्पाद, हस्तशिल्प, जैविक कृषि और होम-स्टे जैसी गतिविधियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ताकत देंगी, क्योंकि यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में हर वर्ष वृद्धि हो रही है।

वर्ष 2021 में लगभग दो करोड़ पर्यटक यहां आए। 2022 में लगभग पांच करोड़ पर्यटक यहां पहुंचे और 2023 में लगभग 5.96 करोड़ पर्यटक व श्रद्धालु आए। पिछले तीन वर्षों की अवधि में कुल 23 करोड़ से अधिक पर्यटक आए। 2025 में भी पर्यटन अच्छी-खासी मात्रा में रहा है। लगातार बढ़ रही पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए इन शहरों में परिवहन व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, पार्किंग, ट्रैफिक जाम आदि को नियंत्रित करने के लिए पुख्ता इंतजाम करने होंगे। यह प्रयास रोजगार की तलाश में हो रहा पलायन रोकने में भी कारगर सिद्ध होगा।

आज उत्तराखंड का पर्वतीय क्षेत्र तेजी से खाली हो रहा है। युवाओं को रोजगार के लिए शहरों और महानगरों की ओर विवश होकर जाना पड़ता है। यदि उन्हें गांव में ही सम्मानजनक आजीविका के अवसर उपलब्ध होंगे, तो वे अपनी भूमि, संस्कृति और परिवार से जुड़े रहकर विकास की मुख्यधारा में शामिल हो सकेंगे। इससे 'स्थानीय को रोजगार' की अवधारणा भी साकार होगी। आवश्यकता है कि स्थानीय युवाओं का आध्यात्मिक विकास के विभिन्न विषयों और पहलुओं पर प्रशिक्षण हो, ताकि वे कौशल युक्त हों और इस क्षेत्र में उद्यम संचालित कर सकें। इस दिशा में आगे बढ़ते समय पर्यावरण संरक्षण और संतुलित विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। अनियंत्रित निर्माण, भीड़भाड़, कचरा प्रबंधन की अनदेखी और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन इस आध्यात्मिक भूमि की आत्मा को नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए पर्यटन विकास के साथ सख्त पर्यावरणीय नियमानुसार योजनाएं लागू करना आवश्यक है।

राज्य सरकार द्वारा दिसंबर माह से राज्य में प्रवेश करने वाले वाहनों से ग्रीन सेस लेने का निर्णय इस दिशा में एक प्रभावी कदम है। इसे आध्यात्मिक राजधानी की दिशा में पहला कदम समझा जा सकता है। दिसंबर माह से राज्य में प्रवेश करने वाले बाहरी प्रदेशों की कारों से 80, बस से 140, डिलीवरी वैन से 250, ट्रकों से 120-700, आकार के अनुसार ग्रीन सेस शुल्क लिया जाएगा। यह प्रयास राज्य की नैसर्गिक सुंदरता और पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहायक सिद्ध होगा, इसलिए राज्य अब सिर्फ तीर्थ यात्रा केंद्र तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अब यहां अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक, योग और वेलनेस केंद्रों को विकसित करने के लिए दीर्घकालिक नीति निर्माण की आवश्यकता है।

सोशल फोरम

एक चिंतन यहूदियों की वैश्विक प्रगति पर

दुनिया की जनसंख्या में यहूदी पूरे दो करोड़ भी नहीं हैं, लेकिन हर क्षेत्र में वे जरूर हैं वो भी सबसे आगे। अल्बर्ट आइंस्टीन हों या कार्ल मार्क्स हों, गोल्डा मायर हों, मार्क जुकरबर्ग हों या फिर स्टीवन स्पीलबर्ग या फिर डेविड बेकहम। सभी क्षेत्रों में यहूदी अव्वल रहे हैं। यहूदी दुनिया की आबादी का 0.2% हिस्सा हैं, फिर भी उन्होंने 20% से ज्यादा नोबेल पुरस्कार जीते हैं।

आशीष सैनी
ब्लॉगर

लगभग 900 में से कुल 200 से ज्यादा नोबेल अकेले यहूदियों के नाम हैं। अर्थशास्त्र में 40%, चिकित्सा में 30%, भौतिकी में 25%, केमिस्ट्री में 20%, साहित्य में 15% और शांति के नोबेल पुरस्कारों में 10% पुरस्कार यहूदियों के नाम हैं। यहूदी दुनिया के सबसे अमीर लोगों में भी शामिल हैं। यहां तक की 17 फीसदी डॉलर पर यहूदियों का ही कब्जा है। दुनिया में जितने भी अरबपति हैं, उनमें यहूदियों की तादाद बहुत अच्छी है। फोर्ब्स ने दुनिया के अमीर लोगों की जो नई लिस्ट जारी की, उसमें यहूदियों के आंकड़े हैरान करने वाले हैं।

फोर्ब्स ने यहूदी अरबपतियों की जो लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में 267 यहूदी अरबपतियों के नाम हैं, जिनकी कुल नेटवर्क 1.7 ट्रिलियन डॉलर है, जो भारत की कुल जीडीपी का 60 फीसदी बैठता है। यह लिस्ट बताती है कि सबसे अमीर यहूदी लैरी एलिसन हैं। दूसरे नंबर पर लैरी पेज, जिनकी संपत्ति 85.2 बिलियन डॉलर है। दुनिया भर के अरबपतियों की लिस्ट में चौथा सबसे अमीर आदमी यहूदी है। इनका नाम लैरी एलिसन है। लैरी की कुल संपत्ति 107 बिलीयन डॉलर आंकी गई है। तीसरे नंबर पर सर्गेई ब्रिन हैं। उनकी संपत्ति 81.8 बिलियन डॉलर है। चौथे नंबर पर स्टीव बालमेर हैं, जिनके पास 78.9 बिलियन डॉलर संपत्ति है और पांचवें नंबर पर 76.8 बिलियन डॉलर के साथ माइकल ब्लूमबर्ग है।

साल 1948 में यहूदियों के लिए एक अलग देश बनाने का फैसला हुआ था। इसका सबसे ज्यादा समर्थन अमेरिका ने किया था। मौजूदा समय में 1948 के मुकाबले दुनिया भर में यहूदियों की जनसंख्या में गिरावट आई है, लेकिन यहूदी अरबपतियों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। दुनिया भर में करीब एक करोड़ 75 लाख यहूदियों में इजराइल में ही 70 लाख हैं, जो इजरायल की कुल आबादी का 74% है। इजराइल के अलावा अमेरिका और कनाडा में सबसे ज्यादा यहूदी रहते हैं। भारत में करीब 5000 यहूदी हैं।

सामयिकी

पांच साल में दुनियाभर से एड्स के खात्मे की तैयारी

आज विश्व एड्स दिवस है। प्रत्येक वर्ष एक दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। गत वर्ष पहले संयुक्त राष्ट्र संघ के कार्यक्रम यूएनएड्स की रिपोर्ट पर गौर करें, तो एड्स से होने वाली मौतों में तकरीबन 48 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2024 में भारत में एड्स के लगभग 25.44 लाख रोगी थे, लेकिन वर्ष 2010 के बाद से नए संक्रमणों में लगातार कमी आ रही है। भारत ने 2025-26 तक नए एचआईवी संक्रमणों और एड्स से संबंधित मौतों में 80 प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य रखा है और लक्ष्य के करीब पहुंच रहा है। इसका अर्थ यह हुआ कि 95 प्रतिशत एचआईवी मामलों की पहचान हो चुकी है और 95 प्रतिशत को एआरटी दिया जा रहा है। 95 प्रतिशत उपचारित व्यक्तियों में वायरस को खत्म किया जा चुका है। अच्छी बात यह है कि संयुक्त राष्ट्र ने 2030 तक एड्स बीमारी के खात्मे का लक्ष्य सुनिश्चित किया है। रिपोर्ट पर गौर करें तो गत वर्ष तकरीबन चार करोड़ लोग एचआईवी संक्रमण के साथ जीवन जी रहे थे, जिनमें तकरीबन 86 प्रतिशत को पता था कि वे संक्रमित हैं। मतलब साफ है कि एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ी है।

अरविंद जयतिलक
लेखक

संयुक्त राष्ट्र के एचआइवी/एड्स पर यूएनएड्स की रिपोर्ट पर विश्वास करें तो भारत एचआइवी संक्रमित लोगों का तीसरा सबसे बड़ा घर है। एड्स किस तरह जानलेवा साबित हो रहा है, इसी से समझा जा सकता है कि वर्ष 2024 में दुनिया भर में 6.30 लाख लोगों की मौत हुई, लेकिन राहतकारी है कि यह आंकड़ा 2010 की तुलना में 54 प्रतिशत कम है। इसका श्रेय एचआईवी परीक्षण और उपचार की सुलभता को जाता है। वर्ष 2024 में 20 वर्ष से कम उम्र के लगभग 90 हजार बच्चों की मौत हुई है, जो कुल मौतों का लगभग 14 प्रतिशत है।

गौरतलब है कि मध्यम आय वाले देशों ने एड्स से निपटने के लिए 2020 तक 26 अरब डॉलर खर्च करके तकरीबन 90 प्रतिशत मरीजों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा था। इसमें काफी हद तक सफलता मिली है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने 2024 में एड्स से निपटने के लिए 3.3 अरब डॉलर का बजट रखा, जिससे एड्स से निपटने में काफी मदद मिली, लेकिन 2025 में एड्स पर बजट को लेकर भिन्न स्थिति है। अमेरिका में पीईपीएफएआर 4.7 बिलियन डॉलर के वार्षिक बजट में 42 प्रतिशत कटौती का अनुमान है, जबकि भारत ने राष्ट्रीय एड्स एव एसटीडी प्रतिक्रिया के लिए अपना बजट जारी रखा है। वित्त वर्ष 2025 के लिए ग्लोबल फंड के लिए फंडिंग, जो बहुपक्षीय योगदानों का सबसे बड़ा हिस्सा 1.65 बिलियन डॉलर थी, वह वित्त वर्ष 2023 के स्तर से 375 मिलियन डॉलर कम है।

यहां ध्यान देने वाली बात यह कि एड्स से बचाव के लिए सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर जागरुकता कार्यक्रमों में तेजी के बाद भी बचाव की दर महज 0.34 प्रतिशत ही है। बेहतर होगा कि संयुक्त राष्ट्र संघ, सरकारें और स्वयंसेवी संस्थाएं एड्स से बचाव के प्रभावी कदम उठाने के साथ लोगों को बताएं कि एड्स क्या है? यह सच्चाई है कि एड्स के बारे में लोगों को पर्याप्त जानकारी नहीं है और उसी का नतीजा है कि 1981 में एड्स की खोज से अब तक लगभग 30 करोड़ लोगों की जान जा चुकी है। आमतौर पर एड्स के संक्रमण की तीन मुख्य वजहें हैं- असुरक्षित यौन संबंध, रक्त का आदान-प्रदान और मां से शिशु में संक्रमण, लेकिन यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में एड्स के तेजी से बढ़ते संक्रमण का एक अन्य कारण लोगों की बदलती जीवन शैली तथा युवाओं में रोमांच के लिए जोखिम लेने की प्रवृत्ति भी है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह* 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा।)

महिंद्रा ने भारत में अपनी नई तीन-रो इलेक्ट्रिक SUV XEV 9S को आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। इसकी शुरुआती कीमत 19.95 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तय की गई है। यह मॉडल कंपनी की बेस्टसेलर XUV700 का इलेक्ट्रिक अवतार माना जा सकता है, लेकिन फीचर्स, टेक्नोलॉजी और डिजाइन के मामले में इसे काफी आगे ले जाया गया है। महिंद्रा का कहना है कि XEV 9S न केवल मिड-साइज इलेक्ट्रिक SUV सेगमेंट को टार्गेट करती है, बल्कि कई हाई-एंड इलेक्ट्रिक SUVs को भी चुनौती देने के लिए तैयार है। *- फीचर डेस्क*

मुख्य आकर्षण

- ट्रिपल-स्क्रीन लेआउट (इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर + इंफोटेनमेंट + को-पैसेंजर डिस्प्ले)
- सेकंड-रो पैसेंजर स्क्रीन
- पैनोरमिक सनरूफ
- हार्मन कार्डन प्रीमियम ऑडियो सिस्टम
- वेंटिलेटेड और रिक्लाइनिंग सीट्स
- वायरलेस कनेक्टिविटी और ओवर-द-एयर अपडेट सपोर्ट
- इन सभी फीचर्स की वजह से इसका केबिन एक लग्जरी EV जैसा अहसास देता है।

डिजाइन और इंटीरियर

डिजाइन के मामले में XEV 9S को महिंद्रा की नई EV डिज़ाइन लैंग्वेज पर तैयार किया गया है, जिसमें आधुनिकता और एरोडायनामिक्स का खास ध्यान रखा गया है।

- बाहरी हिस्से में दिए गए फीचर्स
- शट-ऑफ फ्रंट ग्रिल
- L-शेप्ड LED DRLs
- वर्टिकल प्रोजेक्टर हेडलैम्प्स
- फुल-विड्थ रियर LED लाइट बार
- EV-ओरिएंटेड क्लीन सरफेस डिज़ाइन
- इन एलिमेंट्स के साथ यह इलेक्ट्रिक SUV काफी फ्यूचरिस्टिक और प्रीमियम लुक देती है। इंटीरियर में कंपनी ने कई हाई-टेक फीचर्स जोड़े हैं।

अन्य एडवांस्ड सेफ्टी फीचर्स

- Level 2+ ADAS
- ब्रेक-बाय-वायर तकनीक
- ब्लाइंड व्यू मॉनिटरिंग
- इंटेलिजेंट इमरजेंसी ब्रेकिंग
- लेन कीप असिस्ट और अडेप्टिव क्रूज़ कंट्रोल

महिंद्रा की इलेक्ट्रिक SUV XEV 9S
दमदार परफॉर्मेंस और फीचर्स

सेफ्टी और टेक्नोलॉजी

महिंद्रा ने XEV 9S को सुरक्षा के मामले में भी काफी एडवांस्ड बनाया है। SUV में 7 एयरबैग्स तक का विकल्प मिलता है, जिसमें नी-एयरबैग भी शामिल है।

कीमत और लॉन्च टाइमलाइन

महिंद्रा ने XEV 9S की कीमतें 19.95 लाख रुपये से 29.45 लाख रुपये तक रखी हैं। कंपनी का कहना है कि यह SUV इतनी प्रीमियम फीचर्स देती है कि यह 80 लाख रुपये तक की इलेक्ट्रिक SUVs के लिए भी कड़ी चुनौती पेश कर सकती है। टॉप मॉडल में Mahindra Secure 360 Pro सिस्टम दिया गया है, जो लाइव व्हीकल मॉनिटरिंग, एंटी-थेफ्ट अलर्ट और रीयल-टाइम कार सर्विलांस जैसी सुविधाएं प्रदान करता है।

बैटरी और परफॉर्मेंस

नई XEV 9S को महिंद्रा ने तीन अलग बैटरी पैक विकल्पों के साथ पेश किया है-59 kWh, 70 kWh और 79 kWh, इन बैटरी पैक्स के साथ मिलने वाला पावर आउटपुट 228 bhp से 282 bhp के बीच रहता है, जबकि सभी वेरिएंट्स में 380 Nm का मजबूत टॉर्क दिया गया है। इससे SUV हर तरह की ड्राइविंग कंडीशन्स में बेहतर प्रतिक्रिया देती है। महिंद्रा का दावा है कि इसका टॉप-एंड वेरिएंट केवल 7 सेकंड में 0-100 kmph की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है, जो अपनी कैटेगरी में इसे काफी स्पोर्टी बनाता है। इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के चलते ड्राइविंग ज्यादा स्मूद, साइलेंट और फास्ट रिस्पॉन्सिव होती है।

मॉय फर्स्ट राइड

डर से आत्मविश्वास तक की अनोखी यात्रा

कार चलाना हमेशा से मेरे लिए एक रोमांचक, लेकिन डराने वाला सपना था। सड़क पर तेजी से गुजरती गाड़ियों को देखकर मन में एक अजीब सा उत्साह तो आता था, लेकिन उसी के साथ लगा रहता था 'क्या मैं कभी इन्हें चला पाऊंगा?' लंबे समय तक यह सवाल मुझे रोकता रहा, लेकिन एक दिन मैंने पापा से कहा कि मुझे कार चलाना सीखना है। बस, यहीं से मेरी असली यात्रा शुरू हुई। पहले दिन जब मैं पापा के साथ कार की ड्राइविंग सीट पर बैठा, तो ऐसा लगा जैसे किसी नए संसार में प्रवेश कर रहा हूं। स्टीयरिंग व्हील पकड़ते ही हथेलियां पसीजने लगीं। पापा शांत आवाज में बोले, "डरो मत, कार आपको समझ जाएगी।" उनकी यह बात थोड़ी अजीब लगी, पर उसमें एक भरोसा था। मैंने धीरे से क्लच दबाया, गियर बदला और कार हल्के से आगे बढ़ी। वह कुछ सेकंड शायद मेरी जिंदगी के सबसे लंबे सेकंड थे। ऐसा लगा मानो मैं खुद को चला रहा हूं, कार नहीं।

ड्राइविंग सीखने के शुरुआती दिन ज्यादा चुनौतीपूर्ण थे। क्लच और एक्सेलरेटर का बैलेंस समझना एक कला है और यह कला मुझे बिल्कुल नहीं आ रही थी। सड़क पर आते ही मन में हमेशा डर रहता कि कहीं गाड़ी बंद न हो जाए या बाईं-प्रवृत्ति वाली गाड़ी दाईं तरफ न भाग जाए। कई बार ऐसा हुआ कि कार ठीक से स्टार्ट ही नहीं हुई और आसपास के लोग एक्टिंग कर के बता रहे थे कि मैं कितना नया ड्राइवर हूं, लेकिन ड्राइविंग की खूबसूरती यही है कि हर गलती से आप कुछ सीखते हैं। धीरे-धीरे पैरों का तालमेल बैठने लगा। क्लच कम छोड़ना, पहले गियर में गाड़ी को स्मूद चलाना और मोड़ पर स्टीयरिंग को सही एंगल में घुमाना, सब धीरे-धीरे आसान होता गया। कार सिखाते समय पापा अक्सर कहते थे कि "कार वही करती है, जो ड्राइवर का दिमाग चाहता है। बस दिमाग शांत रखो।"

एक दिन जब पहली बार मैंने खुद कार को थोड़ा तेज चलाया और वह बिना झटके आगे बढ़ती रही, तो यह एक अलग ही खुशी थी। ऐसा लगा जैसे किसी बड़ी परीक्षा में पास हो गया हूं। अब सड़कें इतनी डरावनी नहीं लगती थीं, बल्कि रोमांचित करती थीं। सबसे यादगार क्षण तब आया जब मैंने पहली बार बिना किसी की मदद के रोड पर लांग ड्राइव की। शुरुआत में थोड़ी घबराहट थी, लेकिन कुछ ही मिनटों में भरोसा बढ़ गया। सड़क किनारे खड़े पेड़ों की तरफ देखकर लगा कि आज मैं सच में अपने डर को पीछे छोड़ आया हूं। ड्राइविंग सीखने के इस पूरे अनुभव ने मुझे सिर्फ कार चलाना ही नहीं सिखाया, बल्कि धैर्य, आत्मविश्वास और साहस का महत्व भी समझाया। आज जब मैं कार स्टार्ट करता हूं, तो उन शुरुआती दिनों की घबराहट याद आ जाती है और उसी के साथ वह गर्व भी कि मैंने अपने डर को हराया। कार चलाना सिर्फ एक कौशल नहीं, बल्कि अपने आप को समझने और खुद पर भरोसा करने की एक छोटी, लेकिन बेहद महत्वपूर्ण यात्रा है।

-रुद्राक्ष त्रिवेदी, बीटेक स्टूडेंट, बरेली

अपनाएं ये जरूरी टिप्स: सर्दियों में डीजल कार की मुश्किल होगी खत्म

सर्दियों का मौसम आते ही डीजल कारों के सामने कई तकनीकी दिक्कतें खड़ी हो जाती हैं, खासकर उन राज्यों में जहां तापमान शून्य के आसपास पहुंच जाता है। ठंड बढ़ने पर इंजन स्टार्ट होना मुश्किल हो जाता है, डीजल गाढ़ा पड़ने लगता है और कार की परफॉर्मेंस भी सुस्त हो जाती है। अगर आपकी डीजल कार भी हर सर्दी साथ नहीं देती, तो कुछ सरल टिप्स अपनाकर आप अपने इंजन को ठंड में भी पूरी तरह स्मूथ, भरोसेमंद और एक्टिव रख सकते हैं।

विंटर-ग्रेड डीजल का जरूर करें इस्तेमाल

पेट्रोल इंजन की तुलना में डीजल इंजन ठंड के असर को ज्यादा महसूस करते हैं। कम तापमान में डीजल गाढ़ा होकर जेल की तरह जमने लगता है, जिसे फ्यूल जेमिंग कहा जाता है। ऐसे में डीजल फ्यूल लाइनों और फिल्टर से आसानी से गुजर नहीं पाता और परिणामस्वरूप कार स्टार्ट ही नहीं होती। इस समस्या से राहत पाने के लिए हमेशा भरोसेमंद पेट्रोल पंप से विंटर-ग्रेड डीजल ही भरवाएं। साथ ही, फ्यूल को ठंड में फ्लो बनाए रखने के लिए STP Diesel Treatment जैसे एंटी-जेल एडिटिव का इस्तेमाल भी बेहद फायदेमंद रहता है। इससे इंजन स्टार्टिंग हल्की-फुल्की ठंड में भी बिना किसी झंझट के हो जाती है।

आधा खाली न रखें फ्यूल टैंक

सर्दी में फ्यूल टैंक खाली रहने पर उसके अंदर नमी बनने लगती है, जो तापमान गिरने पर बर्फ में बदल सकती है। इससे फ्यूल पाइप ब्लॉक होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। इसलिए कोशिश करें कि आपका फ्यूल टैंक हमेशा फुल या कम से कम तीन-चौथाई भरा हुआ रहे। इससे नमी बनने की संभावना कम होगी और फ्यूल जेमिंग का रिस्क भी काफी हद तक खत्म हो जाएगा।

सुबह गाड़ी स्टार्ट करते ही न दें रेस

बहुत से लोग ठंड में गाड़ी स्टार्ट करते ही एक्सेलरेटर दबा देते हैं, लेकिन ऐसा करना इंजन के लिए नुकसानदेह है। बेहतर होगा कि इंजन स्टार्ट करने के बाद 3-5 मिनट तक उसे आइडल रहने दें, ताकि इंजन ऑयल पूरी तरह गर्म होकर हर हिस्से तक आसानी से पहुंच सके। इसके अलावा कोशिश करें कि कार को गैरेज, शेड या ढकी हुई जगह पर पार्क करें ताकि पाला और ठंडी हवा इंजन को सीधे प्रभावित न करें।

विंटर-ग्रेड सिंथेटिक इंजन ऑयल का करें उपयोग

कम तापमान में इंजन ऑयल भी गाढ़ा हो जाता है। इससे कोल्ड इंजन में ऑयल सर्कुलेशन धीमा रहता है और इंजन पर जरूरत से ज्यादा दबाव पड़ता है। इस समस्या से बचने के लिए 5W-30 या 5W-40 जैसे विंटर-ग्रेड सिंथेटिक ऑयल का इस्तेमाल करें। यह ऑयल ठंड में भी आसानी से फ्लो होता है और इंजन को शुरुआत से ही बेहतर लुब्रिकेशन देता है।

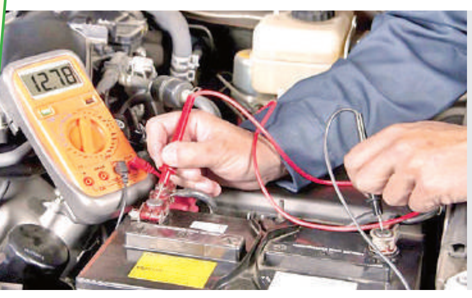

बैटरी की समय रहते कराएं जांच

सर्द मौसम में बैटरी की क्षमता घट जाती है और वोल्टेज कम होने लगता है। ऐसे में इंजन को स्टार्ट होने के लिए अधिक शक्ति चाहिए होती है और यही वजह है कि कार सुबह पहली बार स्टार्ट करते समय परेशानी देती है। इसलिए मौसम बदलने से पहले बैटरी की अच्छी तरह जांच करा लें-

- टर्मिनल्स पर जमा जंग साफ करवाएं
- बैटरी की हेल्थ और चार्ज लेवल चेक कराएं
- चार्जिंग सिस्टम और अल्टरनेटर की भी जांच करवाएं
- अगर बैटरी पुरानी है, तो ठंड शुरू होने से पहले उसे बदल देना समझदारी होगी।

नेपाल ने चीनी कंपनी को नोट छापने का ठेका दिया

काठमांडू। नेपाल राष्ट्र बैंक ने चाइना बैंकनोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन को 50 रुपये, 500 रुपये और 1,000 रुपये के नेपाली बैंक नोट छापने का ठेका दिया है। नेपाल के केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को 100 रुपये का नया नोट जारी किया था। इसमें देश का बदला हुआ नक्शा है, जिसमें भारत के कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा क्षेत्र को नेपाल में दिखाया गया है।

अमृत विचार
कानपुर, सोमवार, 1 दिसंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजीनेस ब्रीफ

जम्मू-कश्मीर: पहली छमाही में 10.07 लाख को 43,017 करोड़ ऋण

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में 10.07 लाख से अधिक लाभार्थियों को ऋण सहायता प्रदान की गई तथा बैंकों ने 43,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित किए। शनिवार को जम्मू में मुख्य सचिव अटल डुल्लू की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रशासित प्रदेश स्तरीय बैंकर समिति (यूटीएलबीसी) की 17वीं बैठक में यह जानकारी दी गई। बैठक में 2025-26 की पहली तिमाही तथा पहली छमाही में बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण तथा अन्य बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के प्रदर्शन की समीक्षा की गई।

दूरसंचार विभाग ने दितवा के मद्देनजर बनाया नियंत्रण कक्ष

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने चक्रवात दितवाह के मद्देनजर संचार नेटवर्क की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 24 घंटे चालू रहने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है, साथ ही कई और महत्वपूर्ण उपाय किए हैं। चक्रवात दितवाह के कारण तमिलनाडु के कई हिस्सों में बारिश हुई है और अगले 24 घंटों में यह राज्य के उत्तरी हिस्सों तथा पड़ोसी पुडुचेरी की ओर बढ़ सकता है। विभाग ने कहा, दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवात दितवाह के मद्देनजर दूरसंचार नेटवर्क की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक उपाय किए हैं।

लोढ़ा डेवलपर्स 14 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू करेगी

नई दिल्ली। रियल्टी कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स लिमिटेड अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में 14,000 करोड़ रुपये की 15 आवासीय परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रही है। मुंबई स्थित लोढ़ा डेवलपर्स देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। कंपनी ने निवेशक प्रस्तुति में बताया कि लोढ़ा डेवलपर्स 2025-26 की दूसरी छमाही में 15 परियोजनाएं पेश करने की योजना बना रही है, जिसके तहत एक करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।

श्रम कानून नियोक्ताओं के हित में, सिर्फ संगठित क्षेत्र के 15% कर्मियों को ही लाभ

विशेषज्ञों ने कहा- कॉन्ट्रैक्टर के जरिए आने वाले कर्मियों के लिए कोई प्रावधान नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रम मामलों के विशेषज्ञ और अर्थशास्त्री प्रोफेसर संतोष मेहरोत्रा ने कहा है कि नई श्रम संहिता में 'फिक्स्ड टर्म' कर्मचारियों की श्रेणी में समयसीमा का जिक्र न होने और श्रम निरीक्षकों की कमी जैसी खामियां नए श्रम कानून को श्रमिकों के बजाय नियोक्ताओं के हित में बनाती हैं। उन्होंने कहा कि इस कानून से देश में काम कर रहे लगभग 61 करोड़ कामगारों में से सिर्फ संगठित क्षेत्र में कार्यरत केवल 15% कर्मचारियों को ही लाभ होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि अब कंपनियां अपने कार्यों के लिए 'कान्ट्रैक्टर' के जरिए कर्मचारी रखती हैं। ऐसे मामलों में इन कर्मचारियों का मूल नियोक्ता वह है, जहां वह काम करता है लेकिन असल में वह कानून के तहत कांट्रैक्टर या ठेकेदार का ही कर्मचारी है और सीधे नियुक्त न होने वाले इस कर्मचारी के बारे में नई श्रम संहिता कुछ नहीं कहती है। पूर्ववर्ती योजना आयोग के अंतर्गत आने वाला इंस्टिट्यूट ऑफ एप्लॉयड मैनपावर रिसर्च के महानिदेशक रह चुके मेहरोत्रा ने कहा, नई श्रम संहिता में कर्मचारियों को बहुत फायदा होता हुआ नहीं दिख रहा है। मॉस्को स्थित हायर स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स के इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन में 'लीड रिसर्च फेलो' और ब्रिटेन के बाथ विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज में 'विजिटिंग' प्रोफेसर मेहरोत्रा ने कहा, दूसरी समस्या यह है कि 2024 के आंकड़ों के अनुसार देश में 61 करोड़ कर्मचारी हैं। उनमें मान लिया जाए कि एक-सवा करोड़ उपक्रम संगठित क्षेत्र में पंजीकृत हैं। चार श्रम संहिताओं पर नजर रखने के लिए श्रम निरीक्षक चाहिए। देश भर में इसके स्वीकृत पद 6,000 हैं लेकिन तीन से साढ़े तीन हजार ही कार्यरत हैं। इसका मतलब है कि इसे लागू पर निगरानी करना काफी मुश्किल है।

हालांकि, मानव संसाधन सेवाएं देने वाली कंपनी रैंडस्टैड इंडिया के जनरल काउंसिल डॉ. सचिन विराज का कहना है कि नई श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन भारत के प्रतिभा परिदृश्य में महत्वपूर्ण संरचनात्मक कदम है। श्रम संहिताएं सभी प्रकार के अनुबंधित और निश्चित अवधि के श्रमिकों को सार्थक लाभ प्रदान करती हैं और यह भारत के श्रम ढांचे में सबसे प्रगतिशील बदलावों में से एक है।

> कानून के मुताबिक कंपनी का एक मुख्य कार्य होता है और कुछ गैरमुख्य कार्य होते हैं। मुख्य कार्य में कांट्रैक्टर से कर्मचारी नहीं ले सकते हैं। उसके लिए फिक्स्ड टर्म पर ही कर्मचारी लेने हैं। यह उसी शर्त पर होगा जिस पर आप नियमित कर्मचारी को लेते हैं। आपको नियमित कर्मचारियों को जो सुविधा मिलती है, उसी शर्त पर ही नियुक्त करना होगा। अब सवाल है कि मुख्य कार्य और गैरमुख्य कार्यों को तय कौन करेगा। हास्यास्पद स्थिति यह है कि नियोक्ता निर्णय कर लेगा कि यह उसका प्रमुख कार्य है और यह गैर-प्रमुख कार्य है। - प्रो. संतोष मेहरोत्रा

अर्थशास्त्री प्रो. संतोष मेहरोत्रा के सवाल

- प्रो. मेहरोत्रा के मुताबिक कानून कहता है कि चाहे अनुबंध पर हो या फिर स्थाई कर्मचारी हो, उन पर वेतन और गैरवेतन नीति एक समान लागू है। संहिता में पेचीदगी यह है कि एक नए किस्म की श्रेणी 'फिक्स्ड टर्म' के लिए नियुक्त कर्मचारी सृजित की गई है, लेकिन फिक्स्ड टर्म में उन्होंने कोई समयसीमा नहीं लिखी है। यह बड़ी खामी और गलती है। नियोक्ता को इसका फायदा होगा।
- नए कानून के तहत अगर किसी कर्मचारी को सीधे नियुक्त किया गया है तो उसको उतनी ही सुविधाएं एवं लाभ देने होंगे, जो आप स्थाई कर्मचारी को देते हैं। कंपनियां अभी तक कॉन्ट्रैक्टर के जरिये कर्मचारी लेती हैं। ऐसे मामलों में कर्मचारियों का मूल नियोक्ता वह है जहां वह काम करता है लेकिन असलियत में कानून के तहत कांट्रैक्टर का कर्मचारी है। कानून इस विषय में कुछ नहीं कहता।
- कर्मचारियों की समस्या यह है कि जो अभी तक कॉन्ट्रैक्ट लेबर एक्ट था, उसे स्टैचू बुक (किताब) में ही छोड़ दिया गया है। इसका अर्थ यह है कि कंपनी के पास अब आजादी है कि वह चाहे तो कांट्रैक्टर से कामगार ले या फिर फिक्स्ड टर्म के लिए सीधे कर्मचारियों को नियुक्त कर ले। फिक्स्ड टर्म की समस्या यह है कि श्रम संहिता में समय अवधि को बड़ी होशियारी से कंपनी पर छोड़ दिया गया है।

शीर्ष सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 96,200.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस को हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 474.75 अंक या 0.55 प्रतिशत चढ़ा। बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 86,055.86 अंक के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया।

असम का 2023-24 का बजट हवा-हवाई

अत्यधिक अनुपूरक अनुदान भी संदिग्ध

गुवाहाटी, एजेंसी

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने असम सरकार के 2023-24 के बजट अनुमानों को 'अवास्तविक और अनुमान से कहीं अधिक' करार दिया है। कैग ने गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि कई मामलों में मूल आवंटित राशि को खर्च भी नहीं किया गया, फिर भी अनुपूरक अनुदान स्वीकृत कर लिए गए।

कैग ने इसके अलावा कई स्वायत्त परिषदों तथा अन्य निकायों द्वारा उपयोगिता प्रमाणपत्र तथा वार्षिक लेखे जमा न करने की बात भी कही। विधानसभा में शनिवार को पेश 2023-24 को राज्य वित्त संबंधी कैग रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष के दौरान राज्य सरकार के बजट अनुमान 'लगातार अवास्तविक और अधिक' बने रहे। राज्य ने 1,69,966.13 करोड़ रुपये के अनुदान एवं विनियोग के मुकाबले केवल 1,39,449.66 करोड़ रुपये ही खर्च किए, जिसके कारण कुल 30,516.47 करोड़ रुपये बच गए। यह बचत कुल अनुदान एवं विनियोग का 17.95 प्रतिशत थी।

- कैग ने कहा- मूल आवंटित राशि खर्च किए गए बगैर स्वीकृत कर लिए अनुपूरक अनुदान

रिपोर्ट में कहा गया कि यह बचत केवल कागजी थी, क्योंकि वास्तव में खर्च के लिए धन उपलब्ध ही नहीं था, क्योंकि वास्तविक प्राप्तियां अनुमानित 1,65,215.70 करोड़ रुपये के मुकाबले केवल 1,38,830.79 करोड़ रुपये ही थीं। कुल बची राशि में मात्र 0.35 प्रतिशत (107.08 करोड़ रुपये) ही वापस की गई, जिसके कारण अन्य विभाग इस राशि का इस्तेमाल नहीं कर पाए। इससे वित्तीय प्रबंधन की खराब स्थिति का संकेत मिलता है। कैग ने यह भी कहा कि वित्त विभाग लगातार बचत करने वाले विभागों की समीक्षा करने तथा उनके लिए यथार्थवादी बजट आवंटन और व्यय की निगरानी करे।

एमटीएनएल पर 5.42 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। शेयर बाजार एनएसई और बीएसई ने निदेशक मंडल में नियुक्ति से संबंधित नियमों का पालन नहीं करने के लिए कर्ज में डूबी सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी एमटीएनएल पर 5.42 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। एमटीएनएल ने शनिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसे नियमों के अनुसार चार और स्वतंत्र निदेशक नियुक्त करने हैं, लेकिन वह ऐसा करने में असमर्थ रही है।

ब्रिटिश एयरवेज की भारत में सेवा के विस्तार की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय विमानन बाजार में अविश्वसनीय क्षमता को देखते हुए ब्रिटिश एयरवेज बढ़ती यात्रा मांग को पूरा करने के साथ देश में रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए अपनी सेवाओं का विस्तार करेगी। एयरलाइन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

- सीओओ ने कहा- मजबूत मांग के कारण भारत में अद्भुत संभावनाएं

डी ग्रूट ने कहा, मांग जितनी मजबूत होती जा रही है, हम अपनी सेवाओं के विस्तार की निरंतर समीक्षा करते रहते हैं ताकि ग्राहकों को बेहतर संपर्क और विकल्प मिलते रहें।

भारत में 100 वर्षों से अधिक समय से परिचालन कर रही यह एयरलाइन वर्तमान में भारत से लंदन के लिए 56 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है। मुंबई से रोजाना तीन, दिल्ली से दो तथा हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई से रोजाना एक-एक उड़ान है। ब्रिटिश एयरवेज अगले साल से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लंदन के लिए तीसरी दैनिक उड़ान शुरू करने की योजना बना रही है, जिसके लिए नियामकीय मंजूरी का इंतजार है। ब्रिटिश एयरवेज के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) रेने डी ग्रूट ने कहा, मांग बढ़ने के साथ हम सेवाओं के विस्तार और यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने पर केंद्रित हैं। अमेरिका के बाद भारत ब्रिटिश एयरवेज का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। ग्रूट ने कहा कि स्थानीय कर्मचारी प्रीमियम और भाषाई बाधा रहित व्यक्तिगत सेवा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में हम लगातार रोजगार के अवसर पैदा कर क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं को सहयोग दे रहे हैं।

एमपीसी में रेपो दर .25% घटा सकता है आरबीआई

मुंबई, एजेंसी

मुद्रास्फीति का दबाव कम होने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी आगामी मौद्रिक नीति बैठक में प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत कम कर सकता है। हालांकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर 8.2 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि के मद्देनजर केंद्रीय बैंक ब्याज दर को स्थिर रख सकता है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति पिछले दो महीनों से सरकार के तय दायरे की निचली सीमा दो प्रतिशत से भी कम है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि अर्थव्यवस्था में आई तेजी के कारण आरबीआई ब्याज दरों को यथावत रख सकता है। यह तेजी राजकोषीय समेकन, लक्षित सार्वजनिक निवेश और जीएसटी दर कटौती जैसे विभिन्न सुधारों से समर्थित है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 3-5 दिसंबर 2025 तक होनी है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा पांच दिसंबर को समिति के फैसलों की घोषित करेंगे। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल फरवरी से दरों में कमी शुरू की थी और कुल एक प्रतिशत की कटौती करके रेपो दर को 5.5 प्रतिशत कर दिया था। अगस्त में कटौती रोक दी गई थी।

- अनुमान से अधिक वृद्धि और कम मुद्रास्फीति के बीच लेना है फैसला

कुछ विशेषज्ञों के अनुसार मुद्रास्फीति का दबाव कम होने से आरबीआई आने वाली मौद्रिक नीति बैठक में प्रमुख नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकता है। एचडीएफसी बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल वृद्धि अनुमान से अधिक और मुद्रास्फीति अनुमान से कम है। इसके मुताबिक, इसलिए आरबीआई के आगामी फैसले में कांटे की टक्कर रहेगी।

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

ईडी की शिकायत पर दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने दर्ज किया मामला

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत पर कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह कार्रवाई एजेंसी की धन शोधन जांच का हिस्सा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि पार्टी के शीर्ष नेताओं ने 'निजी लाभ' के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने तीन अक्टूबर को सोनिया गांधी, राहुल गांधी और सात अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। पुलिस ने प्राथमिकी में भारतीय दंड विधान की धारा 120बी (आपराधिक षड्यंत्र), धारा 403 (संपत्ति का दुरुपयोग), धारा 406 (आपराधिक विश्वासघात के लिए दंड) और धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत आरोप लगाए हैं, जिसमें गांधी परिवार, कांग्रेस नेता सुमन दुबे और सैम पित्रोदा के अलावा यंग इंडियन (वाईआई) और डोटेक्स मर्चेंडाइज लिमिटेड जैसे प्रतिष्ठानों, डोटेक्स के प्रवर्तक सुनील भंडारी, एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और अन्य अज्ञात लोगों के नाम शामिल हैं।

अप्रैल में दिल्ली की एक अदालत में दाखिल ईडी के आरोपपत्र में भी इन प्रतिष्ठानों का नाम आरोपी के तौर पर दर्ज है। अदालत ने अभी तक इस पर संज्ञान नहीं लिया है और अगली सुनवाई 16 दिसंबर को निर्धारित है। सूत्रों के अनुसार, ईडी ने पुलिस प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 66 (2) के तहत उपलब्ध शक्तियों का इस्तेमाल किया। यह धारा संघीय एजेंसी को कानून प्रवर्तन एजेंसी द्वारा आपराधिक मामला दर्ज करने के लिए साक्ष्य साझा करने की अनुमति देती है, ताकि वह जांच को आगे बढ़ाने के लिए धन शोधन का मामला दर्ज कर सके।

- सुमन दुबे, सैम पित्रोदा समेत कई और नाम भी हैं प्राथमिकी में

ये मोदी-शाह की प्रतिशोधात्मक राजनीति: कांग्रेस

कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि मोदी और शाह की जोड़ी उसके नेतृत्व के खिलाफ उत्पीड़न, धमकी और प्रतिशोध की राजनीति जारी रखे हुए है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा भी किया कि मामला पूरी तरह फर्जी है और आखिरकार न्याय की जीत होगी। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी-शाह की जोड़ी कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ उत्पीड़न, धमकी और प्रतिशोध की अपनी राजनीति जारी रखे हुए है। जो लोग धमकी देते हैं वे स्वयं असुरक्षित और भयभीत होते हैं। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्राथमिकी 'न तो नई शराब है, न नई बोतल और न ही नया गिलास। यह एक ऐसा अनोखा मामला है जहां न तो कोई पैसा इधर-उधर हुआ, न ही कोई अचल संपत्ति हस्तांतरित हुई है, फिर भी धन शोधन का मामला खोज लिया गया।

भाजपा ने कहा- भाषण देने के बजाय कांग्रेस लूट का हिसाब दे

नई दिल्ली। भाजपा ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रतिशोध की राजनीति के कांग्रेस के आरोप को रविवार को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कांग्रेस नेताओं से कहा कि वे भाषण देने के बजाय आधिकारिक तौर पर की गई लूट का हिसाब दें। वरिष्ठ भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि जब कांग्रेस नेताओं के खिलाफ निजी शिकायत दर्ज की गई थी, तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केंद्र की सत्ता में नहीं थे। उन्होंने कहा, यह मामला 2008 का है। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की, जब प्रवर्तन निदेशालय ने मामले की जांच के आधार पर कानून के प्रावधानों के तहत उन पर मामला दर्ज करने का अनुरोध किया।

दिल्ली नगर निगम उपचुनाव में 38.51 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के 12 वार्डों के लिए रविवार को हुए उपचुनाव में मतदाताओं की उदासीनता दिखाई दी। अधिकारिक जानकारी के अनुसार शाम 5:30 बजे तक बेहद कम मतदान 38.51 प्रतिशत हुआ। दिल्ली के मतदाताओं ने इस उपचुनाव को गंभीरता से नहीं लिया और मतदान करने नहीं निकले।

जहां दोपहर तक महज 21.84 प्रतिशत मतदान हुआ था वहीं शाम तक साढ़े पांच बजे तक लगभग 38.51 मतदान दर्ज किया गया। जानकारी के मुताबिक सबसे अधिक मतदान चांदनी महल में 55.93 प्रतिशत रहा, वहीं सबसे कम ग्रेटर कैलाश जैसे इलाके में मात्र 26.76 प्रतिशत रहा। इस उपचुनाव में 26 महिलाओं सहित 51 उम्मीदवार मैदान में हैं। जिनके भाग्य का फैसला बुधवार 3 दिसंबर को मतगणना के बाद होगा। अशोक विहार में 33.82 प्रतिशत, शालीमार बाग बी में 37.53 प्रतिशत, चांदनी चौक में 35.65 प्रतिशत, मुंडका में 44.5 प्रतिशत, द्विचाऊं कलां में 37.2 प्रतिशत, नारायणा में 42.76 प्रतिशत, संगम विहार ए में 44.4 प्रतिशत, दक्षिण पुरी में 40.23 प्रतिशत और विनोद नगर में 36.47 प्रतिशत मतदान हुआ।

न्यायाधीश बदलने पर फैसला रद्द नहीं किया जाना चाहिए: जस्टिस नागरत्ना

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि फैसलों को सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें लिखने वाले न्यायाधीश बदल गए हैं या पद छोड़ चुके हैं। उन्होंने शीर्ष अदालत की बाद की पीठों द्वारा फैसलों को पलटने की हाल की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की।

- सोनीपत में एक कार्यक्रम में हाल की ऐसी घटनाओं पर चिंता जताई

न्यायमूर्ति नागरत्ना शनिवार को हरियाणा के सोनीपत में ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि न्यायिक स्वतंत्रता की विकसित समझ यह अपेक्षा करती है कि ''हमारा विधिक तंत्र यह आश्वासन दे'' कि किसी न्यायाधीश द्वारा दिया गया फैसला समय की कसौटी पर कायम रहे, क्योंकि वह ''स्याही से लिखा जाता है, रेत पर नहीं''। उन्होंने कहा, कानूनी बिरादरी और प्रशासनिक ढांचे के सभी प्रतिभागियों का यह कर्तव्य है कि वे किसी निर्णय का सम्मान करें, केवल कानून में निहित परंपराओं के अनुसार ही आपत्तियां उठाएं और केवल इसलिए उसे खारिज न करें, क्योंकि चेहरे बदल गए हैं।

उच्चतम न्यायालय में एकमात्र महिला न्यायाधीश, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि न्यायपालिका देश के शासन का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा, उदारीकृत नियमों, व्यापक शक्तियों और विविध उपचारों के साथ, न्यायालय को अक्सर भारतीयों के भविष्य से संबंधित प्रश्नों की एक पूरी श्रृंखला पर निर्णय लेने के लिए कहा जाता है। आज न्यायपालिका को यह दायित्व निभाने वाला संस्थान माना जाता है कि कानून के शासन का पालन हर स्थिति में सुनिश्चित किया जाए, जब-जब उसका उल्लंघन हो। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने बताया कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता न केवल न्यायाधीशों द्वारा लिखे गए निर्णयों से सुरक्षित रहती है, बल्कि उनके व्यक्तिगत आचरण से भी सुरक्षित रहती है।

पर्यावरण मंजूरी और बीपीएसएल मामले में पलटे गए थे फैसले

शीर्ष अदालत ने हाल ही में अपने कुछ पुराने फैसलों को पलटा है। मई में पारित अपने उस आदेश को इस महीने की शुरुआत में वापस ले लिया था, जिसमें विकास परियोजनाओं के लिए पूर्वव्यापी पर्यावरणीय मंजूरी पर रोक लगा दी गई थी। भारत के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने 28 नवंबर को एक बिल्डर्स एसोसिएशन की समीक्षा याचिका को स्वीकार कर लिया और विभिन्न परियोजनाओं के लिए पूर्वव्यापी पर्यावरणीय मंजूरी पर प्रतिबंध हटा दिया। इस फैसले पर कई लोगों ने सवाल उठाए थे। इसी तरह, सितंबर में शीर्ष अदालत ने कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के माध्यम से भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) का अधिग्रहण करने के लिए स्टील प्रमुख जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड की 19,000 करोड़ रुपये से अधिक की बोली को बरकरार रखा, और मई के अपने आदेश को पलट दिया, जिसमें कंपनी के परिशोधन का निर्देश दिया गया था।

एलओसी से सटे पीओके में अब भी आतंकी लॉन्च पैड

श्रीनगर, एजेंसी

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिरीक्षक अशोक यादव ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किए जाने के बावजूद नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार कुछ आतंकवादी 'लॉन्च पैड' अब भी सक्रिय हैं।

यादव ने यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नियंत्रण रेखा के पार कई आतंकवादी लॉन्च पैड नष्ट कर दिए गए थे, लेकिन कुछ लॉन्च पैड अब भी सक्रिय हैं, जहां आतंकवादी मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बल आतंकवादियों द्वारा कश्मीर में घुसपैठ के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए सतर्क हैं। यादव ने कहा, सर्दियों से पहले पाकिस्तान की ओर से आतंकवादियों की घुसपैठ कराने की हमेशा कोशिश होती है। जैसा कि आप जानते हैं, इन दिनों दृश्यता कम होती है, लेकिन हमारे पास आधुनिक निगरानी उपकरण हैं और हम संवेदनशील इलाकों पर प्रभावी ढंग से नजर रख रहे हैं। हमारी कोशिश घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम करने की है। यादव ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' जारी है और पाकिस्तान द्वारा शांति को बाधित करने के किसी भी प्रयास का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

- बीएसएफ के आईजी ने कहा- फोर्स सीमा पर घुसपैठ रोकने को अलर्ट

वायु प्रदूषण के खिलाफ सिर्फ कागजों पर उपाय कर रही दिल्ली सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर करके राष्ट्रीय राजधानी में खतरनाक वायु प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। याचिका में कहा गया है कि पिछले कई वर्षों में दिल्ली में वायु गुणवत्ता में भारी गिरावट आई है और विशेष रूप से सर्दियों के दौरान वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) अक्सर बहुत खराब, गंभीर और खतरनाक श्रेणियों में पहुंच जाता है।

- दिल्ली हाईकोर्ट में जनहित याचिका अधिकारियों को बनाया पार्टी

याचिका में कहा गया है कि बढ़ते प्रदूषण के कारण बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और पहले से बीमार लोगों सहित निवासियों में लगातार गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। यह याचिका ग्रेटर कैलाश-2 वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा दायर की गई है। इसमें अदालत से शहर के वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक, दोनों तरह के प्रभावी और वैज्ञानिक उपाय करने का आदेश देने का आग्रह किया गया है। याचिका में कहा गया है कि वायु गुणवत्ता में लगातार गिरावट के बावजूद प्राधिकारी वस्तुतः निष्क्रिय बने हुए हैं, तथा उन्होंने चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (जीआरएपी) के तीसरे चरण के उपाय तभी लागू किये गए, जब एक्यूआई अपने गंभीर स्तर को पार कर गया।

आरोप लगाया गया कि सरकार ने वास्तविक कार्यान्वयन सुनिश्चित किए बिना केवल कागज पर उपाय निर्धारित करने तक ही खुद को सीमित रखा है। याचिका में कहा गया, आज तक कोई वास्तविक या पर्याप्त जमीनी कदम नहीं उठाया गया, बल्कि विलंबित और दिखावटी कार्रवाई से केवल देरी हुई है, लोगों के जीवन और स्वास्थ्य को लापरवाही से खतरे में डाला गया है और वर्तमान सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल की गंभीरता के प्रति पूर्ण उपेक्षा प्रदर्शित की गई है। इसमें कहा गया है कि विशेषज्ञों ने 21 नवंबर को 'रेड अलर्ट' जारी कर चेतावनी दी है कि दिल्ली की हवा 'जीवन के लिए, खतरनाक' हो गई है, फिर भी अधिकारियों द्वारा कोई ठोस या प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। याचिका में दिल्ली सरकार, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण समिति, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, दिल्ली नगर निगम और दिल्ली पुलिस को प्रतिवादी पक्ष बनाया गया है।

कैलिफोर्निया: गोलीबारी में चार लोगों की गई जान

- गोली लगने से 10 लोग घायल अस्पताल में भर्ती कराए गए

स्टॉकटन, एजेंसी

कैलिफोर्निया के स्टॉकटन शहर में एक बैंक्वेट हॉल में एक समारोह के दौरान की गई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई जबकि 10 अन्य घायल हो गए। शेरिफ कार्यालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। सैन जोएकिन काउंटी के शेरिफ कार्यालय की प्रवक्ता हीदर ब्रेंट ने कहा कि पीड़ितों में बच्चे और वयस्क दोनों शामिल हैं और प्रारंभिक संकेतों के अनुसार यह लक्षित हमले का मामला हो सकता है।

स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध हमलावर को अब तक पकड़ा नहीं गया है और उन्होंने लोगों से मदद की अपील की है। सैन जोएकिन काउंटी के जिला अटॉर्नी रॉन फ्रेटास ने संवाददाताओं से कहा, यदि आपके पास इस व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी है तो तुरंत संपर्क करें और यदि आप वही व्यक्ति हैं तो तुरंत आत्मसमर्पण कर दें। गोलीबारी शाम छह बजे से ठीक पहले बैंक्वेट हॉल के अंदर हुई। स्टॉकटन की आबादी 3.2 लाख है और यह सैक्रामेंटो से लगभग 64 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। मेयर क्रिस्टिना फुगाजी ने कहा कि लोगों को घायलों के शीघ्र स्वस्थ्य होने की प्रार्थना करनी चाहिए। घायलों की स्थिति के बारे में जानकारी नहीं दी।

वेनेजुएला ने अमेरिकी धमकी की निंदा की

काराकास। वेनेजुएला ने शनिवार को अमेरिका के उसके हवाईक्षेत्र को बंद करने की धमकी को देश के लोगों के खिलाफ एक और फालतू, गैर-कानूनी और गलत हमला बताते हुए इसकी निंदा की है। एक आधिकारिक बयान में काराकस ने वेनेजुएला पर अलौकिक क्षेत्राधिकार लागू करने की अमेरिका की कोशिश को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि इससे उसके देश की राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को खतरा है। दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को पहले कहा था कि वेनेजुएला के ऊपर और आसपास के हवाईक्षेत्र को पूरी तरह से बंद माना जाना चाहिए।

विकसित देशों में सुरक्षा चूक: बढ़ती चिंता

विकसित देशों में सुरक्षा चूक एक बढ़ती चिंता का विषय है, जो न केवल इन देशों की सुरक्षा को खतरे में डालती है बल्कि वैश्विक सुरक्षा को भी प्रभावित करती है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी जैसे देशों में हाल के वर्षों में कई सुरक्षा चूक की घटनाएं हुई हैं। व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आवास एवं कार्यालय) के पास बुधवार को हुई गोलीबारी की घटना में वेस्ट वर्जीनिया नेशनल गार्ड की मौत और स्टाफ सार्जेंट गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अफगान नागरिक रहमानुल्लाह लकनवाल पर घटना को अंजाम देने के आरोप लगाए गए हैं। इस घटना ने विकसित देशों में सुरक्षा चूक की चिंता बढ़ा दी है। आइये जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं और निदान के बारे में।

सुरक्षा चूक पर लगाम जरूरी

- **सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करना :** विकसित देशों को अपनी सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करना होगा, जिसमें सुरक्षा एजेंसियों को अधिक संसाधन प्रदान करना, सुरक्षा प्रोटोकॉल को अद्यतन करना और सुरक्षा कर्मियों को प्रशिक्षित करना शामिल है।
- **वैश्विक स्तर पर सहयोग करना :** विकसित देशों को वैश्विक स्तर पर सहयोग करना होगा, जिसमें आतंकवाद के खिलाफ लड़ने के लिए एक साझा रणनीति बनाना, सुरक्षा जानकारी को साझा करना और आतंकवादी संगठनों के खिलाफ साझा कार्रवाई करना शामिल है।
- **सामाजिक-आर्थिक विकास पर ध्यान देना :** विकसित देशों को सामाजिक और आर्थिक विकास पर ध्यान देना होगा, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर प्रदान करना शामिल है। इससे आतंकवाद के प्रति आकर्षित होने वाले लोगों की संख्या कम हो सकती है।

कुछ महत्वपूर्ण घटनाएं

- **अमेरिका :** 2025 में व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड पर गोलीबारी, जिसमें एक जवान की मौत दूसरा घायल। 2019 में एल पासो में गोलीबारी, जिसमें 22 लोग मारे गए थे और 24 घायल हुए थे। 2018 में पिट्सबर्ग में सिनेगॉग में गोलीबारी, जिसमें 11 लोग मारे गए थे और 6 घायल हुए थे।
- **ब्रिटेन :** 2017 में लंदन ब्रिज पर आतंकी हमला, जिसमें 8 लोग मारे गए थे और 48 घायल हुए थे। 2017 में मैनचेस्टर एरीना पर आतंकी हमला, जिसमें 22 लोग मारे गए थे और 500 घायल हुए थे। 2019 में लंदन ब्रिज पर दूसरा आतंकी हमला, जिसमें 2 लोग मारे गए थे और 3 घायल हुए थे।
- **फ्रांस :** 2015 में पेरिस में आतंकी हमला, जिसमें 130 लोग मारे गए थे और 350 घायल हुए थे। 2016 में नीस में आतंकी हमला, जिसमें 86 लोग मारे गए थे और 450 घायल हुए थे। 2019 में पेरिस में आतंकी हमला, जिसमें 1 पुलिस अधिकारी मारा गया था और 2 घायल हुए थे।
- **जर्मनी :** 2016 में बर्लिन में आतंकी हमला, जिसमें 12 लोग मारे गए थे और 48 घायल हुए थे। 2017 में हैम्बर्ग में आतंकी हमला, जिसमें एक पुलिस अधिकारी मारा गया था और 6 घायल हुए थे। 2019 में हाले में आतंकी हमला, जिसमें 2 लोग मारे गए थे और 2 घायल हुए थे।

अमेरिका में शरण देने पर पाबंदी

नेशनल गार्ड के सदस्यों पर गोलीबारी के बाद अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने विदेशी नागरिकों को शरण देने संबंधी सभी फैसलों पर और अफगान पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले लोगों को वीजा देने पर रोक लगा दिया है। वॉशिंगटन में गोलीबारी में नेशनल गार्ड के जवान की मौत की घटना के बाद प्रशासन ने वैध आव्रजन को नियंत्रित करने के प्रयासों को और तेज कर दिया है। जांच अधिकारी इस हमले की मंशा का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। रिपब्लिकन प्रशासन ने कुछ गरीब देशों से नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश को रोकने तथा अन्य वैध प्रवासियों की समीक्षा करने का वादा किया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

इराक में गोलीबारी में एक सैनिक की मौत

बगदाद। दक्षिणी इराक के मायसन प्रांत में शनिवार को हुई गोलीबारी में एक सैनिक की मौत हो गई और एक घायल हो गया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह घटना अल-कहला इलाके में सुरक्षा बनाए रखने और वांछित लोगों को गिरफ्तार करने के लिए बनायी गयी एक जांच चौकी पर आकस्मिक जांच के दौरान हुई। मंत्रालय ने कहा कि चार लोगों को ले जा रहा एक पिकअप ट्रक जांच चौकी पर रुका नहीं और उसने अचानक रास्ता बदल लिया। जब सुरक्षा बलों ने गाड़ी का पीछा किया तो संदिग्धों ने सैनिकों पर गोलियां चला दीं, जिससे एक सैनिक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया।

यमन में अल-कायदा के दो आतंकी मारे गए

सना। यमन में मारिब प्रांत के पूर्व में अल वादी जिले के अल-हुसून इलाके में शनिवार को एक अमरीकी ड्रोन हमले में अल-कायदा के दो कथित आतंकवादी मारे गए। एक स्थानीय सरकारी सुरक्षा सूत्र ने कहा कि दोनों युवक अल-वादी ज़िले के थे, लेकिन उन्होंने अपने नाम नहीं बताए। यह हमला यमन में चल रहे आतंकवाद निरोध अभियान के बीच हुआ, जहाँ अमरीकी ड्रोन ने समय-समय पर उन लोगों को निशाना बनाया है जिनके बारे में माना जाता है कि वे अल-कायदा समेत आतंकवादी समूह से जुड़े हैं।

पूर्वी फ्रांस में आग लगने से पांच लोगों की मौत

न्यूवेस-मैसन्स। पूर्वी फ्रांस के एक छोटे कस्बे में एक घर में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को बताया कि न्यूवेस-मैसन्स शहर में लगी आग पर काबू पाने के लिए रातभर 70 दमकलकर्मी और लगभग 40 वाहनों को तैनात किया गया था। इस घटना की नैंसी के अभियोजक कार्यालय ने जांच शुरू की है। उन्होंने बताया कि धुएं के कारण श्वांस लेने में परेशानी महसूस करने वाले छठे व्यक्ति का उपचार किया गया और उसका जीवन खतरे से बाहर है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पीड़ितों में दंपति और 17 से 20 वर्ष की आयु के तीन युवा शामिल थे।

23 क्विंटल मादक पदार्थ जलाकर नष्ट

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले में जब्तशुदा 23 क्विंटल से अधिक मादक पदार्थ पुलिस ने जलाकर नष्ट किये । पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने रविवार को बताया कि जिले के पुलिस थानों के मालखाना में जब्तशुदा मादक पदार्थों को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह, पुलिस निरीक्षक जोधाराम, थानाधिकारी चन्देरिया सुनीता गुर्जर सहित संबंधित 16 थानों के थाना प्रभारी की उपस्थिति में जलाया गया।

तमिलनाडु में चक्रवात दितवा के कारण भारी बारिश में तीन की मौत, जलभराव

अगले 24 घंटों में चक्रवात के राज्य के उत्तरी हिस्सों के तटों और पुडुचेरी के समानांतर बढ़ने की संभावना

- तटीय शहरों रामेश्वरम और नागपट्टिनम में जनजीवन प्रभावित

चेन्नई, एजेंसी

चक्रवात दितवा के प्रभाव से तमिलनाडु के कई हिस्सों में भारी बारिश जारी है जबकि वर्षा से जुड़ी घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। मौसम कार्यालय ने कहा कि अगले 24 घंटों में चक्रवात के राज्य के उत्तरी हिस्सों के तटों और पड़ोसी पुडुचेरी के समानांतर बढ़ने की संभावना है। तमिलनाडु के कावेरी डेल्टा जिलों में भारी बारिश के कारण रामनाथपुरम और नागपट्टिनम जिलों में भारी बारिश हुई है। तटीय शहरों रामेश्वरम और नागपट्टिनम में जनजीवन प्रभावित रहा क्योंकि भारी बारिश के कारण कई निचले इलाके जलमग्न हो गए।

क्षेत्रीय मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवात 7 किमी प्रति घंटे की गति से लगभग उत्तर की ओर बढ़ गया है और यह कुड्डालोर से लगभग 100 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, कराईकल से 100 किमी उत्तरपूर्व, पुडुचेरी से 110 किमी दक्षिणपूर्व, वेदारण्यम से 140 किमी उत्तरपूर्व, पुडुचेरी से 160 किमी दक्षिणपूर्व और चेन्नई से 180 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व में केंद्रित है। मौसम विभाग द्वारा रविवार दोपहर कहा गया है कि उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों से चक्रवात के केंद्र की न्यूनतम दूरी लगभग 70 किमी है। कहा गया है कि अगले 24 घंटों के दौरान इसके उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों के समानांतर उत्तर की ओर बढ़ने की प्रबल संभावना है। उत्तर की ओर बढ़ते हुए, चक्रवाती तूफान 30 नवंबर तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर न्यूनतम 60 किमी और तमिलनाडु-पुडुचेरी तटरेखा से 30 किमी की दूरी पर केंद्रित होगा। चक्रवात के प्रभाव के कारण, अगले 24 घंटों में कुड्डालोर, नागापट्टिनम, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू, पुदुक्कोट्टई, तंजावुर, तिरुवरूर, अरियालुर, पेरम्बलुर, तिरुचिरापल्ली, चेन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर और रानीपेट जिलों तथा पुडुचेरी और कराईकल में कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

चेन्नई : चक्रवात दितवा के कारण कासिमेदु समुद्र तट पर उठ रहीं ऊंची लहरें। • एजेंसी

श्रीलंका में चक्रवात के कारण 193 की मौत, बचाव अभियान जारी

कोलंबो। श्रीलंका ने चक्रवात दितवा के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही और 190 से अधिक लोगों की मौत के बाद रविवार को भारत की सहायता से राहत और बचाव कार्य जारी रखा। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) की ओर से रविवार दोपहर 12 बजे जारी किए गए ताजे आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार से अब तक 193 लोगों की मौत हो चुकी है और 228 लोग लापता हैं। डीएमसी ने बताया कि 9,68,304 लोग प्रभावित हुए हैं। इस बीच, भारत की राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और भारतीय वायुसेना के कर्मी लोगों की जान बचाने में श्रीलंकाई अधिकारियों की सहायता के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि एनडीआरएफ के कर्मी श्रीलंका में स्थानीय अधिकारियों के साथ करीबी समन्वय के तहत राहत अभियान जारी रखे हुए हैं।

भारतीय भाषाओं की घटती पहचान चिंताजनक : भागवत

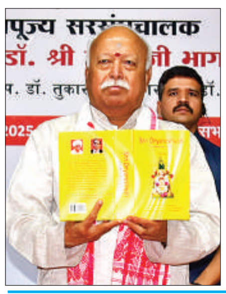

- नागपुर में आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बोले आरएसएस प्रमुख
- संघ प्रमुख ने कहा-कुछ भारतीयों को अब अपनी ही भाषाओं का ज्ञान नहीं

नागपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को दैनिक जीवन में भारतीय भाषाओं की घटती उपस्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि स्थिति इतनी बिगड़ गई है कि कुछ भारतीयों को अब अपनी ही भाषाओं का ज्ञान नहीं रहा है। भागवत ने नागपुर में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बोलते हुए, लोगों से इस बात पर विचार करने का आग्रह किया कि भारत की भाषाई विरासत किस प्रकार धीरे-धीरे खत्म हो रही है। उन्होंने याद दिलाया कि एक समय था जब संस्कृत देश में संचार, ज्ञान साझा करने और दैनिक कार्यों का प्राथमिक माध्यम थी। उन्होंने टिप्पणी की, आज, अक्सर विदेशी विद्वान हमें संस्कृत सिखाते हैं, जबकि इसके विपरीत होना चाहिए था।

भागवत ने कहा कि कई बच्चे अपनी मातृभाषा के बुनियादी शब्द ज्ञान में भी संघर्ष करते हैं और अक्सर घरों में अंग्रेजी और अपनी मूल भाषाओं के मिश्रण में बात करते हैं। उनके अनुसार, यह समस्या अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा से उत्पन्न नहीं होती है, बल्कि परिवारों द्वारा अपने घरों के भीतर भारतीय भाषाओं का उपयोग नहीं करने के निर्णय से आती है। उन्होंने कहा कि अगर हम केवल अपने घरों में अपनी भाषाओं का सही ढंग से उपयोग करने की आदत बना लें, तो स्थिति में सुधार होगा। लेकिन हम ऐसा नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक नेता भी वैश्विक संदर्भों में अंग्रेजी में दर्शकों को संबोधित करते हैं, जो समझ में आता है, फिर भी यह बदलती भाषाई प्राथमिकताओं को दर्शाता है। आरएसएस प्रमुख ने संत ज्ञानेश्वर का उदाहरण देते हुए, इस बात पर प्रकाश डाला कि संत ने भगवद गीता के सार को आम लोगों के लिए सुलभ बनाने हेतु मराठी में कैसे अनुवादित किया। उन्होंने तर्क दिया कि भारतीय भाषाओं में व्यक्त किए गए विचारों की गहराई को व्यक्त करने में अंग्रेजी अक्सर विफल रहती है। उदाहरण के लिए कल्पवृक्ष जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शब्द, जब अनुवादित किए जाते हैं, तो अपना बहुत अर्थ खो देते हैं।

समाज कल्याण की शिक्षा देती हैं भारतीय परंपराएं

संघ प्रमुख ने जोर दिया कि भारतीय परंपराएं व्यक्तियों को व्यक्तिगत लाभ से परे सोचने और परिवार तथा समाज के कल्याण पर विचार करने की शिक्षा देती हैं। उन्होंने कहा कि यह ज्ञान सदियों से विभिन्न रूपों और अभिव्यक्तियों के माध्यम से संप्रेषित किया गया है। आरएसएस प्रमुख ने भगवद गीता की व्याख्याओं को संबोधित करते हुए, कहा कि यह पाठ ज्ञान को प्राथमिकता देता है या कर्म को, इस बारे में चर्चाएं पाठ के समग्र संदेश को याद करती हैं।

चांद से मिट्टी के नमूने लाएगा चंद्रयान-4

- इसरो चीफ नारायणन बोले-यह हमारे लिए सबसे जटिल प्रयास

चेन्नई, एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 2028 तक भारी लैंडर और रोवर के साथ चंद्रयान-4 लूनर मिशन लॉन्च करने की योजना बना रहा है जो प्रयोग के लिए चांद से नमूने लेकर धरती पर वापस आएगा। इसरो चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन ने शनिवार शाम यहां एक निजी विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह में कहा कि इस मिशन में उनके खास पेलोड, लैंडर और रोवर का वज़न अधिक होगा।

ये चांद की सतह से नमूने लेंगे। यह क्षमता अभी सिर्फ़ अमेरिका, रूस और चीन ने दिखाई है। डॉ नारायणन ने बताया कि जहां चंद्रयान-3 के लैंडर का वज़न सिर्फ 1600 किलो था, वहीं चंद्रयान-4 के लैंडर का वज़न 6,800 किलोग्राम होगा। इसी तरह, चंद्रयान-3 के रोवर का वज़न सिर्फ 25 किलो था, जबकि नए चंद्रयान के रोवर का वज़न 350 किलो होगा। चांद की मिट्टी के नमूने वापस लाने के लिए तैयार किया जा रहा चंद्रयान-4 मिशन इसरो का सबसे जटिल प्रयास होगा। डॉ. नारायणन ने विद्यार्थियों के साथ इसरो के कई कार्यक्रम साझा किये जिन पर अभी काम जारी है। इसमें 2040 में एक स्पेस स्टेशन बनाना, चांद पर मानवयुक्त मिशन और 40 मंज़िला इमारत के बराबर ऊंचाई वाला अब तक का सबसे ऊंचा रॉकेट बनाना शामिल है।

उन्होंने कहा कि अभी पृथ्वी की कक्षा में 57 भारतीय उपग्रह हैं जिनका टीवी प्रसारण, दूरसंचार, टेली-शिक्षा, टेली-चिकित्सा, पृथ्वी अवलोकन, आपदा चेतावनी और शमन, रेलगाडियों के आवागमन संबंधी आंकड़ों के अलावा समुद्र में संभावित मछली पकड़ने के क्षेत्रों की निगरानी जैसे ज़रूरी क्षेत्रों में आवश्यक अनुप्रयोग हो रहा है।

हांगकांग आग से मृतकों की संख्या बढ़कर 146 हुई

बीजिंग/हांगकांग। हांगकांग में सात ऊंची आवासीय इमारतों में लगी आग में मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर 146 हो गई, जबकि 150 लोगों का अब भी पता नहीं चल पाया है। तलाशी अभियान पांचवें दिन भी जारी है। भ्रष्टाचार निरोधक निकाय ने बुधवार को आग लगने वाली इमारतों के नवीकरण कार्य से जुड़ी एक महिला सहित आठ लोगों को ज्वलनशील और घटिया सामग्री का उपयोग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि अग्निकांड में मरने वालों की संख्या 146 हो गई है, जिसमें एक अग्निशमनकर्मी भी शामिल है।

नेतन्याहू ने राष्ट्रपति से मांगा क्षमादान

- अपने खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार केस के बीच किया अनुरोध

यरूशलम, एजेंसी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया है कि वे उन्हें भ्रष्टाचार के आरोपों से क्षमादान प्रदान करें। नेतन्याहू ने ऐसा करके लंबे समय से जारी भ्रष्टाचार के उस मुकदमे पर रोक का प्रयास किया है जिसने देश को बुरी तरह विभाजित कर दिया है।

नेतन्याहू इन आरोपों को लेकर देश की न्याय व्यवस्था के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह अनुरोध क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलावों के दौर में देश को एकजुट करने में मदद करेगा। हालांकि नेतन्याहू के विरोधियों ने तुरंत इसकी निंदा की और कहा कि इससे इजराइल की लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होंगी और यह खतरनाक संदेश जाएगा कि वह कानून के शासन से ऊपर हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि नेतन्याहू ने राष्ट्रपति कार्यालय के कानूनी विभाग को क्षमादान का अनुरोध प्रस्तुत किया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने इसे एक असाधारण अनुरोध बताया, जिसके महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं।

तीन अलग-अलग मामलों में मुकदमे

नेतन्याहू इजराइली इतिहास में एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो तीन अलग-अलग मामलों में धोखाधड़ी, विश्वासघात और रिश्वत के आरोपों को लेकर मुकदमे का सामना कर रहे हैं। उन पर धनी राजनीतिक समर्थकों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। नेतन्याहू ने आरोपों को खारिज किया है और इस मामले की निंदा करते हुए इसे मीडिया, पुलिस और न्यायपालिका द्वारा साजिश के तहत निशाना बनाये जाने का आरोप लगाया है। यह अनुरोध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इजराइल से नेतन्याहू को क्षमा करने का आग्रह करने के कुछ सप्ताह बाद आया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 1 दिसंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 19 .01 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

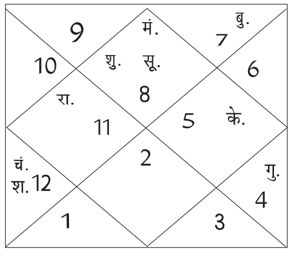

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-रेवती 23 .18 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष — आज आपको परेशानियों का अनुभव करना पड़ सकता है। अचानक बड़े खर्च सामने आने आ सकते हैं। गैस और कब्जियत की समस्या होने की आशंका है। दूसरों के मामले में बिना मांगे सलाह न दें। आपको अपनी छवि की चिंता रहेगी।

वृष — आज आपकी कार्यशैली से लोग प्रभावित रहेंगे। गंभीर विषयों पर चर्चा करने का विचार बनाएंगे। नई नौकरी ढूंढ रहे हैं, तो आपको सफलता मिलेगी। प्रबंधन संबंधी कार्यों के लिए दिन बहुत शुभ है। पार्टनरों के साथ मतभेद दूर होंगे।

मिथुन — आज लापरवाही में काम बिगड़ने की आशंका है। व्यापार में तरक्की मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। समय का दुरुपयोग न करें। लंबित मामलों को निपटाने में व्यस्त रहेंगे। नए तरीके से काम करने के अवसर मिलेंगे। गुप्त शत्रु आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं।

कर्क — आज व्यापार में बेहतरीन अवसर मिलेंगे। कला क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ नहीं है। व्यर्थ के कार्यों में आपका समय बर्बाद हो सकता है। कार्यक्षेत्र में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। गैर-जरूरी वस्तुओं को खरीदने पर आपका धन खर्च होगा।

सिंह — आज जॉब में छोटी-मोटी परेशानियां लगी रहेंगी। सहकर्मी आपका विरोध कर सकते हैं। कृषि कार्यों से धन लाभ होगा। संपत्ति विवादों का निपटारा होने के योग बन रहे हैं। बातचीत के दौरान गलत शब्दों का चयन न करें।

कन्या — आज अधिकारी वर्ग आपकी काफी प्रशंसा करेगा। नया काम शुरू करने के लिए दिन बहुत अच्छा है। काम के अतिरिक्त बोझ के बावजूद आप काफी अच्छा महसूस करेंगे। प्रेमीजन से अपने प्रेम अभिव्यक्त कर सकते हैं।

तुला — आज व्यापार में उत्पादन क्षमता बढ़ने से प्रसन्नता होगी। सामाजिक कार्यों में संलग्न रहेंगे। परिवार में आपका प्रभाव बढ़ेगा। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। मार्केटिंग से जुड़े कार्यों में विशेष सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक — आज कानूनी मामलों में सफलता मिलेगी। भविष्य को लेकर थोड़े आशंकित हो सकते हैं। तनावपूर्ण स्थितियों के बाद भी आप अपना काम अच्छी तरह से कर लेंगे। दांपत्य जीवन का आनंद उठाएंगे। पुराने मित्रों से आपकी मुलाकात होगी।

धनु — आज बड़ा महत्वपूर्ण काम करना उचित नहीं है। महत्वपूर्ण सामान गुम हो सकता है। आपको एक साथ कई काम करने से बचना चाहिये। जॉब में परेशानियाँ बढ़ने की आशंका है। शत्रु पक्ष आपको परेशान कर सकते हैं। मित्रों के साथ अनबन हो सकती है।

मकर — आज मनोरंजन के भरपूर अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में पदोन्नति मिलने के योग बन रहे हैं। व्यापार में लाभ की स्थितियां बनेंगी। आपकी कोई योजना सफल हो सकती है। वैवाहिक संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय शुभ है।

कुंभ — आज नई संपत्ति में निवेश कर सकते हैं। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आप काम के अलावा अन्य गतिविधियों पर भी ध्यान देंगे। परिवार के सदस्यों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है।

मीन — आज आपके चलते हुए काम रुक सकते हैं। उच्च अधिकारी आपसे विरोध व्यक्त कर सकते हैं। उच्च शिक्षा में बाधा आ सकती है। अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान रहें। किसी बुजुर्ग के सेहत की चिंता रहेगी। काम के दबाव में स्वयं को फंसा हआ महसूस करेंगे।

सुडोकू -177

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
			1					
6			7					
							7	
	8							
					5			
		7						3
			2					

सुडोकू - 176 का हल

9	5	8	4	6	1	2	3	7
4	7	3	9	5	2	8	6	1
6	2	1	3	7	8	5	4	9
7	6	5	8	1	4	3	9	2
8	3	2	6	9	5	7	1	4
1	9	4	2	3	7	6	5	8
2	4	6	1	8	3	9	7	5
3	8	7	5	4	9	1	2	6
5	1	9	7	2	6	4	8	3

> अगर मैं कहूं कि हम आखिर में नर्वस नहीं हुए थे तो यह झूठ होगा। हम वनडे क्रिकेट काफी समय बाद खेल रहे थे। लेकिन हम लगातार विकेट लेते रहे और हमारे गेंदबाजों ने अपनी योजनाओं पर टिके रहकर गेंदबाजी की।
>
> -केएल राहुल, कप्तान

स्टेडियम

कानपुर नगर, सोमवार, 1 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

हरमनप्रीत कौर ने पिंक सिटी हॉफ मैराथन को हरी झंडी दिखाई

जयपुर : विश्व कप विजेता भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 'रन फॉर जीरो हंगर' अभियान के तहत यहां पिंक सिटी हाफ मैराथन के 10वें सत्र को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मैराथन में तीन श्रेणियां शामिल थीं। पेशेवर धावकों के लिए 21 किमी हाफ मैराथन, मध्यम धावकों के लिए 10 किमी 'कूल रन' के अलावा पांच किमी का 'ड्रीम रन (परिवार के साथ दौड़ने वालों और शौकिया धावकों के लिए) इस आयोजन में 'रन फोर जीरो हंगर' अभियान के समर्थन में लगभग 15,000 धावकों ने भाग लिया और नंदघरों में बच्चों के लिए एक लाख पोषण पैक जुटाए।

ला लीगा : बार्सिलोना ने अल्वेस को हराया

बार्सिलोना : राफिन्हा के शानदार खेल और दानी ओल्मो के दो गोल की मदद से बार्सिलोना ने ला लीगा में अल्वेस पर 3-1 से जीत दर्ज की। राफिन्हा ने टीम के शुरुआती दो गोल में मददगार की भूमिका निभाई जबकि युवा लामिन यामन ने भी एक गोल करने के साथ एक गोल में मददगार की भूमिका निभाकर लय में वापसी के संकेत दिए। इस जीत से टीम को चैंपियंस लीग में पिछले सप्ताह चेल्सी से मिली 0-3 की हार से उबरने में मदद मिलेगी। आगे कर दिया।

भारत- अफगानिस्तान के बीच फाइनल रद्द

बेंगलुरु : भारत अंडर-19 और अफगानिस्तान अंडर-19 के बीच एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज का फाइनल मैच खराब मौसम की वजह से रविवार को यहां रद्द हो गया। भारत अंडर-19 टीम 19 ओवर में पांच विकेट पर 79 रन बनाकर जूझ रही थी जब बारिश और खराब रोशनी की वजह से खेल रोकना पड़ा जो दोबारा शुरू नहीं हो पाया।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को पहले वनडे में 17 रनों से हराया

कोहली ने बनाया 52वां शतक, रोहित शर्मा ने भी खुद को साबित किया

135 रन
120 गेंद
11 चौके
7 छक्के

रांची, एजेंसी

भारत ने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली (135 रन) के 52वें वनडे शतक के बाद तेज गेंदबाज हर्षित राणा (तीन विकेट) और कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव (चार विकेट) के झटकों की बदौलत रविवार को यहां पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली। दूसरा वनडे तीन दिसंबर को रायपुर में खेला जाएगा।

कोहली ने 120 गेंद की तेज पारी के दौरान 11 चौके और सात छक्के जमाए जिससे भारत ने आठ विकेट पर 349 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। क्रिकेट के एकमात्र इस प्रारूप में खेलने वाले कोहली ने फिर अपनी अहमियत और दबदबे को साबित किया। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए रोहित शर्मा (51 गेंद में 57 रन) के साथ 136 रन की साझेदारी करके जेएससीए स्टेडियम की सपाट पिच पर भारत के बड़े स्कोर की नींव रखी। कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल ने 56 गेंद में 60 रन की अर्धशतकीय पारी खेली और रविंद्र जडेजा ने 20 गेंद में 32 रन का योगदान दिया। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत काफी खराब हुई, उससे 11 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। पर मैथ्यू बीट्जके (72 रन), मार्को यानसन (70 रन) और कॉर्बिन बॉश (67 रन) ने शानदार अर्धशतकीय पारियां खेली लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके जो 49.2 ओवर में 332 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। कुलदीप ने 68 रन देकर चार विकेट और हर्षित राणा ने 65 रन देकर तीन विकेट झटके। अर्शदीप सिंह को दो विकेट मिले। प्रसिद्ध कृष्णा ने अंतिम बल्लेबाज बॉश को आउट करके भारत को जीत दिलाई। कोहली अब टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं खेलते हैं और अगले आठ महीनों में भारत को सिर्फ छह वनडे मैच खेलने हैं इसलिए 36 साल के इस क्रिकेटर के लिए इस प्रारूप का हर मैच अब अहमियत रखता है। उन्होंने अपनी पारी से चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन को याद दिलाया कि वह इस प्रारूप में भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज बने हुए हैं। रोहित के पास भी खुद को साबित करने का एक शानदार मंच था। उन्होंने एक रन पर मिले जीवनदान का फायदा उठाया और मार्को यानसन की गेंद पर पगबाधा होने से पहले अर्धशतक ही बना सके। क्रिकेट प्रेमी कोहली और रोहित की बड़ी पारी खेलने के लिए बेकरार हैं और दोनों के बीच 136 रन की भागीदारी इन दोनों खिलाड़ियों का ही आत्मविश्वास नहीं बढ़ाएगी बल्कि टीम प्रबंधन को भी भरोसा देगी कि वे अब भी बड़े मंच के स्टार हैं और भारत के लिए अभी और खेल सकते हैं। पिच सपाट थी लेकिन दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने भी सही लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी नहीं की। यानसन के अलावा नांद्रे बर्गर, कॉर्बिन बॉश और ओटनील बार्टमैन ने दो दो विकेट झटके। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (18 रन) बर्गर की गेंद पर बल्ला छुआकर आउट हो गए जिसके बाद कोहली क्रीज पर उतरे। रांची के दर्शकों को रोहित-कोहली (रो-को) की जोड़ी से जैसे प्रदर्शन की उम्मीद थी, उन्होंने वैसा ही खेल दिखाया। रोहित को बर्गर की गेंद पर टोनी डी जोर्जी ने कैच छोड़कर जीवनदान दे दिया और इस बल्लेबाज ने इसका फायदा उठाते हुए यानसन और बॉश के खिलाफ लगातार बाउंड्री लगा दीं। उन्होंने यानसन पर पांच गेंद के अंदर दो बाउंड्री लगाईं और बॉश की अंदर आती गेंदों को आसानी से फ्लिक किया और शॉर्ट गेंदों को पुल किया। कोहली शानदार फॉर्म में दिख रहे थे और उन्होंने बर्गर की गेंद पर मिड-ऑफ के ऊपर से छक्का मारकर अपने इरादे स्पष्ट किए। इसके बाद उन्होंने एक शानदार कवर ड्राइव लगाया।

भारत

349/8 (50 ओवर)

यशस्वी का डिकॉक बो बर्गर	18
रोहित शर्मा पगबाधा यानसन	57
कोहली का रिकेल्टन बो बर्गर	135
रूतुराज का ब्रेविस बो बार्टमैन	08
वाशिंगटन का बॉश बो बार्टमैन	13
राहुल का डिकॉक बो यानसन	60
रविंद्र जडेजा का मारक्रम बो बॉश	32
हर्षित राणा नाबाद	03
अर्शदीप सिंह बो बॉश	00
कुलदीप यादव नाबाद	00

गेंदबाजी : यानसन 10-0-76-2, बर्गर 10-0-65-2, बार्टमैन 10-0-60-2, सुब्रयन 10-0-73-0, बॉश 10-0-56-2

दक्षिण अफ्रीका

332/10 (49.2 ओवर)

एडन मारक्रम का राहुल बो अर्शदीप	07
रेयान रिकल्टन का हर्षित राणा	00
डिकॉक का राहुल बो हर्षित राणा	00
मैथ्यू ब्रीट्ज्के का कोहली बो कुलदीप	72
टोनी डिजॉर्जी पगबाधा बो कुलदीप	39
ब्रेविस का गायकवाड़ बो हर्षित राणा	37
मार्को यानसन का जडेजा बो कुलदीप	70
कॉर्बिन बॉश का रोहित बो प्रसिद्ध कृष्णा	67
प्रेनलन सुब्रयन का राहुल बो कुलदीप	17
नांद्रे बर्गर का राहुल बो अर्शदीप	17
ओटनील बार्टमैन नाबाद	00

गेंदबाजी : अर्शदीप सिंह 10-1-64-2, हर्षित राणा 10-0-65-3, वाशिंगटन सुंदर 3-0-18-0, प्रसिद्ध कृष्णा 7.2-1-48-1, कुलदीप यादव 10-0-68-4, रविंद्र जडेजा 9-0-66-0

352 छक्के वनडे में लगाकर रोहित शर्मा ने विश्व रिकॉर्ड बनाया

57 रन
51 गेंद
5 चौके
3 छक्के

त्रिशा-गायत्री ने बचाई उपाधि, श्रीकांत चूके

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

त्रिशा जॉली (दाएं) और गायत्री गोपीचंद पुलेला।

किदांबी श्रीकांत।

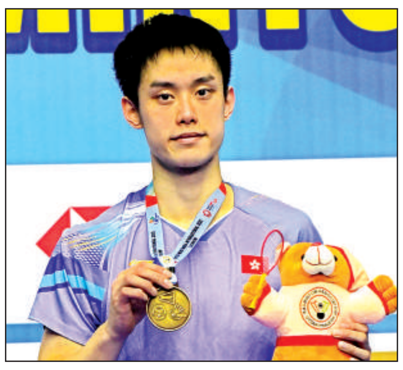

हांगकांग के जेसन गुनावान।

अमृत विचार: शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद पी. ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में कड़े संघर्ष के बाद मिली रोमांचक जीत के साथ जहां खिताब अपने नाम किया। दूसरी ओर स्टार भारतीय शटलर के.श्रीकांत को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हांगकांग के जेसन गुनावन से हारकर उपविजेता रहे।

भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के देखरेख में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में आयोजित चैंपियनशिप में दर्शकों से खचाखच भरी अकादमी में रविवार को फाइनल मैच खेले गए। महिला युगल का खिताब पिछली विजेता शीर्ष वरीय भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद पी. ने जीता जिन्होंने रोमांचक फाइनल में जापान की काहो ओसावा व माई तानाबे के खिलाफ 17-21, 21-13, 21-15 से जीत दर्ज की। एक घंटा 16 मिनट तक चले इस रोमांचक मैच में भारतीय जोड़ी को कड़ी टक्कर मिली, लेकिन शानदार रैली के बावजूद उन्हें पहले गेम में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद दूसरे गेम में त्रिशा-गायत्री की जोड़ी ने रणनीति बदली और दमदार कोर्ट कवरेज और शानदार जुगलबंदी के सहारे 9-2 की बढ़त के बाद जीत हासिल की। तीसरे और निर्णायक गेम में भी दोनों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन भारतीय जोड़ी ने कड़ी चुनौती पेश करते हुए आखिरी में छह मैच प्वाइंट अपने नाम करते हुए लगातार दूसरी बार खिताब पर कब्जा जमा लिया। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी इससे पूर्व पिछले वर्ष विजेता रही थी, जबकि 2022 में उन्हें उपविजेता रहकर संतोष करना पड़ा। वहीं, पुरुष एकल फाइनल में हांगकांग के जेसन गुनावन ने पांचवीं वरीयता प्राप्त भारत के के.श्रीकांत को एक घंटा 7 मिनट चले मैच में 21-16, 8-21, 22-20 से हराया। हांगकांग के वर्ल्ड 59वीं रैंकिंग जेसन गुनावन ने पहला गेम 21-16 से जीता। दूसरे गेम में श्रीकांत ने वापसी करते हुए 13 गेम प्वाइंट हासिल कर जीत दर्ज की। हालांकि निर्णायक तीसरे गेम में श्रीकांत ने कई मौके गंवाए, जबकि गुनावन ने दबाव बनाए रखा।

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

महिला एकल फाइनल में जापान की हीना जीतीं

महिला एकल फाइनल में जापान की हीना अकेची ने तुर्किये की नेस्लिहान अरीन को 21-16, 21-14 से हराया। पुरुष युगल के विजेता छठीं वरीय मलेशिया के एरन ताय व कांग खाई शिंग रहे जिन्होंने मलेशिया के ही ल्वी शेंग हाओ व चिया वेइजिए को 21-9, 21-19 से हराया। मिश्रित युगल खिताब इंडोनेशिया के देजान फर्डिनानस्याह और बर्नाडिन अनिंदिया वारदाना ने थाईलैंड के पक्कापोन तीरारतसाकुल व सप्सिरी तेरत्तनाचाईन को 21-19, 21-16 से हराकर जीता।

अभिषेक ने 12 गेंदों पर जड़ा संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक

हैदराबाद, एजेंसी

● सैयद मुश्ताक अली टी-20 में किया कारनामा

भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने रविवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल के खिलाफ पंजाब के मैच में नाबाद 148 रन बनाने के दौरान संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक जड़ा और टी-20 की एक पारी में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक छक्के लगाने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। अभिषेक ने पांच छक्के और इतने की चौके की मदद से सिर्फ 12 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया जो किसी भारतीय द्वारा संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक भी है।

दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज ने अपनी आक्रामक पारी में कुल 16 छक्के और आठ चौके लगाए। उन्होंने सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह के साथ 12.3 ओवरों के में 205 रन की साझेदारी की। एक पारी में उनके 16 छक्के अब अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजई और न्यूजीलैंड के फिन एलन के साथ संयुक्त रूप से तीसरे सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं। एस्टोनिया के भारतीय मूल के साहिल चौहान के नाम एक टी20 पारी में सर्वाधिक छक्के (18) लगाने का रिकॉर्ड है, जो उन्होंने जून 2024 में साइप्रस के खिलाफ लगाया था। अभिषेक ने जिमखाना मैदान पर खेले गए एलीट ग्रुप सी मुकाबले में 12 गेंदों में अर्धशतक जड़कर अपने गुरू और पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

अभिषेक ने भारतीय गेंदबाज मोहम्मद शमी और आकाश दीप की मौजूदगी वाले बंगाल के तेज गेंदबाजी आक्रमण का डटकर सामना किया और अपनी पारी की शुरुआती 12 गेंद में केवल एक डॉट गेंद का सामना करते हुए पांच छक्के और इतने ही चौके लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया।

उन्होंने बंगाल के गेंदबाजों के खिलाफ मैदान की हर दिशा में रन बाउंड्री लगाये जिसमें ज्यादा रन स्ट्रेट और लेग साइड में आये। पुरुषों के टी20 में किसी भी भारतीय के लिए सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड आशुतोष शर्मा के नाम है। उन्होंने 2023-24 में सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी मैच में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ रेलवे की ओर से खेलते हुए 11 गेंदों में यह रिकॉर्ड बनाया था।

जूनियर हॉकी विश्व कप : स्पेन ने बेल्जियम को 2-0 से हराया

मदुरै, एजेंसी

गोल का प्रयास करते जापान के शुन हारा (बाएं) और चीन के यानवेई डि। जापान ने यह मैच 3-2 से जीता। एजेंसी

विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज स्पेन ने एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के पूल डी मैच में रविवार को यहां बेल्जियम को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत हासिल कर क्वार्टरफाइनल की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए। स्पेन ने जुआन प्राडो (20वें मिनट) के मैदानी गोल और ब्रूनो अविला (32वें मिनट) के पेनल्टी कॉर्नर से किए गए गोल की बदौलत जीत दर्ज की। स्पेन ने इससे पहले शुक्रवार को अपने पहले मैच में मिस्र को 8-0 से शिकस्त दी थी। इस जीत से स्पेन छह अंक के साथ पूल डी में शीर्ष पर है। दुनिया की सातवें नंबर की टीम बेल्जियम दो मैच में तीन अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। स्पेन अब मंगलवार को नामीबिया से भिड़ेगा जबकि बेल्जियम का मुकाबला इसी दिन मिस्र से होगा।

पूल डी के एक अन्य मैच में नामीबिया ने मिस्र को 4-2 से हराया। नामीबिया के लिए लियाम ब्रूस (23वें मिनट), जेम्स डि जैगर (26वें मिनट) और जोश वान डर मर्वे (32वें मिनट) ने तीन मैदानी गोल किए जबकि जॉन पॉल ब्रिट्ज ने 60वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। मिस्र के लिए अब्देलरहमान कासेम (28वें मिनट) और मोहब हेगाब (53वें मिनट) ने गोल किए।

रविवार को यहां हुए दूसरे मैचों में दुनिया की पांचवें नंबर की नीदरलैंड ने मलेशिया को 6-1 से हरा दिया। वहीं जापान ने चीन को 3-2 से हरा दिया।

नई जिम्मेदारी

केकेआर के सपोर्ट स्टाफ में 'पावर कोच' के रूप में शामिल हुए

आंद्रे रसेल ने आईपीएल से संन्यास की घोषणा की

कोलकाता, एजेंसी

> मैंने आईपीएल से संन्यास लेने का फैसला किया है। मैं अभी भी दुनिया भर की विभिन्न लीगों और केकेआर की अन्य सभी फ्रेंचाइजी के लिए सक्रिय रूप से खेलता रहूंगा। मैंने (आईपीएल में) कुछ शानदार पल और बेहतरीन यादें साझा कीं, छक्के जड़े, मैच जीते, एमवीपी हासिल किए।
>
> -आंद्रे रसेल

आक्रामक हरफनमौला आंद्रे रसेल ने 16 दिसंबर को होने वाली मिनी नीलामी से पहले रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा के साथ बताया कि वह तीन बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कोचिंग स्टाफ में शामिल होंगे। सैंतीस साल के रसेल आईपीएल 2014 से केकेआर टीम का अभिन्न अंग रहे हैं। वह 2026 सत्र से पहले 'पावर कोच' के रूप में टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल होंगे। आईपीएल के आगामी सत्र के लिए अबू धाबी में नीलामी होगी।

रसेल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा आईपीएल से संन्यास ले रहा हूं... लेकिन मेरा आक्रामक अंदाज वैसा ही रहेगा। आईपीएल में पिछले 12 साल का सफर शानदार रहा। केकेआर परिवार को ढेर सारा प्यार।

उन्होंने कहा, ''सबसे अच्छी बात यह है कि मैं दुनिया भर की अन्य लीग में छक्के जड़ता और विकेट लेता रहूंगा। मैं अपना घर (केकेआर) नहीं छोड़ रहा हूं और आप मुझे एक नई भूमिका में केकेआर के सपोर्ट स्टाफ में 2026 के पावर कोच के रूप में देखेंगे। नया अध्याय। वही ऊर्जा। हमेशा के लिए 'नाइट'। सपोर्ट स्टाफ में शामिल होकर रसेल ने कैरेबियाई टीम के एक और दिग्गज टी20 क्रिकेटर कीरोन पोलार्ड के नक्शेकदम पर चलना शुरू कर दिया। पोलार्ड मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच के रूप में काम किया है। पोलार्ड इससे पहले लंबे समय तक खिलाड़ी के तौर पर मुंबई टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने कहा जब मैंने यह फैसला लिया, तो मुझे लगा कि इस समय यह सबसे अच्छा फैसला था। मैं अपने पीछे एक विरासत छोड़ना चाहता हूं कि प्रशंसक संन्यास क्यों नहीं ले रहे कि जगह संन्यास अभी क्यों ले रहे जैसे सवाल पूछे। उन्होंने कहा जब आप सोशल मीडिया पर होते हैं, तो आप खुद को अलग-अलग टीमों की जर्सी में फोटोशॉप की हुई तस्वीरों में देखते रहते हैं। मुझे खुद को बैंगनी और सुनहरे रंग (केकेआर की जर्सी) के अलावा किसी और रंग में देखकर अजीब लगता था और ये विचार मेरे दिमाग में घूमते रहते थे, जिससे मैं कुछ रातों तक सो नहीं पाया। रसेल ने कहा मेरे आईपीएल सफर के एक और अध्याय के बारे में मेरे और वेंकी मैसूर और शाहरुख खान के बीच काफी बातचीत हुई है। उन्होंने मुझे प्यार और सम्मान दिया है और मैदान पर मेरे काम की सराहना की है। एक परिचित प्रणाली में होना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा जब मैंने 'पावर कोच' नाम सुना, तो मुझे लगा कि यह आंद्रे रसेल का सबसे अच्छा वर्णन करता है।

कैरेबियाई दिग्गज ने 2012 से एक भी सत्र नहीं छोड़ा

रसेल 2012 से आईपीएल का एक भी सत्र नहीं छोड़ा है। उन्होंने अपनी शुरुआती दो सत्र में दिल्ली की फ्रेंचाइजी (तब दिल्ली डेयरडेविल्स) का प्रतिनिधित्व करने के बाद 2014 से केकेआर के साथ है। अपने बल्ले और गेंद से मैच का रूख किसी भी समय मोड़ने की क्षमता रखने वाले शमी के नाम 140 मैचों में 174 .18 की स्ट्राइक रेट से 2651 रन बनाए है। उन्होंने 123 विकेट लिए है। रसेल से एक दिन पहले 41 वर्षीय फाफ डु प्लेसिस ने घोषणा की थी कि वह इस साल के आईपीएल सत्र में हिस्सा नहीं लेंगे क्योंकि वह किसी अन्य लीग में खेलेंगे।